वर्ष 69 ▸▸ अंक 178 ▸▸ पृष्ठ 12+8= 20
भोपाल, शनिवार 28 मार्च, 2026
चैत्र शुक्ल पक्ष 10, विक्रम संवत् 2083
▸▸ महानगर ▸▸ मूल्य 7 रुपए
आज के अंक के साथ **सत्यकथा** (ऐच्छिक)

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

तानाशाही स्वाभाविक रूप से लोकतंत्र से ही जन्म लेती है, और अत्यधिक स्वतंत्रता से अत्यंत कठोर अत्याचार और गुलामी पैदा होती है।
–प्लेटो

ऑफ बीट

बदबूदार मोजे जलाकर गर्मियों का स्वागत

दुनिया भर में मौसम बदलने के साथ अलग-अलग परंपराएं देखने को मिलती हैं, लेकिन अमेरिका के एनापोलिस शहर में गर्मियों के स्वागत का तरीका बेहद अनोखा है। यहां लोग हर साल बदबूदार मोजे जलाकर गर्मियों का स्वागत करते हैं। यह अजीब लगने वाली परंपरा दरअसल एक खास ऐतिहासिक घटना से जुड़ी है और अब यह स्थानीय संस्कृति का हिस्सा बन चुकी है। इस परंपरा की शुरुआत साल 1977 में हुई थी। बताया जाता है कि एक नाविक ठंड से परेशान होकर अपने पुराने मोजे जलाने लगा और उसी के साथ उसने जश्न मनाया। धीरे-धीरे यह एक प्रतीकात्मक परंपरा बन गई और हर साल लोग इसे दोहराने लगे। एनापोलिस समुद्री गतिविधियों के लिए जाना जाता है।

संक्षिप्त खबरें

7 विदेशियों की एनआईए कस्टडी 10 दिन बढ़ी

नई दिल्ली, जेएनएन। पटियाला हाउस स्थित विशेष एनआईए अदालत ने राष्ट्रीय सुरक्षा में सेंध से जुड़े गंभीर मामले में सात विदेशी नागरिकों की एनआईए कस्टडी 10 दिन के लिए और बढ़ा दी है। इनमें छह यूक्रेनी और एक अमेरिकी नागरिक शामिल हैं। विशेष एनआईए न्यायाधीश प्रशांत शर्मा ने सुनवाई के बाद आरोपितों को छह अप्रैल को फिर पेश करने का निर्देश दिया है। अदालत ने इससे पहले एनआईए की उस अर्जी को भी मंजूरी दी थी, जिसमें सुरक्षा कारणों से सुनवाई एजेंसी मुख्यालय में कराने की मांग की गई थी। कोर्ट ने माना कि मामला बेहद संवेदनशील है और इसके अंतरराष्ट्रीय प्रभाव भी हो सकते हैं। एनआईए की जांच में सामने आया है कि कुछ यूक्रेनी नागरिक टूरिस्ट वीजा पर भारत आए और बिना जरूरी परमिट गुवाहाटी के प्रतिबंधित क्षेत्र से मिजोरम पहुंचे। वे अवैध रूप से म्यांमार में दाखिल हुए, जहां उन्होंने पहले से तय कार्यक्रम के तहत एथनिक आर्म्ड आर्गनाइजेशन्स को प्रशिक्षण दिया।

नेपाल: 35 वर्षीय बालेन बने सबसे युवा पीएम

काठमांडू, जेएनएन। नेपाल की राजनीति में एक नए दौर की शुरुआत हो गई है। 35 वर्षीय बालेंद्र शाह उर्फ बालेन शाह ने नेपाल के 47वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। वह देश के सबसे

युवा प्रधानमंत्री बन गए हैं। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने काठमांडू स्थित राष्ट्रपति भवन 'शीतल निवास' में आयोजित समारोह में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। यह शपथ ग्रहण रामनवमी के शुभ अवसर पर हिंदू रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। बालेन शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने हाल ही में हुए चुनाव में 275 में से 182 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया। इस प्रचंड बहुमत के बाद उनका प्रधानमंत्री बनना तय माना जा रहा था। उन्होंने चार बार के प्रधानमंत्री रह चुके केपी शर्मा ओली को उनके गढ़ में हराकर बड़ा राजनीतिक संदेश भी दिया है। बालेन शाह नेपाल के युवाओं के बीच बेहद लोकप्रिय हैं।

आईपीएल 2026: दुनिया की सबसे बड़ी टी-20 क्रिकेट लीग का आगाज आज से, बैंगलुरु-हैदराबाद के बीच पहला मुकाबला

आज से देश पर छाएगा फटाफट क्रिकेट का रोमांच

बेंगलुरु, जेएनएन। दुनिया की सबसे बड़ी टी-20 क्रिकेट लीग यानी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। आइपीएल का ओपनिंग मैच शनिवार को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा, जबकि फाइनल 31 मई को होगा। इस बार आईपीएल में पहली बार सभी 10 टीमों की कमान भारतीय कप्तानों के हाथ में है।

आरसीबी दो होम मैच छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण स्टेडियम में खेलेगी। वह उन तीन टीमों में से हैं, जिनके पास दो घरेलू मैदान हैं। पंजाब किंग्स चार होम मैच न्यू चंडीगढ़ में और तीन धर्मशाला में खेलेगी, जबकि राजस्थान रॉयल्स चार मैच जयपुर और तीन गुवाहाटी में खेलेगी। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि दिल्ली कैपिटल्स (दिल्ली) अपने कोई होम मैच विशाखापट्टनम में खेलेगी या नहीं, जैसा उन्होंने पिछले दो सीजन में किया था।

पहली बार सभी टीमों के कप्तान भारतीय

टीम	कप्तान
आरसीबी	रजत पाटीदार
पंजाब	श्रेयस अय्यर
मुंबई	हार्दिक पंड्या
गुजरात	शुभमन गिल
दिल्ली	अक्षर पटेल
हैदराबाद	इशान किशन
लखनऊ	रिषभ पंत
कोलकाता	अजिंक्य रहाणे
राजस्थान	रियान पराग
सीएसके	रुतुराज गायकवाड़

फाइनल का वेन्यू तय नहीं
अभी तक फाइनल या किसी भी प्लेऑफ मैच का वेन्यू तय नहीं हुआ है।

मैच का समय व प्रसारण

आईपीएल 2026 के सभी शाम के मैच भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे शुरू होंगे। दोपहर के मैच दोपहर 3:30 बजे से शुरू होंगे। इनका प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर किया जाएगा। मैच के पहले और बाद में भी कार्यक्रम होंगे। इस दौरान दर्शकों के लिए क्विज और अपने पसंदीदा खिलाड़ियों से बातचीत का मौका भी मिलेगा।

(संबंधित खबरें पेज-6 पर भी)

इस बार नया क्या देखने को मिलेगा

- **बड़े नाम गायब:** ग्लेन मैक्सवेल ने इस बार नीलामी में नाम नहीं दिया। फाफ डुप्लेसी और मोइन अली ने भी ऐसा ही किया।
- प्री-ऑक्शन ट्रेड्स की वजह से कई खिलाड़ियों की टीम बदली है। संजू सैमसन इस सीजन सीएसके के लिए खेलेंगे, क्योंकि राजस्थान ने उन्हें रवींद्र जडेजा और सैम कुरेन के बदले ट्रेड किया है।
- करन ग्रोइन इंजरी के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। सैमसन के जाने के बाद रियान पराग राजस्थान की कप्तानी करेंगे।
- अन्य ट्रेड्स में मोहम्मद शमी हैदराबाद से लखनऊ में, नीतीश राणा राजस्थान से दिल्ली में, मयंक मार्कंडेय केकेआर से मुंबई इंडियंस में, अर्जुन तेंदुलकर मुंबई से लखनऊ में और डोनोवन फरेरा दिल्ली से राजस्थान में गए हैं।
- गुजरात टाइटंस ने अशोक शर्मा को साइन किया, जिन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में 150 किमी/घंटा की रफ्तार छुई।
- लखनऊ सुपर ज्वाइंट के पास मुकुल चौधरी हैं, जिन्हें उनके कोच जस्टिन लैंगर भारत का सबसे खतरनाक नंबर 6 या 7 बल्लेबाज मानते हैं।
- इसके अलावा आरसीबी के मंगेश यादव, हैदराबाद के क्रेंस फुलेत्रा और शिवांग कुमार भी ध्यान देने योग्य हैं।

कैमरून ग्रीन इस सीजन के सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी

कैमरून ग्रीन आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी बने, जब केकेआर ने उन्हें 25.2 करोड़ रुपए में खरीदा। केकेआर ने मतीशा पतिराना को 18 करोड़ रुपए में भी खरीदा। वेंकटेश अय्यर, जिन्हें आईपीएल 2025 में केकेआर ने 23.75 करोड़ में खरीदा था, उन्हें आरसीबी ने 7 करोड़ में लिया। यह नीलामी अनकैप्ड भारतीय खिलाड़ियों के नाम रहा, जहां 20 वर्षीय प्राशांत वीर और 19 वर्षीय कार्तिक शर्मा को सीएसके ने 14.2-14.2 करोड़ रुपए में खरीदा। जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज ऑकिब नबी को दिल्ली कैपिटल्स ने 8.4 करोड़ रुपए में खरीदा।

हर्षित राणा और आकाशदीप पूरे टूर्नामेंट से हुए बाहर

कई खिलाड़ी चोट के कारण बाहर हैं। केकेआर के हर्षित राणा और आकाश दीप पूरे टूर्नामेंट से बाहर हैं, जबकि मतिशा पतिराना अप्रैल के बीच में उपलब्ध होंगे। हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस शुरुआती आधे टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। आरसीबी के जॉश हेजलवुड शुरुआती मैचों में नहीं खेलेंगे, जबकि यश दयाल पूरे सीजन से बाहर हैं। सीएसके के नेथन एलिस भी बाहर हैं।

देश में नहीं लगेगा लॉकडाउन, अफवाहों पर सरकार का साफ संदेश

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10-10 रुपए घटाई

फिलहाल स्थिर रहेंगी कीमतें

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच देश में लॉकडाउन की अटकलों पर केंद्र सरकार ने शुक्रवार को साफ शब्दों में विराम लगा दिया। सरकार ने स्पष्ट किया कि भारत में किसी भी तरह का लॉकडाउन लगाने की कोई योजना नहीं है।

इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के बीच केंद्र सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपए प्रति लीटर की कटौती कर दी है। इस फैसले का मकसद ईंधन की कीमतों को फिलहाल स्थिर रखना है। नई व्यवस्था के तहत पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपए से घटाकर 3 रुपए प्रति लीटर कर दी गई है, जबकि डीजल पर 10 रुपए की ड्यूटी को पूरी तरह खत्म कर शून्य कर दिया गया है।

यूएस-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का असर वैश्विक तेल बाजार पर साफ दिख रहा है। कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। इस तेजी के चलते भारतीय तेल कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा था।

इस बीच, पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने बताया कि देश की सभी रिफाइनरियां 100 फीसदी क्षमता पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में एलपीजी उत्पादन में 40 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है, जिससे घरेलू और व्यावसायिक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव पर नजर रखने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में मंत्रियों की एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है।

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के मुताबिक, तेल कंपनियां इस समय पेट्रोल पर करीब 24 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर लगभग 30 रुपए प्रति लीटर का घाटा झेल रही हैं।

पीएम ने की मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक

इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया संकट को लेकर राज्यों की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक की। बैठक में आपूर्ति, ऊर्जा और आपात प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में राज्यों की आपात तैयारियों और योजनाओं की भी समीक्षा की जा रही है। हालांकि, जिन पांच राज्यों में चुनाव प्रक्रिया चल रही है, उन्हें इस बैठक में शामिल नहीं किया गया है। वहां आचार संहिता लागू होने के कारण मुख्य सचिवों के साथ अलग से बैठक की जाएगी।

सस्ता नहीं होगा पेट्रोल-डीजल

एक्साइज ड्यूटी घटाई गई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि पेट्रोल-डीजल तुरंत 10 रुपए सस्ता हो जाएगा। कंपनियां टैक्स कटौती का उपयोग अपने घाटे की भरपाई करने में करेंगी, जिससे फिलहाल कीमतें स्थिर रह सकती हैं।

7000 करोड़ का नुकसान

एक्साइज ड्यूटी में कटौती के कारण सरकार को हर 15 दिन में करीब 7000 करोड़ रुपए का राजस्व नुकसान उठाना पड़ेगा। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड) के चेयरमैन विवेक चतुर्वेदी ने शुक्रवार को इस बात की जानकारी दी।

हर 15 दिन में होगी समीक्षा

सरकार ने यह भी संकेत दिया है कि वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए पेट्रोल-डीजल की कीमतों की हर 15 दिन में समीक्षा की जाएगी। पश्चिम एशिया के हालात और कच्चे तेल की कीमतों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

तीन मंत्रियों ने किया खंडन

"लॉकडाउन की अफवाहें बेबुनियाद हैं और प्रधानमंत्री पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि घबराने की जरूरत नहीं है। हालात पर शीर्ष स्तर से लगातार निगरानी की जा रही है।
- किरेन रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री

"लॉकडाउन को लेकर कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है और लोगों को जिम्मेदारी के साथ व्यवहार करना चाहिए।
- हरदीप सिंह पुरी, पेट्रोलियम मंत्री

"कोविड जैसी स्थिति या लॉकडाउन दोबारा नहीं लगाया जाएगा। विपक्षी नेताओं के बयान निराधार हैं। इनमें कोई सच्चाई नहीं है।
- निर्मला सीतारमण, वित्त मंत्री

उपभोक्ताओं के हित में पीएम का बड़ा निर्णय: सीएम

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने खाड़ी युद्ध के बीच उपभोक्ताओं के हितों का ध्यान रखते हुए एक बड़ा निर्णय लिया है। पेट्रोल-डीजल पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती स्वागत योग्य कदम है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री की नीतियों से पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़ेंगे। भारतीय बाजार में तेल की उपलब्धता पर्याप्त रहेगी, उपभोक्ताओं पर भी तेल कीमतों का अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा और देश की तेल रिफायनरियां अपना काम सरलता से करती रहेंगी।

जम्मू-कश्मीर विस में हंगामा

भाजपा और कांग्रेस के विधायकों में हाथापाई

श्रीनगर, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को भारी हंगामा हुआ। इस दौरान भाजपा और कांग्रेस विधायकों के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई तक की नौबत आ गई। सदन में नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के नेता ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के मुद्दे को लेकर पोस्टर और तस्वीरें लेकर पहुंचे। उन्होंने खामेनेई के समर्थन में नारेबाजी की और विरोध दर्ज कराया। एनसी विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि उनकी पार्टी ईरान के साथ खड़ी है। किसी भी देश द्वारा दूसरे देश पर हमले की निंदा की जानी चाहिए। इसी बीच, भाजपा और कांग्रेस नेताओं के बीच तीखी बहस हो गई, जो हाथापाई में बदल गई। कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। इस पर भाजपा विधायक युद्धवीर सेठी ने राहुल गांधी पर टिप्पणी करते हुए उन्हें 'पप्पू' कहा। इस टिप्पणी के बाद दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया और धक्का-मुक्की शुरू हो गई, जिसका वीडियो भी सामने आया है।

खामेनेई के पोस्टर लहराए

इलाहाबाद हाईकोर्ट का चौंकाने वाला फैसला

शादीशुदा पुरुष का लिव-इन में रहना अपराध नहीं

प्रयागराज, जेएनएन। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि यदि कोई शादीशुदा पुरुष किसी बालिग महिला के साथ उसकी सहमति से लिव-इन में रह रहा है, तो इसे अपराध नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि नैतिकता और कानून अलग-अलग हैं और फैसले कानून के आधार पर होते हैं, न कि नैतिक मानकों पर। जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की बेंच शाहजहांपुर के एक मामले की सुनवाई कर रही थी। इस मामले में लिव-इन में रह रहे एक कपल ने परिवार से मिल रही धमकियों के खिलाफ सुरक्षा की मांग की थी। कोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए कपल की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और महिला के परिवार को उन्हें परेशान करने या नुकसान पहुंचाने से भी मना किया है।

पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 87 के तहत केस दर्ज किया था। बाद में महिला और उसके साथी ने इस

कोर्ट की अहम टिप्पणी

सुनवाई के दौरान महिला के वकील ने बताया कि वह बालिग है और अपनी इच्छा से लिव-इन में रह रही है। वहीं, महिला की मां के वकील ने तर्क दिया कि संबंधित पुरुष शादीशुदा है, इसलिए यह संबंध अवैध है। इस पर कोर्ट ने कहा कि यदि दोनों बालिग हैं और सहमति से साथ रह रहे हैं, तो इसमें किसी की गरिमा का हनन नहीं होता और इसे अपराध नहीं कहा जा सकता।

एफआईआर को हाईकोर्ट में चुनौती दी। हाईकोर्ट के इस फैसले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि व्यक्तिगत संबंधों के मामलों में कानून की प्राथमिकता नैतिकता से ऊपर है और बालिगों की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाना चाहिए।

ग्वालियर: प्रधानमंत्री की मिमिक्री करने वाले शिक्षक को मिली राहत

दबाव में न करें सस्पेंड, सोच समझकर करें अधिकार का इस्तेमाल: हाईकोर्ट

जागरण, ग्वालियर। गैस संकट से हो रही परेशानी पर प्रधानमंत्री की मिमिक्री के जरिए अपना दर्द बयां करने वाले शिक्षक को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ ने राहत देते हुए निलंबन आदेश पर रोक लगा दी है। अदालत ने निलंबन आदेश जारी करने वाले अधिकारियों पर भी नाराजगी जताई है। अदालत ने आपत्ति जताते हुए नसीहत दी है कि निलंबित करने का अधिकार होना पर्याप्त नहीं है, उसका इस्तेमाल विवेकपूर्ण ढंग से और ठोस आधार पर होना चाहिए।

न्यायमूर्ति आशीष श्रोती की एकल पीठ ने शिवपुरी के प्राथमिक शिक्षक साकेत कुमार पुरोहित की याचिका पर सुनवाई करते स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को यह नसीहत देते हुए निलंबन आदेश पर रोक लगा दी है। साथ ही दोबारा विचार के लिए यह मामला संबंधित अधिकारी के पास भेज दिया। याचिकाकर्ता शिक्षक को पीएम की नकल उतारते हुए फेसबुक पर वीडियो पोस्ट किया था। शिकायत मिलने पर जिला शिक्षा अधिकारी ने 13 मार्च 2026 को निलंबित कर उक्त शिक्षक को ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बदरवास में अटैच कर दिया था। पीएम की मिमिक्री वाले वीडियो पर आपत्ति जताते हुए पिछोर विधायक प्रीतम सिंह लोधी ने शिकायत की थी। स्कूल शिक्षा विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शिक्षक को निलंबित कर बीईओ कार्यालय बदरवास से अटैच कर दिया।

अधिकारी की सोच पर भी उठाए सवाल

सुनवाई के दौरान राज्य शासन के अधिवक्ता ने दलील दी कि निलंबन कोई सजा नहीं, बल्कि जांच को निष्पक्ष रखने के लिए एक अंतरिम कदम है। इस पर न्यायमूर्ति श्रोती ने टिप्पणी करते हुए कहा कि सस्पेंशन का इस्तेमाल सोच-समझकर होना चाहिए, केवल अधिकार होना पर्याप्त नहीं है। अदालत ने यह भी माना कि शिकायत के तुरंत बाद की गई कार्रवाई से अधिकारी की स्वतंत्र सोच पर सवाल उठते हैं और 2005 के शासन निर्देशों का भी पालन नहीं हुआ। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया आदेश को त्रुटिपूर्ण मानते हुए उस पर रोक लगा दी।

रक्षा खरीद रिकॉर्ड स्तर पर रक्षा खरीद, सरकार ने 2.38 लाख करोड़ के रक्षा प्रस्तावों को दी मंजूरी

सेना-वायुसेना को मिलेंगे अत्याधुनिक हथियार और सिस्टम

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद की बैठक में करीब 2.38 लाख करोड़ रुपए के रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक डीएसी 55 प्रस्तावों को मंजूरी दे चुका है, जिनकी कुल लागत 6.73 लाख करोड़ रुपए है। इसी अवधि में 503 रक्षा सौदे भी साइन किए गए हैं, जिनकी कीमत 2.28 लाख करोड़ रुपए है। सरकार के अनुसार, यह किसी एक वित्त वर्ष में अब तक का सबसे बड़ा रक्षा खरीद आंकड़ा है।

इन प्रस्तावों में थलसेना, वायुसेना और कोस्ट गार्ड के लिए कई आधुनिक हथियार और सिस्टम शामिल हैं। भारतीय सेना के लिए कई अहम सिस्टम को मंजूरी दी गई है, जिनमें एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम, आर्मर पियर्सिंग टैंक गोला-बारूद, हाई कैपेसिटी रेडियो रिले और स्वदेशी धनुष गन सिस्टम शामिल हैं।

वायुसेना को एस-400 और नए एयरक्राफ्ट

भारतीय वायुसेना के लिए मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम, रिमोटली पायलटेड स्ट्राइक एयरक्राफ्ट (ड्रोन) और एसयू-30 इंजन अपग्रेड को मंजूरी दी गई है।

- नए ट्रांसपोर्ट विमान एन-32 और आईएल-76 की जगह लेंगे
- एस-400 सिस्टम लंबी दूरी के हवाई खतरों से सुरक्षा देगा
- ड्रोन स्ट्राइक एयरक्राफ्ट से ऑपरेशन और निगरानी क्षमता बढ़ेगी
- एसयू-30 इंजन अपग्रेड से विमानों की उम्र और दक्षता बढ़ेगी

कोस्ट गार्ड के लिए होवरक्राफ्ट

इंडियन कोस्ट गार्ड को हेवी ड्यूटी एयर कुशन व्हीकल्स (होवरक्राफ्ट) दिए जाएंगे। ये वाहन जमीन, पानी, कीचड़ और बर्फ-हर सतह पर चल सकते हैं। इनका इस्तेमाल तटीय गश्त, सर्च एंड रेस्क्यू और लॉजिस्टिक सपोर्ट में होगा।

800 किमी रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइल की तैयारी

भारतीय सेना अब 800 किलोमीटर से अधिक मारक क्षमता वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल खरीदने की तैयारी कर रही है। अभी सेना के पास 450 किमी रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइल मौजूद हैं। नई मिसाइल के आने के बाद लंबी दूरी के लक्ष्यों पर सटीक हमला करना और आसान हो जाएगा। उदाहरण के तौर पर, दिल्ली से इस्लामाबाद (करीब 700 किमी) तक निशाना साधा जा सकेगा।

ड्रोन और मिसाइल फोर्स पर फोकस

सेना नई पीढ़ी के युद्ध को देखते हुए मिसाइल और ड्रोन क्षमता पर खास ध्यान दे रही है। इसके तहत एक समर्पित मिसाइल फोर्स बनाने और बड़ी संख्या में ड्रोन शामिल करने की योजना है। आर्टिलरी और इन्फैंट्री यूनिट्स में स्पेशल ड्रोन रेजिमेंट और प्लाटून भी बनाए जा रहे हैं।

भारत-रूस का संयुक्त प्रोजेक्ट है ब्रह्मोस

ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस का संयुक्त प्रोजेक्ट है, जिसे डीआरडीओ और रूस की एजेंसी एनपीओएम ने मिलकर विकसित किया है। यह दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में से एक मानी जाती है। इसे जमीन, समुद्र, हवा और पनडुब्बी चारों प्लेटफॉर्म से लॉन्च किया जा सकता है।

पुलिस से भाग रही स्कॉर्पियो ने ऑटो को रौंदा, 5 की मौत

रात 3 बजे हुआ हादसा, ऑटो ड्रायवर सहित 4 घायल

जागरण, ग्वालियर। बेटे के जन्मदिन पर दर्शन कर मंदिर से लौट रहे एक परिवार को बेतहाशा स्पीड से भाग रही स्कॉर्पियों ने तड़के तीन बजे बुरी तरह रौंद डाला। यह हादसा तब हुआ जब स्कॉर्पियो चालक रात में एक ई-रिक्शा को टक्कर मार भागने लगा। पुलिस को देखकर ड्रायवर ने स्पीड और बढ़ा दी, जिससे गाड़ी बेकाबू हो गई। तेज रफ्तार में गाड़ी के टक्कर मारते ही ऑटो एक पेड़ से टकरा गया। टक्कर इतनी भीषण थी कि पांच लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ऑटो चालक की भी हालत नाजुक बनी हुई है। कुल चार लोग गंभीर रूप घायल हुए हैं।

पुलिस के मुताबिक, मुरार के घास मंडी और थाटीपुर की सरकारी मल्टी में रहने वाले शुभम शाक्य के बेटे आरव का गुरुवार को जन्मदिन था। पूरा

परिवार दोपहर में करौली माता मंदिर फिर ग्वालियर के ही वैष्णो देवी मंदिर गया था। शाम को घर पर जन्मोत्सव मनाने के बाद सभी लोग रात 10 बजे शीतला माता मंदिर गए थे। दर्शन कर लौटते समय परशुराम चौराहे पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनके ऑटो को जोरदार बुरी तरह कुचल डाला। स्कॉर्पियो की टक्कर लगने से ऑटो नीम के पेड़ से टकराने के बाद चकनाचूर हो गया। आगे का आधा हिस्सा तो पूरी तरह मिट गया।

संक्षिप्त खबरें

बिजली की दरें वापस लें नहीं तो आंदोलनः कांग्रेस

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में बिजली की दर में वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस मोर्चा खोलने की तैयारी में है। शुक्रवार को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर दरों में वृद्धि पर विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि यदि बढ़ी दरें वापस नहीं होती तो कांग्रेस आंदोलन के लिए सड़क पर उतरेगी। पटवारी ने कहा कि सरकार का यह निर्णय जनविरोधी है। उन्होंने कहा कि 1 अप्रैल से लागू होने वाली यह बढ़ोतरी आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने वाली है। सरकार जनसेवा के बजाय सरकारी वसूली के मॉडल पर काम कर रही है, जबकि पहले से ही महंगाई से लोग परेशान हैं। पटवारी ने पत्र में लिखा कि कि पिछले एक दशक में प्रदेश में बिजली दरें 22 से 24 प्रतिशत तक बढ़ चुकी हैं। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 0-50 यूनिट की दर में भी 20 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा हर महीने फ्यूल सरचार्ज के नाम पर अतिरिक्त भार डाला जा रहा है, जिससे आम उपभोक्ता की जेब पर लगातार दबाव बढ़ रहा है।

मूल्यांकन की गुणवत्ता बढ़ाने आज से सेमिनार

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र लोक सेवा आयोग शनिवार और रविवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार तथा कार्यशाला का आयोजन कर रहा है। सेमिनार का विषय आयोग की भर्ती परिक्षाओं में प्रश्न पत्र रचना एवं मूल्यांकन में गुणवत्ता उन्नयन रखी गई है। सेमिनार में देशभर से 200 विषय विशेषज्ञ भाग लेंगे। विशेषज्ञ प्रश्न पत्र की गुणवत्ता बढ़ाने क्या प्रयास किए जा सकते हैं इसी संबंध में विचार रखेंगे। पूर्व में आयोग द्वारा इसी प्रकार के तीन सेमिनार आयोजित किए जा चुके हैं। जिसका सकारात्मक परिणाम भी प्रश्नों के स्तर में दिखाई दे रहा है। प्रश्नों पर आपत्तियों की संख्या कम होकर न्यायालयीन प्रकरणों में भी कमी आई है। उल्लेखनीय है कि पिछली राज्य सेवा परीक्षा 2025 में एक भी प्रश्न डिलिट नहीं हुआ था। आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेश लाल मेहरा का कहना है कि उक्त आयोजन से आयोग की परीक्षाओं का स्तर और भी बेहतर हो सकेगा।

देशवासियों के साथ खड़ी है सरकार : हेमंत

विसं, भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पश्चिम एशिया में जारी वैश्विक तनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिए गए ऐतिहासिक निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री के संकल्प और समर्पण को और प्रगाढ़ करता है। यह विश्वास दिलाता है कि सरकार हमेशा उनके साथ खड़ी रहेगी। खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत ने हर कठिन दौर में न केवल अपने पैरों पर खड़ा रहकर स्थिरता दिखाई है, बल्कि चुनौतियों को अवसर में बदलकर नई ऊर्जा के साथ उभरा है।

हटाने के बाद भी कार्यमुक्त नही हुए स्थायीकर्मी ताज

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। वन विभाग के परिक्षेत्र समर्धा के तहत केरवा डैम क्षेत्र वन विभाग की चौकी पर कार्य के दौरान परिक्षेत्र अधिकारी ताज मोहम्मद को अवैध वसूली और धमकी देने के संबंध में शिकायत होने पर परिक्षेत्र समर्धा से परिक्षेत्र भोपाल इकाई भोपाल में अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक लगाई गई है। आदेश जारी हुए करीब दस दिन बीत गई हैं, लेकिन उन्हें कार्य मुक्त नहीं किया गया है। इससे लेकर वनकर्मी आपत्ति ले रहे हैं। उन्हें कार्यमुक्त नहीं करने से जांच प्रभावित हो सकती है। उन्हें स्थानीय व्यवस्था के तौर पर एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में पदस्थ किया गया है। जारी पत्र में बताया गया है कि उक्त स्थानीय व्यवस्था है। इसे स्थानांतरण नहीं माना जाएगा। डीएफओ भारती का कहना है कि ताज को कार्यमुक्त क्यों नहीं किया गया है।

7 हजार की घूस लेते एएसआई गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। थाना कसरावद में पदस्थ कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) रवीन्द्र कुमार को लोकायुक्त की टीम ने 7000 रुपए की रिश्वत लेते हुए बस स्टैंड पर रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी पुलिसकर्मी बुजुर्ग किसान से शिकायत के निराकरण के नाम पर रुपयों की मांग कर रहा था। लोकायुक्त एसपी इंदौर राजेश सहाय के अनुसार शिकायतकर्ता 70 वर्षीय श्यामलाल उपाध्याय ग्राम चंदावड़ के निवासी हैं और किसानी करते हैं। उनके खिलाफ राजेश बागदरे ने जान से मारने की धमकी देने की शिकायत की थी। इस शिकायत को खत्म करने के बदले में एएसआई ने श्यामलाल से 20,000 रुपए की रिश्वत की मांग की थी। किसान ने शिकायत इंदौर लोकायुक्त को की थी, जिसके बाद शुक्रवार को रिश्वत की किश्त के रूप में 7,000 लेकर कसरावद बस स्टैंड पहुंचे। यहां जैसे ही एएसआई रवीन्द्र कुमार गुरू ने बस स्टैंड पर रिश्वत की राशि हाथ में ली, मौजूद लोकायुक्त की टीम ने पकड़ लिया।

दिल्ली से सीधे छिंदवाड़ा पहुंचे सीएम ▸▸ गांवों में जाकर मृतकों के परिजनों को बंधाया ढांढ़स, ▸▸ जरूरत पड़े तो घायलों को नागपुर भेजने को कहा

संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ है प्रदेश सरकार

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को दिल्ली प्रवास से सीधे छिंदवाड़ा पहुंचे और सड़क दुर्घटना में प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने अस्पताल में इलाज करा रहे घायलों से भी मुलाकात की और चिकित्सकों से उनके इलाज के बारे में जानकारी ली। सीएम जिले के उन तीन गांवों में भी पहुंचे, जहां के ग्रामीणों की दुर्घटना में मौत हुई है। मुख्यमंत्री ने छिंदवाड़ा जिले में गुरुवार को हुई सड़क दुर्घटना में दिवंगत हुए नागरिकों के परिजन से भेंट कर उन्हें सांत्वना प्रदान की। उन्होंने कहा कि दुर्घटना पीड़ादायक है। मध्यप्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों के संकट की घड़ी में उनके साथ है। दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई थी। इन परिवारों को संबल योजना की 4 लाख रुपये की राशि भी प्रदान की जायेगी। घायल व्यक्तियों को भी आवश्यक सहायता और निःशुल्क उपचार सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। सभी घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने जिले के ग्राम करेर की श्रीमती सिया, रामदास पराने, दौलत पवार, भागवती और शकुन के निवास जाकर परिजनों से मुलाकात की। सीएम ग्राम ग्वारा और ग्राम झिरिया पहुंचे। उन्होंने यहां प्रभावित परिवारों के सदस्यों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और संबल प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिला अस्पताल में भर्ती घायलों की समुचित चिकित्सा के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ती है तो घायलों को उपचार के लिए नागपुर या अन्य दूसरे उच्च चिकित्सा संस्थानों में भेजने की व्यवस्था की जाए। जिला प्रशासन, नागरिकों और पुलिस बल के उन जवानों की सराहना की, जिन्होंने दुर्घटना के बाद सभी स्थितियों को कुशलतापूर्वक सम्हाला। उन्होंने उन पुलिस जवानों को पुरस्कृत करने की घोषणा की।

जवानों को किया जाएगा पुरस्कृत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छिंदवाड़ा जिला प्रशासन, नागरिकों और पुलिस बल के उन जवानों की सराहना की, जिन्होंने दुर्घटना के बाद सभी स्थितियों को कुशलतापूर्वक सम्हाला। उन्होंने उन पुलिस जवानों को पुरस्कृत करने की घोषणा की, जिन्होंने घायलों की पूरी संवेदनशीलता और तत्परता से सहायता की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रामनवमी के पहले से निर्धारित सतना जिले के चित्रकूट के विभिन्न कार्यक्रमों को निरस्त कर छिंदवाड़ा में प्रभावित परिवारों से मिलने पहुंचे।

ग्वालियर हादसा पीड़ितों को मिलेगी राशि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्वालियर के थाटीपुर में हुई सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है। डॉ. यादव ने दिवंगतों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजन के साथ हैं। सीएम ने दुर्घटना में मृत नागरिकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए और गंभीर रूप से घायलों को 1-1 लाख रुपए और सामान्य घायलों को 50-50 हजार रुपए प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

वित्तीय वर्ष के अंतिम पखवाड़े के कारण अटक गई आईएएस अफसरों की सूची

▸▸ अप्रैल में बदले जाएंगे आईएएस अधिकारियों के दायित्व ▸▸ सीएम की सहमति के बाद सूची रोकने का हुआ निर्णय

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल फिलहाल रुक गया है। इसकी वजह मौजूदा वित्तीय वर्ष का अंतिम पखवाड़ा होना बताया जा रहा है। सरकार चाहती है कि अधिकारियों के तबादलों की वजह से बजट, राजस्व लक्ष्य और अहम प्रशासनिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न न हो। सूत्रों की मानें तो इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुख्य सचिव अनुराग जैन की चर्चा हो चुकी है। गौरतलब है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 का अंतिम पखवाड़ा चल रहा है, जिसमें पूरा प्रशासनिक अमला व्यस्त है। राज्य शासन चाहता है कि मार्च के अंत में वित्तीय वर्ष की समाप्ति के चलते प्रशासनिक कार्यो में निरंतरता बनाए रखी जाए। ऐसे में सरकार ने तय किया है कि अब मंत्रालय से लेकर मैदानी अफसरों और जिलों के कलेक्टर को वित्तीय वर्ष के शुरुआत में बदला जाए, यानि कि अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में बड़ी प्रशासनिक सर्जरी कर दी जाएगी। प्रशासनिक सूत्रों की मानें तो राज्य शासन तकरीबन 35 से ज्यादा आईएएस अधिकारियों के दायित्वों में बदलाव करेगा। इसमें राज्य शासन के कई अहम विभाग के प्रमुखों को भी बदला जा सकता है। खबर यह भी है कि इस वर्ष मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित 20 से ज्यादा वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सेवानिवृत्त हो रहे है। ऐसे में सरकार प्रशासनिक बदलाव के समय इन बातों का ध्यान रखते हुए बड़े स्तर पर फैसले लेगी।

इस साल ये अधिकारी होंगे रिटायर

जानकारी के अनुसार जिन अधिकारियों का सेवा काल इसी साल पूरा हो रहा है, उनमें माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष स्मिता भारद्वाज इसी माह यानि कि 31 अप्रैल को सेवानिवृत्त होंगी। जबकि अप्रैल माह में सचिव मप्र भवन एवं संजय कुमार, मई में केंद्रीय अल्पसंख्यक आयोग की सचिव अलका उपाध्याय, जून में एमपी खादी ग्राम उद्योग बोर्ड के एमडी माल सिंह भयड़िया, अगस्त में पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव, सितंबर माह में मुख्य सचिव अनुराग जैन और चंबल संभागायुक्त सुरेश कुमार सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इसी तरह अक्टूबर माह में लोकायुक्त संगठन की सचिव अरुणा गुप्ता, होम सेक्रटरी आशीष श्रीवास्तव, नवंबर में राजस्व विभाग के अपर सचिव चंद्रशेखर वालिम्बे व शहडोल कमिश्नर केदार सिंह और दिसंबर माह में राजस्व मंडल के ललित दाहिमा सहित अन्य अधिकारी भी अपनी अर्ध वार्षिकी सेवाओं को पूरा करेंगे।

2017 बैच के आईएएस को मिलेगा मौका

सूत्रों की मानें तो राज्य सरकार कुछ जिलों में वर्ष 2015 सो 2017 बैच के आईएएस अधिकारियों को कलेक्टर बना सकती है। इसी तरह बड़े विभागों की कमान ऐसे अधिकारियों को सौंपी जा सकती है, जिन्होंने अपने-अपने विभागों में बेहतर परिणाम दिए हैं। विशेषकर मैदान में ऐसे अधिकारियों को भेजा जा सकता है, जो जनता और जनप्रतिनिधियों से बेहतर संवाद कर सरकार की योजनाओं का क्रियान्वयन करा सकें। सूची फायनल करने से पहले ऐसे अधिकारियों के नामों पर मंथन किया गया और फिर सूची को सीएम के सामने रखकर अधिकारियों की कार्यशैली पर भी उन्हें जानकारी दी गई।

सूची तैयार 15 से ज्यादा कलेक्टर के नाम

जानकारों का कहना है कि राज्य शासन की संभावित फेरबदल सूची में 15 से ज्यादा जिलों के कलेक्टर के नाम है। इनमें रीवा और धार सहित दूसरे ऐसे जिलों के कलेक्टर के नाम है, जिनका एक ही जिले में कार्यकाल तीन साल से भी ज्यादा हो चुका है। सूची पर अंतिम फैसला मार्च माह के पहले सप्ताह में ही लिया जा चुका है। जिसे नवरात्रि पर्व से पहले घोषित किया जाना था, लेकिन वित्तीय वर्ष का अंतिम माह होने के वजह से प्रशासनिक कार्य प्रभावित न हो, इसलिए सूची को फिलहाल मार्च में जारी नहीं करने का निर्णय लिया गया। बताया गया है कि इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के समक्ष मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वित्त वर्ष का अंतिम समय चलने की वजह प्रशासनिक कार्यो में निरंतरता टूटने की जानकारी दी। जिस पर सीएम ने सूची को अप्रैल में जारी करने पर सहमति जता दी।

कर्ज चुकाने के लिए सरकार ने बनाया कंसोलिडेटेड सिंकिंग फंड

देनदारी से मिलेगी राहत, आरबीआई की देखरेख में संचालन

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश सरकार ने राज्य की वित्तीय स्थिति को भविष्य में मजबूत और सुरक्षित बनाने के लिए एक नया फैसला लिया है। वित्त विभाग ने कंसोलिडेटेड सिंकिंग फंड यानी समेकित शोधन निधि के गठन को मंजूरी दी है। वित्त विभाग सचिव लोकेश कुमार जाटव द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार इस फंड का मुख्य उद्देश्य सरकार की बकाया देनदारियों (कर्जों) को समय पर चुकाना है। यह योजना वर्ष 2025-26 से ही लागू रहेगी और इस खाते में जमा रकम का उपयोग अमोर्टाइजेशन फंड (ऋण मुक्ति निधि) के रूप में किया जाएगा। सरल शब्दों में कहें तो, यह सरकार की एक ऐसी गुल्लक होगी जिसमें जमा राशि का उपयोग केवल सरकारी कर्ज उतारने के लिए ही किया जा सकेगा।

सालभर में कभी भी जमा किया जा सकेगा पैसा

इस फंड की खास बात यह है कि इसमें साल भर में कितनी भी बार पैसा जमा किया जा सकता है। सरकार इसमें अपने सामान्य राजस्व या विनिवेश से प्राप्त राशि का निवेश कर सकेगी, लेकिन इसके लिए रिजर्व बैंक से कर्ज नहीं लिया जाएगा। इस फंड की देखरेख का जिम्मा भारतीय रिजर्व बैंक की नागपुर स्थित सेंट्रल अकाउंट्स सेक्शन शाखा द्वारा संभाला जाएगा। फंड में जमा होने वाली राशि को भारत सरकार की प्रतिभूतियों (सिक्योरिटीज), ट्रेजरी बिलों और अन्य राज्यों की सरकारी सिक्योरिटीज में निवेश किया जाएगा। इस योजना के तहत इस फंड के गठन की तारीख से अगले 5 वर्षों तक इससे कोई पैसा नहीं निकाला जा सकेगा। फंड में निवेश की जाने वाली राशि 10,000 रुपये के गुणकों में होगी। आपातकाल या अस्थाई नकदी संकट के समय सरकार इस फंड के निवेश को गिरवी रखकर रिजर्व बैंक से विशेष आहरण सुविधा के तहत अल्पकालिक ऋण ले सकेगी, लेकिन इस रकम को निकाला नहीं जा सकेगा। यह फंड सरकार के सामान्य राजस्व खाते से पूरी तरह बाहर और अलग रखा जाएगा। इस नई व्यवस्था से उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले वर्षों में मध्य प्रदेश सरकार पर कर्ज का बोझ कम होगा और राज्य की साख में भी सुधार आएगा।

सरकार फिर लेगी 2500 करोड़ का लोनः राज्य सरकार फिर 2500 करोड़ का कर्ज लेने जा रही है। इसमें से 1500 का लोन 14 साल और 1000 करोड़ का लोन 24 साल की अवधि का होगा। ये लोन 30 मार्च को प्रदेश सरकार के खाते में आएंगे। वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार इन कर्जों के बाद सरकार पर कर्ज की रकम बढ़कर 4 लाख 14 हजार 611 करोड़ हो जाएगी।

प्रियदर्शिनी कॉलेज के विद्यार्थी नहीं किए जाएंगे स्थानांतरित

15 दिन में विभाग के सामने प्रस्तुत करने होंगे दस्तावेज

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। भोपाल मध्य के विधायक आरिफ मसूद के इंदिरा प्रियदर्शिनी कॉलेज की मान्यता उच्च शिक्षा विभाग ने निरस्त कर रखी है। इसके चलते विद्यार्थियों को दूसरे कालेज में स्थानांतरित करने के आदेश जारी किए गए थे। हाईकोर्ट ने राहत देते हुए कहा कि उक्त कालेज के विद्यार्थी स्थानांतरित नहीं किए जाएंगे। वह कालेज में रहते हुए डिग्री पूरी करेंगे। हाईकोर्ट के राहत देने के बाद विभाग ने संशोधित आदेश में सत्र 2026-27 के लिए कालेजों में संचालित कोर्स की निरंतरता को लेकर अहम निर्देश दिए गए हैं। आदेश में बरकतउल्ला विवि से संबद्ध इंदिरा प्रियदर्शिनी कॉलेज को विभिन्न यूजी और पीजी कोर्स की निरंतरता सशर्त प्रदान की गई है। इसमें कॉलेज में बीए, बीकॉम, बीएससी, एमए, एमकॉम और एमएससी सहित अन्य विषयों में पढ़ाई जारी रखने की अनुमति दी गई है।

नियम तोड़ने पर निरस्त होगी मान्यता

आदेश में कोर्ट के निर्देश का भी स्पष्ट उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया कि न्यायालय द्वारा 18 अगस्त 2025 को पारित आदेश के अनुपालन में ही कोर्स की निरंतरता दी जा रही है। कॉलेज निर्धारित मानकों को पूरा नहीं करता है या नियमों का उल्लंघन करता है, तो भविष्य में उक्त कोर्सों को मान्यता नहीं दी जाएगी। विभाग ने कॉलेज को 15 दिन के भीतर सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत करने और 35 हजार रुपये जमा करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने आगाह किया है कि किसी भी प्रकार की गलती होने पर कालेज प्राचार्य खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नक्शा सुधारने रिश्वत ले रहा निरीक्षक गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। लोकायुक्त पुलिस की ग्वालियर यूनिट ने शुक्रवार को शिवपुरी जिले के पोहरी में पदस्थ प्रभारी राजस्व निरीक्षक (आरआई) देवेन्द्र जैन को 2000 रुपए की रिश्वत लेते हुए उनके घर पर ही रंगे हाथों दबोच लिया। आरोपी अधिकारी एक किसान से जमीन का नक्शा सुधारने के बदले किश्तों में रिश्वत वसूल रहा था। लोकायुक्त एसपी ग्वालियर निरंजन शर्मा के अनुसार शिकायतकर्ता ब्रकभान धाकड़ जिले के ग्राम मचाकला के निवासी हैं और पेशे से किसान हैं। वे अपनी जमीन का नक्शा सुधरवाने के लिए राजस्व विभाग के चक्कर काट रहे थे। इस काम के बदले प्रभारी राजस्व निरीक्षक देवेन्द्र जैन ने उनसे 5000 रुपए की रिश्वत मांगी थी। शिकायत से पहले ही आरआई किसान से दो किश्तों में 2000 रुपए ले चुका था। शुक्रवार को जब किसान तीसरी किश्त के 2000 रुपए देने सिद्धेश्वर कॉलोनी स्थित घर पहुंचा, तो वहां पहले से तैनात लोकायुक्त की टीम ने आरआई को रिश्वत के नोटों के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया।

आदिवासी समाज के धर्मांतरण पर रोक लगाने बने कानूनः सोलंकी

राज्यसभा में कहा- आदिवासी पहचान बचाना राष्ट्रीय जिम्मेदारी

विसं, भोपाल। राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने कहा कि देश में आदिवासी समाज के जबरन धर्मांतरण पर रोक लगाने के लिए कानून बनाया जाना चाहिए। डॉ. सोलंकी ने राज्यसभा में यह विषय उठाते हुए कहा कि आदिवासी पहचान बचाना राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। छल, बल, प्रलोभन या दबाव के माध्यम से किया गया धर्मांतरण एक गंभीर अपराध है, जिसे किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जनजातीय क्षेत्रों में सुनियोजित तरीके से धर्मांतरण की घटनाएं सामने आ रही हैं,जिसमें आर्थिक लालच, शिक्षा, नौकरी, इलाज तथा सामाजिक दबाव जैसे अनेक माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। ऐसी स्थिति न केवल जनजातीय समाज की सांस्कृतिक पहचान के लिए खतरा हैं, बल्कि सामाजिक संतुलन और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है।

मूल पहचान पर संकट उत्पन्न हो गया है

डॉ. सोलंकी ने कहा कि आदिवासी समाज सदियों से अपनी परंपराओं, संस्कृति और सनातन मूल्यों के साथ जुड़ा रहा है, किन्तु वर्तमान में धर्मांतरण के कारण इनकी मूल पहचान पर संकट उत्पन्न हो गया है। गांवों में सामाजिक तनाव लगातार बढ़ रहा है,जो भविष्य के लिए गंभीर संकेत है। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में धर्मांतरण रोकने के लिए कानून बने हुए हैं, लेकिन इसके बावजूद पूरे देश में एक समान और प्रभावी केंद्रीय कानून की आवश्यकता है, जिससे इस समस्या पर ठोस नियंत्रण किया जा सके। उन्होंने संसद में सुझाव दिया कि जबरन व प्रलोभन देकर किए गए धर्मांतरण के विरुद्ध कड़े के दंड का प्रावधान होना चाहिए।

जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव पर लगी रोक

भोपाल। मप्र उच्च न्यायालय जबलपुर ने जिला अधिवक्ता संघ रीवा के चुनाव के प्रस्तावित प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगा दी है। इस मामले में 8 अप्रैल को सुनवाई की जाएगी। अधिवक्ता परिजात सिंह के अनुसार न्यायालय ने यह आदेश रिट याचिका क्रमांक 10351-2026 (जतिंदर कौर बनाम मप्र बार काउंसिल एवं अन्य) में पारित किया गया है। जिसमें कहा गया कि चुनाव प्रक्रिया में महिला अधिवक्ताओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान नहीं किया गया,जबकि यह सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के विपरीत है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता निलेन्द्र प्रताप सिंह,अनामिका सिंह, आशीष सिंह बद्येल और परिजात सिंह ने पैरवी की। परिजात सिंह के अनुसार न्यायालय ने दलील सुनने के बाद यह माना कि जब तक महिला आरक्षण के अनिवार्य प्रावधान का पालन सुनिश्चित नहीं किया जाता,तब तक चुनाव प्रक्रिया जारी रखनाय न्यायसंगत नहीं होगा।

नियुक्ति — **पांच समर्थकों को निगम-मंडल में पद देने मुख्यमंत्री के पास भेजे नाम**

सिंधिया समर्थकों ने रोकी निगम-मंडल की सूची

विशेष संवाददाता, भोपाल। सत्ताधारी दल भाजपा में संगठनात्मक नियुक्तियों का दौर जारी है, तो सरकारी पदों पर भी राजनैतिक नियुक्तियों की तैयारी भी पूरी हो चुकी है। विशेषकर निगम-मंडलों के पद पाने के लिए दावेदार बेसब्री से इंतजार कर रहे है। लेकिन उनकी उम्मीदों पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक रोड़े अटकाए हुए हैं। गौरतलब है कि निगम मंडल, प्राधिकरण और आयोग में पद पाने के लिए दूसरे बड़े नेताओं के साथ केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक भी मैदान में हैं। बताया गया है कि सिंधिया ने अपने पांच समर्थकों को निगम मंडल में पद देने के लिए उनके नाम प्रदेश संगठन के माध्यम से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास भेजे थे। इनमें से कुछ नामों पर सहमति भी बन चुकी है,लेकिन दो से तीन नामों पर क्षेत्रीय संतुलन की वजह से मुहर नहीं लग पा रही है। इसकी जानकारी मिलने पर केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने प्रदेश नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से दो से तीन बार मुलाकात की है।

गाइडलाइन की वजह से सहमति

पार्टी सूत्रों की मानें तो केन्द्रीय गाइडलाइन की वजह से सिंधिया समर्थकों के नामों पर असहमति बनी है। कहा जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी,तब उनके द्वारा मध्यप्रदेश के निगम मंडल में अपने 5 समर्थकों को जगह दिलाने का भी आग्रह किया गया था। इनमें से 3 नामों पर सहमति बन चुकी है। लेकिन अभी भी सिंधिया दो और नामों को एडजस्ट कराने के प्रयास में है। इसी वजह से निगम मंडलों की सूची जारी नहीं हो पा रही है। चर्चा यह भी है कि सिंधिया समर्थक चाहते हैं कि जिस तरह शिवराज सिंह चौहान सरकार ने वर्ष 2021 में निगम मंडल और प्राधिकरणों में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष के 25 पदों पर नियुक्तियां की थीं, उसमें आधा दर्जन से अधिक नाम सिंधिया के करीबियों के थे। ऐसे वे इस बार भी वैसा प्रतिनिधित्व मिलने की उम्मीद समर्थक लगाए हुए हैं।

कृष्णा घाड़गे

भोपाल में सिंधिया के सबसे करीबी युवा नेता कृष्णा घाड़गे का नाम भी निगम मंडल की दौड़ में लिया जा रहा है। उनके नाम की भी केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा सिफारिश की गई है।

सिंधिया समर्थक नेता

इमरती देवी

डबरा विधानसभा से चुनाव हारने वालीं इमरती देवी किसी बड़े निगम मंडल में पद पा सकती है।

गिर्राज दंडोतिया

शिवराज सरकार में राज्य मंत्री रहे गिर्राज दंडोतिया भी निगम मंडल के जरिए अपनी राजनीतिक सक्रियता जारी रखना चाहते हैं।

जसपाल सिंह जज्जी

सिंधिया समर्थक जसपाल सिंह जज्जी भी पिछला विधानसभा चुनाव हार चुके है। ऐसे में उन्हें भी निगम मंडल में पद दिया जा सकता है।

लोस में उठा टीईटी का मुद्दा सांसद ने कहा-पुनर्विचार हो

पात्रता परीक्षा पास करने को लेकर शिक्षकों में नाराजगी

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। एमपी में सरकारी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा पास करने को लेकर दिए गए निर्णय पर शिक्षक संगठनों में नाराजगी है। अब इस मामले को रतलाम से बीजेपी सांसद अनीता नागर सिंह चौहान ने लोकसभा में उठाया है। शुक्रवार को रतलाम सांसद ने कहा शिक्षा के अधिकार (आरटीई) के तहत 20-25 सालों से काम कर रहे शिक्षकों से दोबारा योग्यता परीक्षा देने की बात सामने आई है। मेरे लोकसभा क्षेत्र के शिक्षकों के माध्यम से यह जानकारी सामने आई है। ये शिक्षक कई वर्षों से बच्चों को पढ़ा रहे हैं। उनके पास अच्छा अनुभव है ऐसे में फिर से शिक्षकों की परीक्षा लेने से उनके मन में चिंता और दबाव बन रहा है। इस निर्णय से शिक्षकों का मनोबल कम हो सकता है। सरकार से निवेदन है इस विषय पर पुनर्विचार किया जाए।

शिक्षक संगठनों ने शुरू की कानूनी लड़ाई

कई संगठनों ने कानूनी लड़ाई शुरू कर दी है। मह्याप्र राज्य शिक्षक संघ और अन्य शिक्षक संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में रिव्यू पिटीशन (पुनर्विचार याचिका) दायर करने का निर्णय लिया है। प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन की दिशा में आगे बढ़ रही है, क्योंकि कोर्ट ने इसे अनिवार्य बताया है। सांसदों और शिक्षक संगठनों के बढ़ते दबाव के बाद सरकार उक्त प्रकरण पर कानूनी विशेषज्ञों से सलाह ले रही है कि क्या वह खुद भी इस मामले में कोई पुनर्विचार याचिका दायर कर सकती है या केंद्र सरकार से उक्त नियमों में संशोधन का आग्रह कर सकती है।

दैनिक जागरण
भोपाल, 28 मार्च 2026

राजधानी जागरण

03

राजधानी का तापमान/मौसम
अधिकतम 37.2°c न्यूनतम 12.2°c
राजधानी में आज तापमान बढ़ने की संभावना है। बादल भी छाए रहेंगे

•11• राज्य •31• संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित
www.dainikjagranmpcg.com

नगर में आज

इंडीमून्स आर्ट्स फेस्टिवल
- स्थान: रवीन्द्र भवन
- समय: शाम 7 बजे

उर्दू ड्रामा फेस्टिवल
- स्थान: जनजातीय संग्रहालय
- समय: शाम 7 बजे

20वां भोपाल रंग महोत्सव
- स्थान: एल.बी.टी सभागार
- समय: शाम 7 बजे

प्रोत्साहन मंच
- स्थान: मंजरी हॉल, न्यू मार्केट
- समय: शाम 5 से 6 बजे

राष्ट्रीय बाल नाट्य समारोह
- स्थान: अर्ध्य प्रेक्षागृह, गांधी भवन
- समय: शाम 7 बजे से

वाहन की टक्कर से बिजलीकर्मी की मौत

जागरण, भोपाल। नजीराबाद में वाहन की टक्कर से बिजली कर्मचारी की मौत हो गई। 32 वर्षीय राजेश गौर पिता गयाप्रसाद कोटरा गांव के रहने वाले थे। वह बिजली विभाग में आउटसोर्स कर्मचारी थे। गुरुवार रात 11 बजे ड्यूटी से घर लौट रहे थे। ग्राम रुनाहा जोड़ के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। उनके शरीर में गंभीर चोटें आई है। राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

निर्माण के दौरान छज्जा गिरा, 8 घायल, 4 गंभीर

एम्स के सामने 35 साल पुरानी बिल्डिंग में चल रहा था काम ▸▸ मेडिकल स्टोर पर दवा लेने पहुंचे लोग हुए हादसे का शिकार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल के एम्स के ठीक सामने शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां चार मंजिला निर्माणाधीन इमारत का छज्जा अचानक भरभरा कर गिर गया। मलबे की चपेट में आने से 8 लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से एक युवती सहित चार की स्थिति गंभीर है। जानकारी के मुताबिक एम्स अस्पताल के सामने सडाना मेडिकल स्टोर वाली बिल्डिंग में यह हादसा हुआ, जहां पुराने भवन के ऊपर नई मंजिलों का निर्माण कार्य चल रहा था। यह बिल्डिंग लगभग 35 साल पुरानी है, जिसमें ऊपर की मंजिल बनाने का काम किया जा रहा था। हादसे के वक्त सडाना मेडिकल स्टोर पर दवाइयां लेने के लिए एम्स में आए मरीजों और उनके परिजनों की भीड़ मौजूद थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि निर्माणाधीन हिस्से का छज्जा और लोहे के एंगल सीधे नीचे लगे शेड पर गिरे, जिससे शेड भी पूरी तरह ढह गया। गनीमत यह रही कि शेड ने मलबे का सीधा प्रहार झेल लिया, वरना बड़ी जनहानि हो सकती थी। मलबे के नीचे दबने से वहां खड़ी तीन गाड़ियां भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस और नगर निगम की टीमें मौके पर पहुंचीं और सभी घायलों को एम्स भोपाल के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। एम्स प्रबंधन के अनुसार कुल आठ घायलों में से तीन को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है, जबकि पांच मरीज अभी भी भर्ती हैं। इनमें करेली निवासी 23 वर्षीय नंदिनी की स्थिति नाजुक है, उनके शरीर में लोहे का एंगल घुसने से गहरा घाव हुआ है और सिर में भी गंभीर चोटें आई हैं। अन्य घायलों में मनोज कुमार, तनुश्री, अभय और सोमप्रकाश सिंह शामिल हैं, जिनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

घायलों के बयान लेने के बाद इस मामले में आगे की कार्रवाई होगी। मकान सडाना मेडिकल स्टोर वालों का ही बताया जा रहा है।

■ **अमित सोनी,** टीआई, थाना बागसेवनियां

एम्स में भर्ती ये 5 घायल

- करेली निवासी नंदिनी (23) को गंभीर चोट आई है। लोहे का एंगल उनके पैर में घुस गया था। सिर और हाथ में भी गहरे घाव हैं। वे ओपीडी में दिखाने के बाद दवा लेने मेडिकल स्टोर पहुंची थीं।
- अमरई निवासी मनोज कुमार (56) के शरीर पर कई जगह चोटें आई हैं।
- करेली निवासी तनुश्री (19) के सिर, हाथ में चोट आई है।
- ग्वालियर निवासी अभय के सीने और कंधे पर लोहे का एंगल गिरा, जिससे उन्हें चोट आई है। उनकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।
- उमरिया निवासी सोमप्रकाश सिंह (61) भी हादसे में घायल हुए हैं।

लोगों में नाराजगी, अनुमति देने वालों पर कार्रवाई की मांग

स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया है कि करीब 35 साल पुराने इस भवन पर किया जा रहा अतिरिक्त निर्माण अवैध है और छज्जा काफी ज्यादा बाहर निकाला गया था। हादसे के बाद नगर निगम और जिला प्रशासन की टीमें भी एक्शन मोड में आ गई हैं। एमपी नगर तहसीलदार ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच शुरू कर दी है, वहीं नगर निगम की टीम ने सड़क पर रखी निर्माण सामग्री जैसे रेत और सरिया को जब्त करना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि यह बिल्डिंग सडाना मेडिकल स्टोर के संचालकों की ही है, जिसकी वैधता की अब बारीकी से जांच की जा रही है। हादसे के बाद बिल्डिंग के आसपास का हिस्सा खाली करा दिया गया है। प्रशासन अब इस बात की जांच कर रहा है कि इतने पुराने ढांचे पर निर्माण की अनुमति किसने और किन शर्तों पर दी थी।

एनेस्थीसिया का ओवरडोज लेकर नर्स ने की खुदकुशी

जागरण, भोपाल। छोला थाना क्षेत्र स्थित भानपुर इलाके में मेल नर्स ने एनेस्थीसिया का इंजेक्शन लेकर खुदकुशी कर ली। छोटा भाई जब पेपर देकर वापस लौटा, तो वह कमरे में बेहोशी की हालत में मिला। जहां अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सुसाइड नोट नहीं मिलने से खुदकुशी के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस के अनुसार 26 वर्षीय दुर्गेश अहिरवार पिता मोर सिंह मूल रूप से विदिशा के कुरवाई के रहने वाले थे। वह भानपुर स्थित पटेल नगर में किराए के कमरे में रहता था। दुर्गेश बी-फार्मेसी लास्ट ईयर का छात्र था और साथ ही एक निजी हॉस्पिटल में नर्स का काम करता था। बुधवार को उसके छोटे भाई पवन का प्रैक्टिकल एग्जाम होने के चलते वह उसे सुबह कॉलेज छोड़ने गया था। बाद में उसका भाई जब दोपहर दो बजे कमरे में पहुंचा तो दुर्गेश संदिग्ध हालत में पड़ा मिला। घबराकर वह उसे पास के अस्पताल ले गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कमरे से मिला इंजेक्शन और सिरिंज

पुलिस के अनुसार, मृतक के कमरे से एक इंजेक्शन और सिरिंज बरामद हुई है, जिसे जब्त कर लिया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि दुर्गेश ने एनेस्थीसिया का ओवरडोज लेकर आत्महत्या की है। हालांकि सुसाइड नोट नहीं मिलने से कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मृतक का मोबाइल भी जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

रंजिश के चलते दंपत्ति ने घर के बाहर की फायरिंग

जागरण, भोपाल। ऐशबाग थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश के चलते दंपत्ति ने घर के बाहर पहुंचकर गाली-गलौज कर हवाई फायरिंग कर दी। घटना के बाद आरोपी पति-पत्नी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 50 वर्षीय रेहाना बेगम कम्मू का बाग में रहती है। घटना के वक्त उनका बड़ा बेटा मोहम्मद तारिक अपनी फैमिली के साथ करोंद गया हुआ था। इसी दौरान

ऐशबाग इलाके की घटना, आरोपी फरार

दानिश अली उर्फ स्टेशन (अंडा) अपनी पत्नी रिमशा के साथ उनके घर के बाहर पहुंचा। दानिश अली हाथ में पिस्टल थी, और फिर दोनों पति-पत्नी उनके छोटे बेटे गुराज को गालियां देने लगे। शोर-शराबा सुनकर मोहल्ले के लोग इकट्ठा हुए, इस दौरान रेहाना बेगम ने जालीदार दरवाजे से बाहर देखा, तो आरोपियों ने सीधे उनकी तरफ फायरिंग कर दी। हालांकि गोली उन्हें नहीं लगी और लोहे के गेट से टकरा गई। इसके बाद आरोपी ने दो और राउंड फायर कर मौके से फरार हो गया। जनवरी महीन में ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र में दानिश अली और उसकी पत्नी पर हमला हुआ था, जिसमें वे घायल हो गए थे। उस मामले के मुख्य आरोपी फिलहाल जेल में हैं, जबकि गुराज नामक आरोपी अभी भी फरार है। इसी रंजिश के चलते दानिश ने बदला लेने की नीयत से वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

मैनिट के छात्र की रैगिंग हेल्पलाइन पर शिकायत

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) के प्रथम वर्ष के विद्यार्थी की द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने रैगिंग ली है। यह घटना मैनिट परिसर के बाहर माता मंदिर के पास का है। जूनियर विद्यार्थी ने यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज करा दी है। मैनिट प्रबंधन

दुकानों और मकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज की होगी जांच

ने शिकायत को गंभीर श्रेणी में रखा है। उक्त प्रकरण के संबंध में हेल्पलाइन ने मैनिट प्रबंधन को ई-मेल भेजकर कार्रवाई कर रिपोर्ट तलब की है। मारपीट की घटना पर सोमवार से कार्रवाई शुरू होगी। मैनिट प्रबंधन के उक्त क्षेत्र की दुकानों और मकानों के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालेगा। इसके अलावा मैनिट परिसर में लगे सीसीटीवी की फुटेज देखी जाएगी। इससे फरियादी और आरोपी विद्यार्थियों की पहचान हो सकेगी। इसके बाद प्रौक्टोरियल बोर्ड प्रकरण में शामिल विद्यार्थियों को नोटिस देकर जवाब तलब करेगा। एंटी रैगिंग कमेटी के चेयरमेन सीएम कृष्णा का कहना है कि रैगिंग की शिकायत यूजीसी की एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर दर्ज की गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

जनवरी में दर्ज हुई थी तीन शिकायतें: एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर जनवरी माह में मैनिट के जूनियर विद्यार्थियों ने एक-एक तीन तीन रैगिंग की शिकायतें दर्ज कराई थीं। उक्त शिकायतें 24, 27 और 30 जनवरी को दर्ज की गई थीं। उक्त प्रकरण की जांच कर मैनिट प्रबंधन दोषी विद्यार्थियों पर कार्रवाई तक कर चुका है। जनवरी 2026 से अब तक मैनिट की चार शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं।

सूखी सेवनिया में अज्ञात वाहन ने युवक को मारी टक्कर, मौत

जागरण, भोपाल। सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, 24 वर्षीय शेरसिंह मूल रूप से सीहोर के रेहटी के रहने वाले थे। वह कल्याणपुर स्थित एक फार्म हाउस पर काम करते थे। 19 मार्च को वह किसी काम से रायसेन के नूरगंज गए थे। जहां से वापस लौटते समय कल्याणपुर स्थित अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां गुरुवार को इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

दैनिक जागरण
सप्तरंग 04
www.dainikjagranmpcg.com
तकनीक की दुनिया का
भोपाल 28 मार्च 2026

सुरक्षित इंटरनेट

सच नहीं होता हर वायरल वीडियो!

एआइ से चलने वाली इंटरनेट की वर्तमान दुनिया में थोड़ी सी शंका, थोड़ी देर तक रुकने और सोर्स जांचते रहने की आदत ही आपको भ्रमजाल और अविश्वास में फंसने से बचा सकती है। कैसे बदल रहा है इंटरनेट मीडिया, चर्चा कर रहे हैं ब्रह्मानंद मिश्र ....

रेस्ट गेस्ट हाउस में कुर्सी पर बैठे एक फा व्यक्ति पर बाघ के हमले का एक वीडियो कुछ महीनों पहले इंटरनेट मीडिया पर काफी प्रचलित (वायरल) हुआ था। वीडियो पर कमेंट और शेयर करने वालों की संख्या लाखों में थी । लोग संवेदनाएं प्रकट रहे थे, पर यह एआइ से तैयार किया गया था। आप फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, थ्रेड्स आदि पर स्क्रॉल करते जाइए, ऐसे तमाम रोचक, आकर्षक, संवेदनात्मक एआइ जेनरेटेड वीडियो और इमेज मिलते जाएंगे, जिन्हें पहली नजर में सच मान लेने वालों की संख्या कम नहीं है। एआइ से बने असहाय बच्चों के वीडियो पर हजारों लोग प्रतिक्रिया दे रहे हैं, तो कहीं किसी नेता के बयान पर गुस्सा निकाल रहे हैं, बिना यह जाने कि इसका सच्चाई से कोई वास्ता नहीं है। अगर जानने का प्रयास भी करें कि वीडियो असली है या नकली या इसे किसने और क्यों बनाया, तब तक ऐसे क्लिप कई मिलियन व्यूज बटोर चुके होते हैं। कमेंट व शेयर के चलते ऐसे वीडियो लाखों यूजर्स के सामने से गुजरते हैं। जैसे-जैसे जेनरेटिव एआइ तेज, सस्ता और इस्तेमाल में सहज होता जाएगा; ऐसे पोस्ट, वीडियो, इमेज, गाने इंटरनेट मीडिया को भरते जाएंगे। ऐसे कंटेंट न केवल आकर्षित कर रहे हैं, बल्कि आभासी दुनिया की सच्चाई पर पर्देदारी और डिजिटल स्पेस में विमर्श को भी तय कर रहे हैं। खासकर संवेदनशील विषयों पर बेहतर क्वालिटी के वीडियो तेजी से प्रचलित होते हैं। बदल रहा है इंटरनेट मीडिया का स्वरूप : बीते कुछ वर्षों में इंटरनेट मीडिया काफी बदल गया है। एआइ कंपनी कैपविंग की रिसर्च के अनुसार, यूट्यूब पर ओपन होने वाले लगभग हर नए अकाउंट को दिखाए जाने वाले 20 प्रतिशत कंटेंट 'लो क्वालिटी एआइ वीडियो' होते हैं। शार्ट वीडियो नए यूजर्स को आकर्षित करने के सबसे बड़े हाटस्पाट हैं, जहां एआइ जेनरेटेड कंटेंट की बाढ़ आ रही है।

कैसे बदला इंटरनेट मीडिया : दो दशक पहले जब इंटरनेट मीडिया की शुरुआत हुई थी, तो लोग मित्र, स्वजन या ऐसे लोगों के कंटेंट देख सकते थे, जिन्हें वे फालो करते थे। इसके बाद क्रिएटर कंटेंट का दौर आया, जहां अलग-अलग क्षेत्रों से जुड़े लोग अपने कंटेंट के जरिये फालोअर्स का आधार बढ़ाने लगे। अब एआइ के दौर में कंटेंट बनाने और रिमिक्स करने की सुविधा अभूतपूर्व रूप से बदल गई है। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने इसे इंटरनेट मीडिया का तीसरा चरण कहा है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स जैसे प्लेटफार्म एआइ जेनरेटड पोस्ट शेयर करने की सुविधा के साथ इमेज और वीडियो बनाने के लिए एआइ टूल्स भी दे रहे हैं। ये कंटेंट इमर्सिव और इंटरेक्टिव तो बन रहे हैं, लेकिन आकर्षण के पीछे सच्चाई बहुत आसानी से छिपती जा रही है।

नई तरह की अटेंशन इकोनामी वायरल कंटेंट में नयापन और भावनाओं का बेशकीमती गठजोड़ होता है। एआइ इन दोनों को सुपरचार्ज करता है। एआइ टूल्स एक प्रांप्ट से एक साथ कई क्लिप्स को जेनरेट कर सकते हैं। यह एफिशिएंसी क्राफ्ट के बजाय स्केल को बढ़ावा देती है व ट्रेंड को तेज करती है, जिसे पनपने के लिए हफ्तों की जरूरत होती थी। सिंथेटिक दुनिया में विश्वास कुछ वर्षों पहले तक डीपफेक बहुत दुर्लभ घटना होती थी, अब यह आम बात होती जा रही है। अब वायरल कंटेंट के गलत साबित होने के बावजूद अनेक यूजर्स इसे समझ ही नहीं पाते। इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म से लेकर नीति निर्माता तक लेबल, वाटरमार्किंग, डिटेक्शन टूल्स जैसे उपायों की वकालत तो कर रहे हैं, पर सत्यापन की गति कंटेंट जेनरेशन से पिछड़ रही है। सत्यता जांचने की अधिक जिम्मेदारी अब यूजर्स पर ही है। उन्हें हर क्लिप को संदेह से देखना होगा। सच्चाई स्वीकार करने की जरूरत तमाम खतरों के बावजूद एआइ जेनरेटेड वायरल कंटेंट अब खत्म नहीं होंगे। सवाल यह है समाज इसे अपनाता कैसे है। इंसानों के सामने चुनौती है कि इसके साथ चलना कैसे है, किस पर विश्वास करना है और किसे दरकिनार कर देना है।

1. कंटेंट के स्रोत पर जाएं: अक्सर आकर्षक एआइ कंटेंट अनजान या नए बनाए गए अकाउंट से आते हैं। ऐसे में वायरल कंटेंट वाले अकाउंट की हिस्ट्री जांचें। क्या यह नया ब्रांड है। क्या वहां विश्वसनीय सामग्री है या यह वायरल होने के उद्देश्य से बनाई गई है। क्या अन्य विश्वसनीय स्रोत से भी यह साझा की गई है, इससे स्पष्टता हो जाएगी।

2. साझा करने से बचें : वायरल कंटेंट पर सदमा, गुस्सा, हंसी जैसे हुक होते हैं। अगर ऐसा लगता है तो कुछ सेकंड रुककर ही लाइक, रिपोस्ट या कमेंट करना चाहिए।इमोशनल इमरजेंसी में कई रेड फ्लैग होते हैं ।

3. वीडियो और आडियो पर गौर करें: अगर चेहरे के हावभाव, ब्लिंकिंग और आवाज में असंतुलन दिखता है तो यह फेक हो सकता है। हालांकि, मामूली गलती फेक होने का प्रमाण नहीं है, लेकिन कई सिग्नल मिल रहे हैं, तो निश्चित ही वह फेक है।

4 प्रासंगिकता से तालमेल: वायरल एआइ कंटेंट में सं का अभाव दिखता है और किसी घटना का पर्याप्त विवरण नहीं होता। इसका पूरा वीडियो देखना चाहिए। वास्तविक इंटरव्यू या पूरा आर्टिकल देखने से स्पष्टता आती है। छोटे क्लिप के साथ आसानी से छेड़छाड़ की जा सकती है।

5. विश्वसनीय स्रोत से मिलान: हर बात को जांचना जरूरी नहीं है, पर दावा बहुत बड़ा है तो उसे जरूर सत्यापित करना चाहिए। खासकर, राजनीति, पब्लिक सेलिब्रिटी, स्वास्थ्य जांच, इमरजेंसी आदि से जुड़ी बातों पर गौर करना चाहिए। इसके लिए न्यूज संस्थान या फैक्ट चेकिंग साइट की मदद ले सकते हैं।

6. बच्चों को सिखाएं: मीडिया साक्षर होने से पहले ही बच्चे या टीनएजर एआइ जेनरेटेड कंटेंट का सामना करते हैं। बच्चों को एआइ फेक और वायरल कंटेंट के बारे में अवश्य जागरूक करना चाहिए।

7. वायरल सच होने की गारंटी नहीं : मिलियन व्यूज का मतलब है कि लाखों लोगों ने इसे देखा है, पर यह सही, तार्किक, प्रासंगिक है, इसकी गारंटी कतई नहीं है। एल्गोरिदम परवाह नहीं करता है कि आप क्यों जुड़ते हैं, बल्कि यह दर्ज करता है कि इससे लोग इंगेज हो रहे हैं।

एआइ कंटेंट को पहचानने की बनाएं आदत

लो- क्वालिटी आटो जेनरेटेड कंटेंट के जरिये 'एआइ स्लोप' इंटरनेट मीडिया को भरता जा रहा है, जिससे सच और उपयोगी चीजें वायरलिटी में छिप रही हैं। इसके बढ़ते चलन से इंसानी और मशीन द्वारा तैयार सामग्री के बीच भेद को समझने में यूजर्स की मुश्किलें बढ़ रही हैं। खासकर जिन यूजर्स की एआइ की समझ सीमित है, उनके भ्रमित होने की आशंका अधिक रहती है। इसका असर उनके निर्णय लेने की क्षमता पर भी होता है। इसे देखते हुए यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि इंटरनेट मीडिया को सार्थक और बेहतर संवाद हेतु उपयोगी बनाए रखने के लिए प्रयास बढ़ाए जाएं।

■ **जसप्रीत विद्रा, सह-संस्थापक, सीईओ. एआइ एंड बियान्ड**

फोन चार्जिंग के वक्त न करें ये गलतियां

टेक टिप्स

अधिकतर लोग शिकायत करते हैं कि उनके फोन की बैटरी जल्दी खराब हो गई है या फिर फोन की चार्जिंग बहुत धीमी गति से होती है। दरअसल यह स्मार्ट फोन चार्ज करने के गलत तरीके का नतीजा भी हो सकता है। आइए जानें, चार्जिंग का सही तरीका.....

स्मार्टफोन चार्जिंग की गलतियों की वजह से फोन की बैटरी जल्दी खराब हो जाती है। इससे फोन बार-बार डिस्चार्ज होने लगता है और कई सारे जरूरी काम अटक जाते हैं। कुछ लोग बैटरी जीरो होने के बाद चार्ज पर लगाते हैं तो वहीं कुछ लोग 100 प्रतिशत होने के बाद भी चार्जर लगा कर रखते हैं। इन दोनों ही तरीकों से फोन की बैटरी खराब हो सकती है।

क्या करें-

- बैटरी का स्तर 20 से 80 प्रतिशत के बीच रखने का प्रयास करना चाहिए।
- पुराना या सस्ता, नकली चार्जर का प्रयोग करने से बचना चाहिए।
- पूरी रात फोन चार्जिंग पर लगाने से बैटरी जल्दी खराब होती है।
- फोन 100 प्रतिशत से कम ही चार्ज करना बेहतर होता है। अगर चार्ज हो जाए तो उसे चार्जर से हटा दें।
- चार्जिंग के समय अगर फोन बहुत गर्म हो रहा हो तो कवर हटा देना चाहिए।
- फोन का तापमान बढ़ने से रोकना चाहिए, तकिया या चादर के नीचे फोन चार्जिंग पर नहीं लगाना चाहिए। नया फोन लेने के बाद करें ये सेटिंग्स

इंस्टाग्राम एल्गोरिदम का नियंत्रण आपके हाथों में

इंस्टाग्राम अपने यूजर्स के लिए एक ऐसे फीचर की टेस्टिंग कर रहा है, जो रील्स और एक्सप्लोर सेक्शन को आपके मन मुताबिक ढाल देगा। इसका अर्थ है कि यह नया फीचर यूजर्स को ज्यादा बेहतर कंट्रोल देगा और इंस्टाग्राम पर वही दिखाई देगा जो आप वाकई देखना पसंद करते हैं। इस नए फीचर को लाने के पीछे कंपनी का उद्देश्य यूजर्स को उनके एल्गोरिदम का सीधा कंट्रोल देना है। इसके लिए कंपनी ने 'योर एल्गोरिदम' सेक्शन भी लॉन्च किया है। यहां इंस्टाग्राम

यह बताएगा कि आप किस विषय में ज्यादा दिलचस्पी रखते हैं। एक बात जो काफी दिलचस्प है, वह यह है कि यूजर्स को इस सेक्शन में बिना दिलचस्पी वाले टॉपिक्स को हटा भी सकेंगे।

इंटरनेट मीडिया डिटाक्स अपनाएं ये उपाय

अगर आपको लगता है कि लोगों से मिलने-जुलने का अब मन नहीं होता। हर कुछ मिनट में फोन को बार-बार चेक करते हैं, किसी एक काम को करने में बोरियत होने लगती है, बार-बार नींद महसूस होती है तो संभव है कि आप डिजिटल थकान के शिकार हो गए हैं। दरअसल, ये ऐसी समस्याएं हैं जो आगे चलकर कई शारीरिक और मानसिक मुसीबतों को जन्म दे सकती हैं। ऐसे में कुछ उपाय आपके लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं :

- अगर इंटरनेट मीडिया से कुछ समय के लिए दूरी चाहते हैं तो अनिवार्य एप्स को छोड़कर बाकी एप्स डिलीट कर दें और कंप्यूटर, लैपटाप या टैबलेट पर अपने अकाउंट को साइन आउट कर लें।
- स्वजन को भी इसके बारे में बताएं और तकनीक की मदद लिए बगैर उनसे संपर्क में रहने का प्रयास करें।
- खुद को व्यस्त रखने के लिए एक्टिविटी को पहले से ही शिड्यूल कर लें।
- प्रतिदिन की प्रगति जांचें क्या महसूस कर रहे हैं, इसे लिखते रहें। इससे आप प्रेरित होते रहेंगे।
- फोन और कंप्यूटर नोटिफिकेशन को टर्न आफ करके रखें।
- घर में टेक - फ्री जोन बनाएं, जैसे बेडरूम या डायनिंग रूम में किसी गैजेट का प्रयोग न करें।
- अगर डिजिटल डिटाक्स के दौरान फोन चेक करने का मन करे तो इसके पहले और बाद की स्थिति के बारे में जरूर विचार करें।

राजधानी

एनआईटीटीटीआर देगा सेमीकंडक्टर उद्योग से संबंधित प्रशिक्षण

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर) भोपाल ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओएसएटी) के लिए स्किल सेंटर की शुरुआत की है। उक्त सेंटर का उद्देश्य सेमीकंडक्टर उद्योग से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करना और असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग तथा पैकेजिंग जैसी व्यावहारिक क्षमताओं का विकास करना है, ताकि उद्योग के लिए तैयार कुशल मानव संसाधन तैयार किए जा सकें। संस्थान द्वारा सेमीकंडक्टर पर एडवांस कोर्स और एमएससी कोर्स भी प्रारंभ किया गया है। इसमें विद्यार्थियों को हैंड्स-ऑन अनुभव और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण प्रदान किया जाएगा। कोर्स में सेमीकंडक्टर डिजाइन से लेकर उसके अनुप्रयोग तक की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, जिससे विद्यार्थियों की उद्योगोन्मुखी दक्षता बढ़ेगी। संस्थान ने ओएसएटी के लिए एक रिसर्च और इनोवेशन पार्क स्थापित करने का प्रस्ताव मप्र शासन को भेजा है। पार्क में डिस्क्रीट पावर सेमीकंडक्टर डिवाइस और एप्लिकेशन-स्पेसिफिक मल्टी-चिप मॉड्यूल के लिए असेंबली एवं पैकेजिंग सुविधा विकसित की जाएगी। निदेशक प्रो. सीसी त्रिपाठी ने बताया कि मप्र शासन द्वारा सेमीकंडक्टर पैकेजिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए उठाए गए कदम अत्यंत सराहनीय हैं। राज्य की नीतियों से प्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र का तेज विकास होगा। इस पहल को भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन के उद्देश्यों से भी जोड़ा जा रहा है। इसका लक्ष्य भारत को सेमीकंडक्टर निर्माण और डिजाइन का वैश्विक केंद्र बनाना है। इसी क्रम में उच्च शिक्षा विभाग द्वारा फैकल्टी सदस्यों के लिए सेमीकंडक्टर साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर पांच-पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं।

शकुंतला नाथ का निधन

भोपाल। भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी अजय नाथ की माताजी शकुंतला नाथ का शुक्रवार को निधन हो गया। वे स्वर्गीय सुधीर नाथ की पूजनीय माता और दिवंगत देवेंद्र नाथ की धर्मपत्नी थीं। शकुंतला नाथ एक विदुषी, स्नेहमयी और प्रेरणादायी व्यक्तित्व की धनी थीं। उन्होंने अपने परिवार को सेवा, संस्कार और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों से प्रेरित किया। उनका निधन परिवार और परिचितों के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है। परिजनों और शुभचिंतकों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए ईश्वर से इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

निगम नहीं बना पाया ई-बस डिपो दो माह पिछड़ी ई-बस की सुविधा

जागरण संवाददाता, भोपाल। नगर निगम के लचर रवैये के चलते फिलहाल अगले दो माह बाद भी शहर वासियों को सिटी ई-बस की सुविधा नहीं मिलने वाली है। शहर में पिछले साल अगस्त माह में 100 सिटी ई-बसें चलाए जाने की योजना थी। इनके लिए शहर में दो डिपो बनाए जाने थे। पहला डिपो संत हिरदाराम नगर में निर्माणाधीन है, जिसका 60 फीसदी काम पूरा हो गया है। वहीं कस्तूरबा नगर में बनने वाले डिपो का काम अब तक शुरू ही नहीं हो सका है। इसके चलते शहर को मिलने वाली 100 बसों के संचालन की योजना भी लगभग अधर में लटक गई है। बता दें कि पीएम ई-बस सेवा योजना के तहत कस्तूरबा नगर और संत हिरदाराम नगर डिपो को लगभग 25 करोड़ की लागत से बनाया जाना है। इन दोनों डिपो में हाई-कैपेसिटी चार्जिंग स्टेशन, ट्रांसफॉर्मर, मेंटेनेंस वर्कशॉप और पार्किंग जैसी सुविधाएं विकसित की जानी हैं। जिसके तहत शहर में कुल 100 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू किया जाएगा।

संत हिरदाराम नगर में 60 फीसदी हुआ काम, कस्तूरबा नगर में शुरू ही नहीं हुआ

संत हिरदाराम नगर में 60 फीसदी काम पूरा हो गया है। चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर सहित अन्य काम किए जा रहे हैं। जबकि कस्तूरबा नगर में प्रस्तावित ई-बस डिपो का निर्माण शुरू ही नहीं हो सका है, जिससे पूरे प्रोजेक्ट की टाइमलाइन प्रभावित हो रही है। इस कारण 100 बसों का संचालन शुरू करने में बीसीएलएल को देरी होगी। क्योंकि ई-बसों के संचालन के लिए भारी क्षमता वाले चार्जिंग पॉइंट और तकनीकी मेंटेनेंस व्यवस्था जरूरी है। इस कारण शुरुआत में केवल 50 बसों का ही संचालन हो सकेगा। कस्तूरबा नगर डिपो का काम पूरा होने के बाद शहर में 100 बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

अगस्त से 100 सिटी ई-बसें चलाने की थी योजना

शहर में ई बसों का संचालन प्रस्तावित है। इसके लिए संत हिरदाराम नगर डिपो का काम तेज गति से चल रहा है। इस डिपो का काम पूरा होते ही अप्रैल-मई तक करीब 50 बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

■ **प्रमोद मालवीय**, सिटी इंजीनियर] नगर निगम भोपाल

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म, दहेज में 12 लाख नहीं मिलने पर तोड़ा रिश्ता

जागरण, भोपाल। बजरिया थाना क्षेत्र में युवती को शादी का झांसा देकर युवक ने दुष्कर्म किया। रिश्ता तय होने पर 12 लाख रुपए की मांग की। पूरी न कर पाने पर शादी से साफ इनकार कर दिया। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी समेत तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 28 वर्षीय युवती पुरुषोत्तम नगर में रहती है। करीब एक साल पहले उसकी पहचान एक डेटिंग ऐप के जरिए दिल्ली के रहने वाले युवक देवेंद्र सिंह से हुई। दोनों के बीच हुई बातचीत जल्द ही प्रेम- प्रसंग में बदल गई। बाद में दोनों परिवारों की मर्जी से शादी की तय होने की बात चलने लगी। गत 25 जुलाई को युवती के जन्मदिन के दिन देवेंद्र उसके घर आया। जहां उसने शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद आरोपी ने कंपनी में नुकसान होने का हवाला देकर पैसों की मांग की। पीड़िता ने दो बैंकों से करीब 15 लाख रुपए का लोन लेकर आरोपी को दे दिए, जिसकी किस्त वह अब तक चुका रही है। 25 मार्च को आरोपी ने आखिरी बार उसके साथ ज्यादती की। हाल ही में आरोपी और उसके माता-पिता ने 12 लाख रुपए दहेज की मांग की। जिसे पूरी नहीं करने पर उन्होंने शादी से इनकार कर दिया। परेशान होकर पीड़िता ने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी देवेंद्र सिंह, पिता नरेंद्र और मां उमा देवी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने मालिकों को लौटाए चोरी हुए 2.86 करोड़ के 977 मोबाइल

मुख्य संवाददाता, भोपाल। प्रदेश पुलिस अब आपके खोए या चोरी हुए मोबाइल खोजने के लिए च्वाई-टेकच सुविधाओं का सहारा ले रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में चलाए गए अभियानों के तहत पुलिस ने 2 करोड़ 86 लाख रुपये की कीमत के 977 मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंप दिए हैं। पुलिस की इस कामयाबी के पीछे सीईआईआर पोर्टल और सिटीजन कॉप एप जैसी आधुनिक तकनीकों का हाथ है, जिसने पुलिस की जांच को आसान बना दिया है। पुलिस ने मार्च माह के दौरान सबसे बड़ा ऑपरेशन राजगढ़ में चलाया। यहाँ की पुलिस ने बिहार, राजस्थान, गुजरात और यूपी जाकर 451 मोबाइल बरामद किए, जिनकी कीमत करीब 1.80 करोड़ रुपये है। इसके अलावा इंदौर क्राइम ब्रांच ने सिटीजन कॉप एप की मदद से 60 लाख रुपये के 251 स्मार्टफोन खोज निकाले, जिनमें आईफोन जैसे महंगे ब्रांड्स भी शामिल हैं।

इन जिलों में भी चला अभियान: नर्मदापुरम पुलिस ने बीते मार्च माह में 147 और रतलाम साइबर सेल ने 100 मोबाइल खोजकर मालिकों के सुपुर्द किए। इसके अलावा सीधी और बड़वानी में भी एक्शन लेते हुए मोबाइल खोजकर उनके मालिकों को लौटा दिए। बड़वानी पुलिस ने तो अभियान के दौरान एक शातिर चोर को दबोचकर 8 मोबाइल जब्त किए। गौरतलब है कि अब पुलिस केवल पारंपरिक मुखबिरों पर निर्भर नहीं है। सीईआईआर पोर्टल के जरिए पुलिस जहां गुम या चोरी हुए मोबाइल को पहले ब्लॉक कर देती है, बाद में उनकी लोकेशन ट्रेस कर उन्हें खोज लेती है। इसके अलावा सिटीजन कॉप एप ने आम जनता को घर बैठे मोबाइल फोन गुमने या चोरी होने की शिकायत दर्ज करने की सुविधा दी है। जिससे पुलिस को त्वरित कार्रवाई करने में मदद मिल रही है।

मूल्यांकन

अप्रैल के दूसरे सप्ताह में रिजल्ट जारी करने का दावा कर रहा मंडल

आठ जिलों में पिछड़ा बोर्ड परीक्षाओं का मूल्यांकन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल कक्षा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं का मूल्यांकन 73 फीसदी होने की बात कह रहा है। बोर्ड अप्रैल के दूसरे सप्ताह तक रिजल्ट देने की तैयारी में है। दूसरी ओर मूल्यांकन कार्य में नरसिंहपुर समेत आठ जिले पिछड़े हुए हैं। उक्त जिलों में 10वीं का 29 से 37 फीसदी और 12वीं का 47 से 60 फीसदी मूल्यांकन कार्य हो सका है। सबसे कम मूल्यांकन नरसिंहपुर जिले में हुआ है। यहां 10वीं का 29 प्रतिशत और 12वीं की 47 प्रतिशत ही मूल्यांकन हुआ है। भोपाल में जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार अहिरवार के नेतृत्व में टीटी नगर स्थित मॉडल स्कूल में मूल्यांकन कार्य कराया जा रहा है। यहां करीब 70 फीसदी मूल्यांकन पूर्ण हो चुका है। चौथे चरण में करीब 450 शिक्षक मूल्यांकन कर रहे हैं। यहां 12वीं का 100 फीसदी मूल्यांकन हो चुका है, जबकि 10वीं की सामाजिक विज्ञान, हिंदी और विज्ञान की कॉपियां चेक होना शेष हैं, इनका 30 मार्च तक मूल्यांकन पूरा हो जाएगा। मूल्यांकन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बोर्ड द्वारा 16 लाख छात्रों के रिजल्ट तैयार करने की प्रक्रिया पूरी करनी है। इसके बाद रिजल्ट की घोषणा हो सकेगी। अप्रैल के दूसरे सप्ताह का है टारगेटब्र बोर्ड ने परीक्षा का मूल्यांकन का 73 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया है। इसके आधार पर बोर्ड अप्रैल के दूसरे सप्ताह में दोनों कक्षाओं के रिजल्ट जारी करने का टरगेट है। कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा का आयोजन 11 फरवरी से दो मार्च और 12वीं की परीक्षा सात फरवरी से पांच मार्च तक आयोजित की गई थी।

1 माह पहले जारी होगा रिजल्ट

एमपी बोर्ड द्वारा पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष एक माह पहले परीक्षा ली गई थी, इसके चलते रिजल्ट भी एक माह पहले घोषित किए जाएंगे। बोर्ड द्वारा वर्ष 2025 में कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट की घोषणा छह मई को की थी। वर्तमान में परीक्षा के रिजल्ट अप्रैल के दूसरे सप्ताह में जारी होने के कयास लगाए जा रहे हैं।

आज और जमा होंगे आंतरिक परीक्षा के अंक

मंडल ने स्कूलों को आंतरिक परीक्षा के अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि जमा करने शनिवार तक का मौका दिया है। आदेश जारी करते हुए मंडल ने कहा कि संबंधित स्कूल के प्राचार्य नियत तिथि में आंतरिक परीक्षा की अंकों की ऑनलाइन प्रविष्टि अनिवार्य रूप करें। अंतिम तिथि के बाद किसी भी प्रकार के अंकों में संशोधन या अंक प्रविष्टि की सुविधा प्रदान नहीं की जाएगी। अंक प्रविष्टि नहीं करने वाले स्कूल के विद्यार्थियों को आंतरिक भाग में अनुपस्थित दर्ज कर रिजल्ट घोषित किये जाएंगे।

उक्त जिलों में पिछड़ा 10वीं का मूल्यांकन

जिला	प्रतिशत
नरसिंहपुर	29
निवाड़ी	30
आगरमालवा	32
सिंगरौली	32
उमरिया	33
देवास	34
डिण्डोरी	36
इन्दौर	37

उक्त जिलों में पिछड़ा 12वीं का मूल्यांकन

जिला	प्रतिशत
नरसिंहपुर	47
आगरमालवा	50
निवाड़ी	53
दमोह	57
उमरिया	57
पन्ना	58
मण्डला	60
मैहर	60

संक्षिप्त खबरें

वैदिक अनुष्ठानों के साथ मनाया गया श्रीराम जन्मोत्सव

जागरण, भोपाल। रायसेन रोड स्थित दादाजी धाम मंदिर में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वैदिक विधि-विधान के साथ भगवान श्रीराम का अभिषेक और पूजन किया गया। पुरुषसूक्त पाठ, राम रक्षा स्तोत्र और 'भये प्रकट कृपाल' के सामूहिक गायन से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। श्रद्धालुओं द्वारा माता रानी के समक्ष 71 अखंड दीप प्रज्वलित किए गए और हवन में पूर्णाहुति अर्पित की गई। विशेष रूप से दूर-दराज के श्रद्धालुओं के नाम-गोत्र लेकर उन्हें भी इस अनुष्ठान से जोड़ा गया, जिससे वे आध्यात्मिक लाभ के सहभागी बन सकें। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आए महिला, पुरुष और बच्चों ने भाग लिया। पूजन के बाद महाप्रसादी वितरित की गई। सुबह से रात तक खुले मंदिर में भक्तों की भीड़ रही और पूरा वातावरण 'जय श्री राम' के जयकारों से गूंजता रहा।

रवीन्द्र भवन में चर्चा, काव्यपाठ और लोकार्पण का आयोजन

जागरण, भोपाल। रवीन्द्र भवन स्थित गौरांजनी सभागार में निराला सृजन पीठ, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद द्वारा 'नयी कविता के उत्थान बिन्दु' विषय पर चर्चा, रचना पाठ और पुस्तक लोकार्पण का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में साहित्य और समकालीन सोच का सशक्त संगम देखने को मिला। मुख्य वक्ता मुक्तिबोध सृजन पीठ के निदेशक ने कहा कि नयी कविता संवेदनात्मक आवेग से जन्म लेती है और आत्मोद्घाटन का माध्यम है। डॉ. वीणा सिन्हा ने इसे दुख से मुक्ति की अभिव्यक्ति बताया, जबकि अनुराग उपाध्याय ने कहा कि जो हृदय में बस जाए वही कविता है। डॉ. साधना बलवटे ने नयी कविता को प्रयोगवाद से अलग बताते हुए इसकी विशिष्टता पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता कर रहे रमेश व्यास शास्त्री ने कहा कि आज भी उत्कृष्ट नयी कविताएं लिखी जा रही हैं। रचना पाठ में मांडवी सिंह, राजेन्द्र गट्टानी, अशोक मनवानी, विवेक सावरीकर, रुपाली सक्सेना, मीना माहेश्वरी, प्रेमचंद गुप्ता और दीपक पगारे ने अपनी कविताओं के माध्यम से जीवन, संघर्ष, रिश्तों और संवेदनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया।

विश्व रंगमंच दिवस

ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र में रंगमंच और आध्यात्म पर हुई चर्चा

जागरण, भोपाल। ब्रह्माकुमारीज ब्लेसिंग हाउस सेवाकेंद्र में 'विश्व रंगमंच दिवस' के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें रंगमंच और आध्यात्म के गहरे संबंध पर चर्चा हुई। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके डॉ. रीना दीदी ने कहा कि रंगमंच केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मिक विकास, मन की शांति और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त जरिया है। उन्होंने 'रोल कॉन्शियस' के बजाय 'सोल कॉन्शियस' होकर जीवन जीने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में अभिनेता संजय मेहता, निदेशिका मधु चौधरी और वरिष्ठ थिएटर आर्टिस्ट शोभा चटर्जी ने अपने अनुभव साझा करते हुए रंगमंच को आत्म-खोज, जागरूकता और सामाजिक बदलाव का प्रभावी माध्यम बताया। वक्ताओं ने युवा पीढ़ी को थिएटर से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में कुमारी श्री, राधा और खुशी के नृत्य ने माहौल को जीवंत बना दिया। अंत में राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से शांति का संदेश दिया गया और अतिथियों का सम्मान कर कार्यक्रम का समापन हुआ।

ईदगाह की पार्किंग में लगाए जा रहे मोबाइल टावर का विरोध

नगर संवाददाता, भोपाल। ईदगाह की पार्किंग पर लगाए जा रहे मोबाइल टावर का विरोध शुरू हो गया है। शुक्रवार को मजलिस ए इत्तिहादुल मुस्लिमीन भोपाल इकाई के नेता मोहसिन अली ने मौके पर पहुंचकर इस काम का विरोध किया और काम रुकवा दिया। मौके पर मौजूद पुलिस प्रशासन ने पूरी कोशिश की कि काम चलता रहे, लेकिन मोहसिन अली खान अपने रुख पर अड़े रहे। उन्होंने साफ कहा कि जब तक जेसीबी मशीन मौके से बाहर नहीं की जाती और काम पूरी तरह बंद नहीं होता, तब तक वे अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेंगे। मोहसिन के विरोध के चलते खुदाई कर रही जेसीबी मशीन को मौके से बाहर किया गया और काम को रोक दिया गया। इस मौके पर मोहसिन ने कहा कि वक्फ के अधीन आने वाली किसी भी जमीन को हम बेचने नहीं देंगे।

यज्ञ, संस्कार, शोभायात्रा और संकल्पों के साथ मनाया मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जन्मोत्सव

रामनवमी पर मंदिरों में सुबह से उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, 2500 से अधिक स्थानों पर भंडारे और शोभायात्राएं निकलीं, मंदिरों में की आकर्षक सजावट

जागरण, भोपाल। राजधानी में रामनवमी के अवसर पर धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारियां की गई। सैकड़ों स्थानों पर विशेष पूजा-अर्चना, भंडारे और भव्य शोभायात्राओं का आयजोन किया गया। सुबह से राम मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। साथ ही राम भक्तों ने पूरे दिन मंदिरों में भजन-कीर्तन किया। इस भोपाल के प्रमुख मंदिरों में विशेष सजावट और धार्मिक अनुष्ठानों किए गए। हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी के अनुसार, शहर के न्यू मार्केट, पुराने भोपाल और विभिन्न क्षेत्रों में स्थित राम मंदिरों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। दोपहर 12 बजे भगवान श्रीराम के जन्म का मुख्य आयोजन हुआ, जिसमें भगवान को भोग अर्पित किए गए साथ ही श्री राम की महाआरती की गई। श्रद्धालुओं ने बड़े उत्साह के साथ भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनाया। न्यू मार्केट स्थित खेड़ापति मंदिर, अटल पथ क्षेत्र और सब्जी मंडी के प्रतिष्ठित राम मंदिरों में विशेष रूप से आकर्षक सजावट और कार्यक्रमों की व्यवस्था की गई।

भव्य शोभायात्राएं और झांकियां आकर्षण का केंद्र

रामनवमी के मौके पर घोड़ा निकास से एक भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई, जो भवानी चौक सोमवारा क्षेत्र से प्रारंभ हुई। इसके अलावा शहर के अन्य हिस्सों में भी कई स्थानों से शोभायात्राएं निकली गई। इन जुलूसों में भगवान श्रीराम के जीवन प्रसंगों पर आधारित झांकियां, भजन-कीर्तन और पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल हुई। साथ ही भक्त राम के भजनों पर झूमें सुरक्षा और व्यवस्था के लिए प्रशासन भी सक्रिय है, ताकि श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के इन आयोजनों में भाग ले सकें।

2500 से अधिक स्थानों पर भंडारे का आयोजन

रामनवमी के अवसर पर शहर में बड़े पैमाने पर भंडारों का आयोजन भी किया जाएगा। भोपाल में लगभग 2500 से 3000 स्थानों पर भंडारे लगाए गए। इन भंडारों में श्रद्धालुओं को प्रसाद और भोजन वितरित किया गया। आयोजकों का कहना है कि यह आयोजन सामाजिक समरसता और सेवा भावना का प्रतीक है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग स्वेच्छा से भाग लेते हैं।

एम्स भोपाल में एआई तकनीक से बनेंगे कार्निया और स्किन

नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज सेल का शुभारंभ

नगर संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल में अब आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की मदद से मरीजों की गंभीर बीमारियों का न सिर्फ इलाज किया जाएगा। बल्कि समस्याओं को पूरी तरह दूर भी किया जाएगा। एम्स भोपाल कई स्तर पर काम कर रहा है। इसी क्रम में संस्थान में नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) सेल का औपचारिक शुभारंभ किया गया है। इसका उद्घाटन एनएएमएस के अध्यक्ष डॉ. दिगंबर बेहरा द्वारा किया गया। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक डॉ. माधवानन्द कर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। एनएएमएस सेल की स्थापना संस्थान में अकादमिक सहयोग को सुदृढ़ करने और चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस सेल का उद्देश्य एनएएमएस की नीतियों, दृष्टि और विभिन्न पहलों की जानकारी फैकल्टी, विद्यार्थियों और स्वास्थ्य पेशेवरों तक पहुंचाना है, उन्हें उपलब्ध अवसरों का लाभ मिल सके। अधिकारियों ने बताया कि इससे राष्ट्रीय अकादमिक संस्थाओं और जमीनी स्तर पर चिकित्सा शिक्षा एवं शोध के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। उन्होंने बताया कि एनएएमएस सेल ज्ञान के आदान-प्रदान, पेशेवर विकास और साक्ष्य-आधारित चिकित्सा पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी मंच के रूप में कार्य करेगा।

ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर की अहम भूमिका

एम्स से मिली जानकारी अनुसार एक तरफ डीआरडीओ की लैब में आर्टिफिशियल स्किन और कॉर्निया तैयार करने पर तेजी से काम चल रहा है, वहीं एम्स भोपाल में इंटीग्रेटिव मेडिसिन और एडवांस ट्रीटमेंट मॉडल पर रिसर्च इसे जमीन पर उतारने की दिशा में बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह तकनीक क्लिनिकल स्तर पर सफल होती है, तो बर्न केस, गंभीर घाव और आंखों की रोशनी खो चुके मरीजों के इलाज में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा। इससे अंगों की कमी से जूझ रहे हजारों मरीजों को नई उम्मीद मिल सकती है। इसमें पशुओं के कोलेजन का उपयोग किया जा रहा है। बर्न केस में सबसे बड़ी समस्या स्किन ग्राफ्ट की कमी होती है, जिससे मरीजों में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। आर्टिफिशियल स्किन इस चुनौती को काफी हद तक कम कर सकती है। वहीं, कॉर्निया की कमी से जूझ रहे मरीजों के लिए यह तकनीक नई रोशनी साबित हो सकती है। भारत में हर साल हजारों मरीज अंगों की कमी के कारण समय पर इलाज नहीं करा पाते। ऐसे में आर्टिफिशियल स्किन और कॉर्निया जैसी तकनीकें गेम-चेंजर साबित हो सकती हैं। इससे न केवल इलाज की उपलब्धता बढ़ेगी, बल्कि मरीजों के ठीक होने की संभावना भी बेहतर होगी। अंगदान और प्रत्यारोपण की पूरी प्रक्रिया में ट्रांसप्लांट को-ऑर्डिनेटर की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होती है। वे मरीजों के परिजनों को संवेदनशील तरीके से समझाते हैं, उनकी सहमति सुनिश्चित करते हैं और पूरी प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करते हैं।

रामनवमी पर हुईं 950 रजिस्ट्रियां और 29.49 करोड़ रुपये का राजस्व मिला

देर रात तक खुले रहे पंजीयन कार्यालय, 1 अप्रैल से महंगी हो जाएगी प्रॉपर्टी

जागरण संवाददाता, भोपाल। नवरात्र के अंतिम दिन शुक्रवार श्रीराम नवमी पर भी आईएसबीटी, परी बाजार व बैरसिया पंजीयन कार्यालयों में अधिक संख्या में लोग पहुंचे। स्लॉट में दिए गए समय के अनुसार लोगों ने रजिस्ट्री कराने की प्रक्रिया पूरी कराई। संपदा-2 का सर्वर थोड़ा धीमा चला, लेकिन ज्यादा दिक्कत नहीं आई। इससे सुबह 10 से देर रात तक रजिस्ट्रियां होती रहीं। सब रजिस्ट्रारों ने लोगों की रजिस्ट्री कीं। शहर की सीमाओं से लगे क्षेत्रों में जमीनों व प्लॉट की रजिस्ट्री कराने अधिक संख्या में लोग पहुंचे।

नवमी पर 950 रजिस्ट्रियां हुईं और 29.49 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। वरिष्ठ पंजीयक स्वप्नेश शर्मा ने बताया कि अधिक संख्या में प्रॉपर्टी की रजिस्ट्रियां हो रही हैं। 31 मार्च तक पंजीयन कार्यालयों में रजिस्ट्रियां कराने वालों की भीड़ रहेगी। बता दें कि चैत्र नवरात्र के 9 दिनों में कुल 5929 से प्रॉपर्टी की रजिस्ट्रियां हो गईं, जिससे प्राप्त राजस्व 148.69 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। लोगों की सुविधा को देखते हुए जिले के 13 उप जिला पंजीयकों के स्लॉट भी बढ़ाकर 63 कर दिए गए थे। हालांकि शुक्रवार को संपदा-2 सॉफ्टवेयर का सर्वर थोड़ा धीमा चला, इससे आम लोगों का काम बाधित नहीं हुआ। लोगों ने आराम से काम कराया।

जिले में 9 दिनों में हुई रजिस्ट्री की संख्या और प्राप्त राजस्व: जिले में पिछले 9 दिनों में रजिस्ट्रियां दर्ज की गई हैं, जिनसे पंजीयन विभाग को राजस्व प्राप्त हुआ है। पंजीयन विभाग ने लोगों की सुविधा के लिए 820 स्लॉट उपलब्ध कराए हुए हैं, लेकिन गत दिवस 957 रजिस्ट्रियां दर्ज की गई थीं, जिनसे लगभग 22 करोड़ 53 लाख रुपए की आय प्राप्त हुई थी।

तारीख	दर्ज रजिस्ट्री	प्राप्त आय
19 मार्च	653	7 करोड़
20 मार्च	592	5 करोड़ 54 लाख
21 मार्च	317	2 करोड़ 50 लाख
22 मार्च	377	9 करोड़
23 मार्च	585	41 करोड़
24 मार्च	678	12 करोड़ 40 लाख
25 मार्च	820	19 करोड़ 23 लाख
26 मार्च	957	22 करोड़ 53 लाख
27 मार्च	950	29 करोड़ 49 लाख
कुल	5929	148.69 करोड़

31 मार्च तक रहेगी भारी भीड़

पंजीयन कार्यालयों में लोगों की यह भीड़ अगले चार दिन 31 मार्च तक रहने की उम्मीद है। दरअसल, एक अप्रैल से नई कलेक्टर गाइडलाइन लागू होने के बाद जिले के ग्रामीण क्षेत्रों सहित कुल 740 लोकेशन पर प्रॉपर्टी के दाम बढ़ जाएंगे। नई और महंगी दरों से बचने के लिए लोग वर्तमान दरों पर ही जल्द से जल्द अपनी प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री करा लेना चाहते हैं। जिसके चलते पंजीयन कार्यालयों में लोगों की भीड़ देखने को मिल रही है।

18 करोड़ से तैयार जीआईपी में पांच प्रवेश

39 करोड़ बचा एनएलआईयू का कॉरपस फंड फिजूल खर्ची से लगातार गिर रही आर्थिक व्यवस्था

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय (एनएलआईयू) में वित्तीय प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कभी 80 करोड़ रुपये का मजबूत कॉरपस रखने वाले इस प्रतिष्ठित संस्थान का फंड अब घटकर महज 39 करोड़ रुपये रह गया है। एनएलआईयू प्रशासन द्वारा किए गए खर्चों और योजनाओं के उपयोग पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रेजुएट इनसॉल्वेंसी प्रोग्राम (जीआईपी) के लिए करीब 18 करोड़ रुपये खर्च कर भवन तैयार किया गया। इसमें कोर्स के लिए बड़े स्तर पर प्रचार-प्रसार किया गया, लेकिन परिणाम बेहद निराशाजनक रहे। कोर्स में महज पांच विद्यार्थियों ने ही प्रवेश लिया और कुछ समय बाद वे भी पढ़ाई छोड़कर चले गए। ऐसे में करोड़ों की लागत से तैयार की गई यह भवन में अब लगभग खाली पड़ा है। एनएलआईयू ने उक्त प्रोग्राम और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए करीब 20 लाख रुपये की किताबें भी खरीदीं, जो अब उपयोग के अभाव में लाइब्रेरी में धूल खा रही हैं। छात्रों की कमी और योजनाओं की असफलता के चलते इन संसाधनों का सही उपयोग नहीं हो पा रहा है। एनएलआईयू परिसर में बना कॉन्वेंशन सेंटर भी उपयोग से वंचित है। इसे बड़े आयोजनों और सेमिनार के लिए तैयार किया गया था, लेकिन अब तक इसका प्रभावी इस्तेमाल नहीं हो सका है। इससे यह सवाल उठ रहा है कि संस्थान में योजनाएं बिना ठोस रणनीति और भविष्य की जरूरतों के आकलन के बनाई जा रही हैं।

करना होगा आर्थिक चुनौतियों का सामना

शिक्षाविदों का कहना है कि इस तरह के वित्तीय निर्णय संस्थान की साख और संसाधनों दोनों को नुकसान पहुंचाते हैं। यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में एनएलआईयू को और अधिक आर्थिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। एनएलआईयू जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में इस तरह की स्थिति न केवल प्रशासनिक विफलता को दर्शाती है, बल्कि यह भी संकेत देती है कि उच्च शिक्षा संस्थानों में संसाधनों के उपयोग और योजना निर्माण में पारदर्शिता और जवाबदेही की सख्त जरूरत है।

"निर्माण कार्य और योजनाएं पूर्व निदेशक के कार्यकाल में आयोजित की गई हैं।
एस सूर्यप्रकाश निदेशक, एनएलआईयू

उर्दू ड्रामा फेस्टिवल

'छोटी बड़ी बातें-9' ने खोलीं नाजुक रिश्तों की परतें

जागरण, भोपाल। जनजातीय संग्रहालय सभागार में आयोजित उर्दू ड्रामा फेस्टिवल के तीसरे दिन रंगमंच ने एक बार फिर जिंदगी के अनकहे सचों को आवाज दी। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा आयोजित इस चार दिवसीय समारोह में 'छोटी बड़ी बातें-9' के तहत पेश किए गए नाटकों ने दर्शकों को भावनाओं, रिश्तों और रोजमर्रा की जद्दोजहद से जोड़ दिया। भोपाल थिएटर्स की इस प्रस्तुति का निर्देशन राजीव वर्मा ने किया, जिसमें कलाकारों के जीवंत अभिनय और संगीत ने दर्शकों का दिल जीत लिया। अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेहदी ने कहा कि थिएटर सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज से संवाद का सशक्त माध्यम है, जो रिश्तों की अनदेखी परतों को सामने लाता है।

नाटकों की झलक : आखिर तुम्हें आना है, जरा देर लगेगी' यह नाटक माता-पिता के त्याग और उनके अकेलेपन की मार्मिक कहानी बयां करता है। बच्चों के बेहतर भविष्य की चाह में माता-पिता सब कुछ न्यौछावर कर देते हैं, लेकिन अंततः तन्हाई का

सामना करते हैं। इसी दौरान पति-पत्नी के रिश्तों में भी दूरी आ जाती है, जो अंत में एक-दूसरे का सहारा बनकर फिर जुड़ते हैं।

'कुछ तो कहिये' : यह प्रस्तुति दांपत्य जीवन में संवाद की कमी से पैदा होती भावनात्मक दूरी को उजागर करती है। सिम्मी और उसके पति के बीच बढ़ती खामोशी रिश्ते में तनाव लाती है, लेकिन यह कहानी समय रहते संवाद की अहमियत को रेखांकित करती है।

अटैची केस' : हल्के-फुल्के हास्य से भरपूर यह नाटक पति-पत्नी की नोक-झोंक के जरिए रिश्तों की मिठास को दिखाता है। छोटी-छोटी तकरार के बीच छिपा प्यार दर्शकों को मुस्कुराने के साथ सोचने पर भी मजबूर करता है।

इंडीमून्स आर्ट्स फेस्टिवल में 24 किरदारों की सोलो प्रस्तुति, व्यंग्य और संवेदना का बना परफेक्ट कॉम्बिनेशन

24 किरदार, एक मंच और 9 महीने की तपस्या

जागरण, भोपाल। रवीन्द्र भवन के हंसध्वनी सभागार में शुक्रवार की शाम कुछ अलग ही थी मंच पर सिर्फ एक अभिनेता, लेकिन किरदार पूरे समाज के। इंडीमून्स आर्ट्स फेस्टिवल के दूसरे दिन राकेश बेदी का नाटक 'मसाज' जैसे ही शुरू हुआ, दर्शक हंसी, व्यंग्य और भावनाओं की एक अनोखी यात्रा पर निकल पड़े। नाटक में हास्य के कई स्तर देखने को मिले-स्लैपस्टिक से लेकर सूक्ष्म व्यंग्य तक। राजनीतिक कटाक्ष, सामाजिक विसंगतियां और रिश्तों की उलझनें दर्शकों को हंसाते-हंसाते सोचने पर मजबूर करती रहीं। बीच-बीच में मिर्ज़ा ग़ालिब की शायरी का इस्तेमाल प्रस्तुति को एक अलग ही गहराई देता है। नाटक के समापन पर पूरे सभागार में तालियों की गूंज गूंज उठी और दर्शकों ने खड़े होकर स्टैंडिंग ओवेशन दिया। यह साफ था कि 'मसाज' सिर्फ एक नाटक नहीं, बल्कि अभिनय, संवेदना और जीवन के अनुभवों का ऐसा संगम है, जिसे दर्शक लंबे समय तक याद रखेंगे।

इमोशनल क्लाइमैक्स

नाटक का सबसे असरदार पल अंत में आता है, जब हैप्पी सिंह अपनी पत्नी का पत्र पढ़ता है। बिना किसी प्रॉप के प्रस्तुत यह दृश्य अभिनय की सादगी और गहराई का शानदार उदाहरण बन जाता है, जो सीधे दर्शकों के दिल को छू जाता है।

नाटक की कहानी

कहानी 'हैप्पी सिंह' नाम के एक संघर्षशील युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी रोजमर्रा की जद्दोजहद में जिंदगी के अलग-अलग रंगों से गुजरता है। काम, रिश्तों और उम्मीदों के बीच उलझा हैप्पी सिंह जब लोगों से मिलता है, तो हर मुलाकात एक नई कहानी बन जाती है। इन मुलाकातों के जरिए समाज की विडंबनाएं, असमानताएं और मानवीय भावनाएं सामने आती हैं।

24 किरदार, एक कलाकार का कमाल

इस नाटक की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि राकेश बेदी ने अकेले ही 24 अलग-अलग किरदारों को मंच पर जीवंत किया। कोहली साहब, मंत्री का पीए, चौकीदार, बस स्टॉप का अजनबी, बार गर्ल और नायिका की मां-हर किरदार अपनी अलग चाल, आवाज और अंदाज के साथ सामने आया। बिना किसी भारी सेट या प्रॉप्स के, केवल अभिनय के दम पर पूरा मंच एक जीवंत कोलाज में बदल गया।

मंच पर सजावट नहीं, दर्शकों की कल्पना कहानी को जीवंत करती है : राकेश बेदी

जागरण, भोपाल। मेरा सेट स्टेज पर नहीं, दर्शकों के दिमाग में बनता है। मंच पर केवल एक बेंच, एक स्टूल और एक कुर्सी है, लेकिन पूरी कहानी दर्शकों की परिकल्पना में जीवंत होती है। यह कहना है दिग्गज अभिनेता राकेश बेदी का, जो शुक्रवार को इंडीमून्स आर्ट फेस्टिवल के तहत अपने चर्चित नाटक 'मसाज' की प्रस्तुति देने भोपाल आए। प्रख्यात नाटककार विजय तेंदुलकर की रचना 'मसाज' के बारे में बेदी बताते हैं कि इस एकल नाटक में वे अकेले 24 अलग-अलग किरदार निभाते हैं। इसके लिए उन्होंने करीब 9 महीने तक कड़ा अभ्यास किया। वे कहते हैं, भले ही मैंने इसे सैकड़ों बार मंचित किया हो, लेकिन सामने बैठा दर्शक उसे पहली बार देख रहा होता है। इसलिए हर शो से पहले रियाज जरूरी है ताकि वही ताजगी बनी रहे। फिल्म 'धुरंधर 2' और उसमें अपने चर्चित किरदार 'जमील जमाली' का जिक्र करते हुए बेदी ने सोशल मीडिया की सफलता को अस्थाई बताया। असली पहचान केवल मेहनत और काम से बनती है, जो लंबे समय तक टिकी रहती है। फॉलोअर्स अपने आप आते हैं, उन्हें बढ़ाने के लिए प्रयास करना मेरी प्राथमिकता नहीं रही। पिछले 48 वर्षों से रंगमंच से जुड़े बेदी का मानना है कि सिनेमा और तकनीक के दौर में भी थिएटर कभी खत्म नहीं होगा। उन्होंने कहा की जिंदगी में शायद ही कोई ऐसा महीना बीता हो, जब मैंने नाटक न किया हो।

ओटीटी पर बनी बेस्ट फिल्म

भोपाल के दैविक की फिल्म 'कालीधर लापता' ने जीता पिंकविला अवॉर्ड

जागरण, भोपाल। अभिनेता अभिषेक बच्चन और भोपाल के उभरते कलाकार दैविक बाघेला अभिनीत, तथा मधुमिता विजय के निर्देशन में बनी फिल्म 'कालीधर लापता' ने 'पिंकविला स्क्रीन एंड स्टाइल आइकॉन अवॉर्ड 2026' में 'बेस्ट ओटीटी फिल्म' का खिताब अपने नाम किया। मुंबई में आयोजित इस भव्य समारोह में फिल्म निर्माता और एमे एंटरटेनमेंट की को-फाउंडर मधु भोजवानी ने यह अवॉर्ड प्राप्त किया। इस ग्लैमरस इवेंट में विक्की कौशल, अक्षय कुमार, अजय देवगन

और कियारा आडवाणी सहित कई सितारों ने शिरकत की। दैविक बाघेला इससे पहले 'भारतीय टेलीविजन अकादमी पुरस्कार 2025' में 'बेस्ट चाइल्ड एक्टर' का खिताब जीत चुके हैं। इसी फिल्म के लिए उन्हें 'फिल्मफेयर अवॉर्ड' में 'बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर' के लिए नामांकन भी मिला था। फिलहाल दैविक के नए प्रोजेक्ट्स पर काम जारी है और वे जल्द ही एक नई फिल्म में अहम भूमिका में नजर आ सकते हैं, जिससे उनके करियर को नई उड़ान मिलने की उम्मीद है।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

ईरान की होर्मुज पर नरमी से खुली उम्मीद की राह

मौजूदा संकट के बीच सरकार ने तेल और गैस का पर्याप्त भंडार होने की बात कही है, लेकिन सच यह है कि आम लोग रसोई गैस, तेल और उर्वरकों की कमी से उपजी मुश्किल का सामना कर रहे हैं।

होर्मुज जलमार्ग फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक संकरा रास्ता है, जिससे होकर दुनिया के कई देशों के जलपोत आवाजाही करते हैं। पश्चिम एशिया में अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने जवाब के तौर पर जो मोर्चे खोले, उसमें होर्मुज जलमार्ग को बाधित करना उसकी एक कारगर रणनीति साबित हुई है। इसी वजह से आज हालत यह है कि दुनिया के कई देश ईरान के सख्त रुख की वजह से कच्चे तेल और गैस के संकट का सामना कर रहे हैं। इनमें वैसे देश भी हैं, जिन्होंने ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले में कोई प्रत्यक्ष भागीदारी नहीं की है, वे किसी भी पक्ष में मैदान में नहीं हैं और मतभेद के मुद्दों का हल संवाद के जरिए करने के समर्थक हैं। भारत ने भी पश्चिम एशिया में उभरे संकट का समाधान बातचीत से निकालने के लिए आवाज उठाई है। शायद यही वजह है कि अब ईरान ने होर्मुज जलमार्ग से चीन और रूस सहित जिन पांच देशों को अपने जहाज निकालने की छूट दी है, उनमें भारत भी शामिल है। यों भारत आने वाले चार जहाज पहले ही होर्मुज जलमार्ग को पार कर चुके हैं, लेकिन 20-22 जहाज उसी अभी भी उसी इलाके में फंसे हुए हैं।

बहरहाल, ईरान के ताजा रुख के बाद यह उम्मीद जताई जा रही है कि भारत के बाकी जहाज वहां से निकल कर आ सकेंगे और इससे देश में तेल और गैस के गहराते संकट को कम करने में मदद मिलेगी। हालांकि अमेरिका और इजरायल को लेकर ईरान अब भी सख्त है और शांति प्रस्तावों को लेकर भी उसने कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। मगर होर्मुज जलमार्ग पर उसके रुख में आई नरमी से दुनिया के कुछ देशों को राहत मिल सकती है। बाकी ईरान जिन्हें शत्रु देश मानता है, उनके जलपोतों को लेकर वह अब भी सख्त है। जहां तक भारत का सवाल है, तो ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि हमने कुछ ऐसे देशों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की इजाजत दी है, जिन्हें हम मित्र मानते हैं। इसमें चीन, रूस, भारत, इराक तथा पाकिस्तान शामिल हैं।

दरअसल, पिछले कुछ दिनों से भारत अपने पुराने मित्र देश ईरान के साथ लगातार कूटनीतिक संवाद कर रहा है। वह संवाद के जरिए पश्चिम एशिया में संघर्ष खत्म कराने के साथ-साथ होर्मुज जलमार्ग से अपने लिए भी एक रास्ता निकालने की कोशिश कर रहा था। कुछ उतार-चढ़ाव को छोड़ दें, तो भारत और ईरान के संबंध दोस्ताना रहे हैं। ऐसे में अगर ईरान ने अगर होर्मुज जलमार्ग के रास्ते आवागमन के लिए भारत को भी सुविधा दी है, तो कूटनीतिक संवाद के एक सकारात्मक हासिल के साथ-साथ इसे उन्हीं संबंधों की एक कड़ी के तौर पर देखा जा सकता है।

गौरतलब है कि होर्मुज जलमार्ग फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच एक संकरा रास्ता है, जिससे होकर दुनिया के कई देशों के जलपोत आवाजाही करते हैं। दुनिया के करीब बीस फीसद तेल और तरल प्राकृतिक गैस का परिवहन इसी रास्ते से होता है। यही वजह है कि ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, उसके बाद से विश्व भर में तेल और गैस की कीमतों में अप्रत्याशित उछाल आया है। भारत की भी ऊर्जा खरीद का एक प्रमुख स्रोत पश्चिम एशिया रहा है।

मौजूदा संकट के बीच सरकार ने तेल और गैस का पर्याप्त भंडार होने की बात कही है, लेकिन सच यह है कि आम लोग रसोई गैस, तेल और उर्वरकों की कमी से उपजी मुश्किल का सामना कर रहे हैं। अब होर्मुज जलमार्ग पर ईरान की नरमी से भले ही फौरी राहत मिल सके, लेकिन जरूरत इस बात की है कि संयुक्त राष्ट्र सहित सभी पक्षों की ओर से पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को खत्म कराने के लिए ठोस पहल हो।

प्रसंगवश

'स्वच्छ भारत' के दावे और लड़कियों की शिक्षा

कागजों में चाहे जो दर्ज हो, दावे चाहे जो किये जा रहे हों, जमीनी सच्चाई यही है कि कई सरकारी विद्यालयों में शौचालय बदतर स्थिति में हैं। न तो उनकी सफाई होती है और न ही वहां पानी की व्यवस्था होती है। भारत में विकास की चमकती तस्वीर के बरक्स शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में लड़कियों की पढ़ाई छूट जाना चिंता का विषय है। यह स्वच्छ भारत और स्वच्छ विद्यालय अभियान के लक्ष्य पर भी सवालिया निशान है।

गौरतलब है कि हाल ही में सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी एक रपट में बताया गया है कि पिछले वर्षों के मुकाबले वर्ष 2022-23 में लड़कियों के लिए अलग से शौचालय की सुविधा में गिरावट दर्ज की गई। विद्यालयों में लैंगिक समानता बनाए रखने और लड़कियों के लिए अलग से शौचालय की सुविधा देने का प्रयास किया जा रहा है।

मगर जमीनी सच्चाई यही है कि कई सरकारी विद्यालयों में शौचालय बदतर स्थिति में हैं। न तो उनकी सफाई होती है और न ही वहां पानी की व्यवस्था होती है। गौरतलब है कि इस साल जनवरी में शीर्ष न्यायालय ने भी केंद्र और सभी राज्यों को स्कूलों में लड़के-लड़कियों के लिए अलग-अलग शौचालय की व्यवस्था करने का निर्देश देते हुए उनमें पानी और साबुन की व्यवस्था करने की भी हिदायत दी थी। जब स्कूलों में पानी, स्वच्छता और स्वास्थ्य (वॉश) संबंधी सेवाएँउपलब्ध होती हैं,तो अधिक लड़कियां स्कूल पढ़ने जाती हैं, जिससे उनकीजल्दी शादी और गर्भधारण का खतरा कम होता है। ऐसा इसलिए होताहै कि लड़कियां मासिक धर्म के दौरान अक्सर स्कूल नहीं जाती, क्योंकि स्कूल में उपयुक्त सुविधाएं नहीं होती हैं;इससेधीरे-धीरे वो पढ़ाई में पीछे होने लगती हैं और यहां तक कि वे स्कूल छोड़ देती हैं। अध्ययनोंसे पता चला है कि भारत में स्कूल जाने वाली लड़कियों में से एक चौथाई लड़कियां मासिक धर्म के दौरान स्कूल नहीं गईं। इसका एक प्रमुख कारण है स्कूलों में लड़कियों के लिए अलगशौचालय का न होना, सैनिटरी पैड न मिलना और स्कूलों में उपलब्ध शौचालयों का गंदा होना (साथ ही उचित सफाई, पानी और सैनिटरी पैडकेलिएकूड़ेदान की सुविधाओं की कमी होना भी कारण है)

अध्ययन के अनुसार, भारत में लड़कियों के लिए लगभग 22 प्रतिशत स्कूलों में ठीक तरह से बने शौचालय नहीं थे, और 58 प्रतिशत प्रीस्कूलों में तो शौचालय ही नहीं थे(बच्चोंपरत्वरितसर्वेक्षण2013 - 14)। साथ ही, लगभग 56 प्रतिशत प्री-स्कूलों के परिसर में पानी नहीं था। भारत के कई गाँवों के स्कूलों में साफ़पानी भी एक प्रमुख मुद्दाहै, क्योंकि कई स्कूलों में लोहे, आर्सेनिक या फ्लोराइड जैसे दूषित पदार्थों के परीक्षण के लिए वहाँ पर्याप्त वॉटर ट्रीटमेंट (जल उपचार) की सुविधा नहीं है।

तस्वीर कितनी बदली है, अभी कहा नहीं जा सकता, लेकिन स्थिति की गंभीरता समझी जा सकती है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की रपट से यह भी साबित हुआ है कि विद्यालयों में शौचालय की खराब हालत के लिए प्रशासन की सुस्ती कम जिम्मेदार नहीं है। हैरत की बात है कि पिछले तीन वर्षों के दौरान विद्यालयों में महज 0.3 फीसद सुविधा ही बढ़ पाई।

अगर शौचालयों की कमी के कारण लड़कियों की पढ़ाई छूट रही है, तो समूचे शिक्षा के परिदृश्य में इससे अफसोसनाक स्थिति और क्या होगी? इसके लिए स्कूलों की देखरेख से संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

इसमें दोराय नहीं कि गंदा शौचालय और वहां पानी का अभाव लड़कियों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। कई विद्यालयों में शौचालय न होने के कारण लड़कियां विद्यालय नहीं जातीं, जिससे उनकी पढ़ाई पर असर पड़ता है। सवाल है कि स्वच्छ शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव की समस्या की हकीकत के समांतर स्वच्छ विद्यालय अभियान के लक्ष्य को कितना सार्थक कहा जा सकता है!

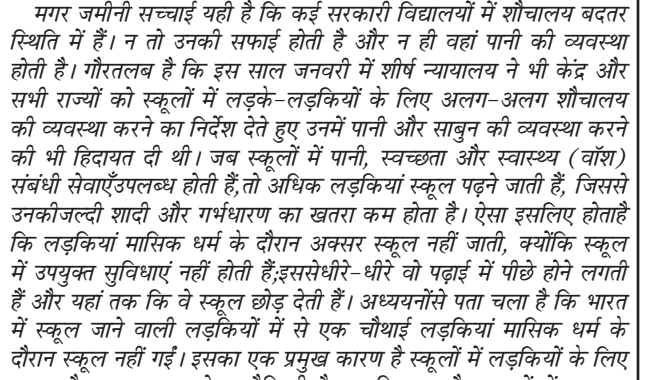

एआई युग में होमवर्क

किताबों से आगे स्मार्ट लर्निंग की ओर स्कूली छात्र

● नीरज पटेल ●

एक समय था जब होमवर्क का अर्थ होता था- कापी-किताब, पेंसिल और घंटों की मशक्कत। हर छात्र को एक ही प्रकार के सवाल, एक ही तरीके से हल करने होते थे- चाहे वह मेधावी हो या संघर्षरत। परंतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए आई) के आने से इस पूरी अवधारणा को चुनौती मिल रही है। आज ए आई न केवल होमवर्क को व्यक्तिगत बना रहा है, बल्कि सीखने की पूरी प्रक्रिया को पुनर्परिभाषित कर रहा है। जो एक यह परिवर्तन क्रांतिकारी है- और अपरिहार्य भी।

अगर हम पारंपरिक शिक्षा को देखे तो उसमें एकरूपता का बोलबाला रहा है- सबको एक ही पाठ, एक ही गति से सीखने का अवसर मिलता है। ए आई आधारित अनुकूलित शिक्षा इस ढाँचे को तोड़ती है। खान अकादमी का ए आई सहायक इसका सबसे चर्चित उदाहरण है, यह ए आई +सहायक छात्र की गलतियों का विश्लेषण करके अगला प्रश्न उसी स्तर का तैयार करता है जो न अधिक कठिन हो, न अनावश्यक सरल। भारत में एनसीईआरटी ने 'दीक्षा प्लेटफॉर्म के माध्यम से इसी दिशा में पहला कदम रखा है। राजस्थान सरकार 'स्माइल' कार्यक्रम के तहत व्यक्तिगत अध्ययन सामग्री भेज रही है। फिनलैंड की 'सी सु पद्धति में ए आई छात्र की सीखने की शैली- दृश्य, श्रव्य या व्यावहारिक- के आधार पर होमवर्क तैयार करता है। कुछ इसी तरह का भविष्य है भारतीय कक्षाओं का भी।

> **अगर हम पारंपरिक शिक्षा को देखे तो उसमें एकरूपता का बोलबाला रहा है- सबको एक ही पाठ, एक ही गति से सीखने का अवसर मिलता है।**

पारंपरिक शिक्षा व्यवस्था में छात्र गलती करता है और शिक्षक सप्ताह बाद कापी वापस करते हैं- तब तक वह अवधारणा मन से उतर चुकी होती है। ए आई आधारित त्वरित फीडबैक पद्धति इस खाई को पाटता है। गणित में फोटो मैथ और मेथ वे जैसे ऐप्स छात्रों को चरण-दर-चरण समाधान प्रस्तुत करते हैं, जिससे वे समझ पाते हैं कि 'क्या गलत हुआ'? एस्टोनिया- जिसे 'डिजिटल रिपब्लिक' भी कहते हैं; यहाँ एआई आधारित प्रणाली बच्चों को हर गलती पर त्वरित व्याख्यात्मक सुझाव देती है। यह फीडबैक सीखने को त्वरित और आत्मविश्वासपूर्ण बनाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने परियोजना-आधारित शिक्षा को नई ऊर्जा दी है। अब छात्र केवल पाठ्यपुस्तक नहीं दोहराते, बल्कि एआई टूल्स से वास्तविक समस्याएँ सुलझाते हैं।

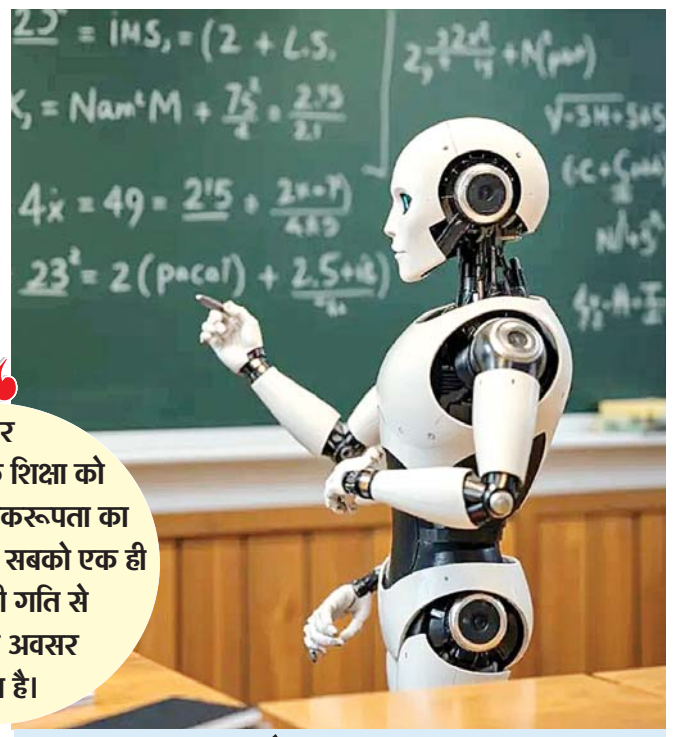

यंत्र ज्ञान देगा, इंसान संस्कार

नई शिक्षा नीति 2020 में भी 'प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग' पर विशेष बाल देता है। केरल का 'लिटिल काइट्स ' क्लब छात्रों को एआई और कोडिंग प्रोजेक्ट्स से जोड़ रहा है। सिंगापुर में एआई फॉर किड्स ' कार्यक्रम के तहत 10-12 वर्ष के बच्चे पर्यावरण और शहरी योजना पर एआई -आधारित प्रोजेक्ट्स बनाते हैं। यह पद्धति आलोचनात्मक चिंतन और समस्या-समाधान कौशल विकसित करती है- जो आज की 21वीं सदी की माँग है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के आने से सबसे बड़ा सवाल उठता है- क्या शिक्षक अप्रासंगिक हो जाएँगे? नहीं। उनकी भूमिका और अधिक मानवीय हो जाएगी। पहले शिक्षक का ज्यादातर समय कापियाँ जाँचने और पाठ दोहराने में जाता था। अब यह काम एआई सँभालेगा- और शिक्षक छात्रों के भावनात्मक व नैतिक विकास पर ध्यान देंगे। गुजरात के 'विद्याशक्ति' कार्यक्रम में शिक्षकों को एआई डैशबोर्ड दिए गए हैं जहाँ वे प्रत्येक छात्र की प्रगति रियल-टाइम में देख सकते हैं। दक्षिण कोरिया में 'एआई टीचर असिस्टेंट शिक्षक को विद्यार्थियों की रिपोर्ट देता है, जिससे वे उन बच्चों पर ऊर्जा और संसाधन लगाते हैं जिन्हें विशेष सहायता की आवश्यता है। जिससे शिक्षक की भूमिका 'मंचीय ज्ञाता' से 'परामर्शदाता' बन जाते हैं अर्थात- यंत्र ज्ञान देगा, इंसान संस्कार।

शिक्षक की भरपाई

ग्रामीण भारत के संदर्भ में अगर हम एआई को देखे तो यह शिक्षा के क्षेत्र में एक दोधारी तलवार है- एक तरफ अभूतपूर्व अवसर, दूसरी तरफ गहरी चुनौतियाँ उत्पन्न करता है। अगर हम भारत के ग्रामीण क्षेत्रों को देखे तो भारत में 6 लाख से अधिक गाँवों में ऐसे लाखों बच्चे ऐसे हैं जहाँ न पर्याप्त शिक्षक हैं, न पाठ्यपुस्तकें, न प्रयोगशालाएँ। ऐसे में यदि एआई को सही तरीके से पहुँचाया जाए तो यह समानता का सेतु बन सकता है। इस दिशा में पहला और बड़ा अवसर यह है कि एआई शिक्षक की अनुपस्थिति की भरपाई कर सकता है। भारत में सरकारी आँकड़ों के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षक-छात्र अनुपात बेहद दयनीय है। कई स्कूलों में एक ही शिक्षक सभी कक्षाएँ चलाता है। इस दिशा में विद्यार्थी को दूसरा महत्त्वपूर्ण पहलू मातृभाषा में शिक्षा है। ग्रामीण बच्चे अक्सर हिंदी, उर्दू, तमिल, तेलुगु, बंगाली या भोजपुरी में सोचते हैं, लेकिन उनकी पाठ्यपुस्तकें अंग्रेजी में होती हैं। एआई के माध्यम से अनुवाद और स्थानीय भाषा प्रसंस्करण की क्षमता से यह अन्तर ख़त्म सकता है। माइक्रो सॉफ्ट का 'प्रोजेक्ट भूमि ' और गूगल का 'बोलो ' ऐप हिंदी में बच्चों को पढ़ना सिखाने के लिए एआई का उपयोग करते हैं। 'बोलो ने उत्तर प्रदेशऔर बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की पठन क्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखा गया है।

छात्रों का ड्रॉपआउट कम

इस दिशा में तीसरा अवसर है स्कूली शिक्षा में छात्रों का ड्रॉपआउट को कम करना। ग्रामीण भारत में, विशेषकर बालिकाओं में, स्कूल छोड़ने की दर अधिक है। एआई आधारित स्व-गति शिक्षा से वे बच्चे भी पढ़ सकते हैं जिन्हें घर में काम करना पड़ता है। राजस्थान की 'स्माइल 2.0' परियोजना ने यह दिखाया कि जब लड़कियों को व्हाट्सप्प पर व्यक्तिगत एआई पाठ मिले तो उनकी उपस्थिति और परीक्षा परिणाम दोनों में व्यापक सुधार दिखाई पड़े।

लेकिन इन तमाम उज्वल तस्वीर के पीछे कुछ अँधेरे कोने भी हैं जहाँ, सबसे बड़ी बाधा डिजिटल अवसंरचना का अभाव है। ट्राई के अनुसार अभी भी भारत के हजारों गाँवों में मोबाइल इंटरनेट की पहुँच अनिश्चित है। एआई उपकरणों को बिजली की अनियमित आपूर्ति निष्क्रिय कर देती है। इसके अलावा, अभिभावकों की डिजिटल अनभिज्ञता एक बड़ी रुकावट है- जब माता-पिता स्वयं स्मार्टफोन नहीं जानते तो बच्चे का एआई आधारित होमवर्क घर में कैसे होगा? एक और गंभीर प्रश्न है- यदि एआई अंग्रेजी या शहरी संदर्भों पर आधारित डेटा से प्रशिक्षित है तो वह ग्रामीण परिवेश, स्थानीय खेती, त्यौहार और सांस्कृतिक वास्तविकताओं को कितना समझेगा?

इस प्रकार की चुनौतियों के समाधान के लिए कुछ नवाचार भी हो रहे हैं। इस दिशा में आईआईटी बॉम्बे का 'ई ज्ञान कोश ' और इग्नू का 'स्वयं ' प्लेटफॉर्म ऑफलाइन मोड में भी उपलब्ध हैं। इस दिशा में कुछ और निजी संस्थाएं जैसे- ग्राम तरंग ' ने ग्रामीण स्कूलों में सोलर-चालित टैबलेट लैब स्थापित कर रही हैं जहाँ एआई टूल्स बिना इंटरनेट के काम करते हैं। एआई का यह उज्वल चित्र कुछ गंभीर सवाल भी उठाता है। यदि बच्चे हर उत्तर एआई से माँगने लगें तो स्वतंत्र चिंतन की क्षमता कुंद हो सकती है। डेटा गोपनीयता भी इस दिशा में एक बड़ी चुनौती है। बच्चों के व्यवहार और प्रगति का डेटा किसके हाथ में जाएगा, इसकी जवाबदेही अभी भी सुनिश्चित नहीं है। एआई को शिक्षा का पूरक मानना चाहिए, प्रतिस्थापन नहीं। जब तक भारत के हर गाँव में बिजली, इंटरनेट और डिजिटल साक्षरता नहीं पहुँचती, एआई की यह क्रांति अधूरी रहेगी।

फैशन अपडेट

नया ट्रेंड - साड़ी के साथ स्नीकर्स अब स्टाइल स्टेटमेंट

अब यह सिर्फ़ आराम के नहीं अपनाया जा रहा है; बल्कि यह हाई-फ़ैशन क्लैश बन गया है जिसे 'एथलीज़र मीट्स हीरलूम' के नाम से जाना जाता है। लेकिन यहाँ एक बात है: अपनी ड्रेस के नीचे सिर्फ़ रनिंग शूज़ पहन लेना काफ़ी नहीं है। स्ट्रीट-स्टाइल स्टार जैसा दिखने और सैंडल भूल जाने वाले इंसान जैसा दिखने में एक ही फ़र्क है: जानबूझकर। अगर यह जानबूझकर लिया गया, बोल्ड चॉइस लगता है, तो आपने इसे सही चुना है। यहाँ बताया गया है कि ट्रेडिशनल ड्रेप्स और चंकी किक्स के बीच के गैप को कैसे कम किया जाए।

> **ईमानदारी से कहें तो: कुछ साल पहले तक, साड़ी के साथ स्नीकर्स पहनना फैशन में एक गलती मानी जाती थी-कुछ ऐसा जो आप सिर्फ़ आने-जाने के लिए करते थे और फिर वेन्यू पर हील्स पहन लेते थे। लेकिन कोई भी नई स्टाइल मैगज़ीन पलटें या अपना इंस्टाग्राम फ़ीड देखें, और कहानी पूरी तरह बदल गई है। 'साड़ी स्नीकर' ट्रेंड एक अजीब एक्सपेरिमेंट से एक असली स्टाइल स्टेटमेंट बन गया है।**

'डैड शू' की कला

इस फ्यूज़न का पहला नियम विज़ुअल वेट को समझना है। एक आम गलती साड़ी को पतले, कैनवस प्लिमसोल या स्लिप-ऑन के साथ पेयर करना है ये अक्सर फ़ैब्रिक में दब जाते हैं और थोड़े स्कूल शूज़ जैसे दिख सकते हैं। इसे काम करने के लिए, आपको कंट्रास्ट चाहिए। साड़ी के फ्लूइड, फ़ेमिनिन फॉल को किसी सख़्त और स्ट्रक्चर्ड चीज़ से एंकर किया जाना चाहिए। 'डैड स्नीकर' में एंटर करें। चंकी सोल और हैवी अपर एक सॉलिड बेस देते हैं जो प्लीट्स के वॉल्यूम को बैलेंस करता है। स्नीकर को अपने ड्रेप के लिए एक मॉडर्न पैडस्टल की तरह सोचें। डेलिकेट फ़ैब्रिक और 'अग्ली-कूल' शू के बीच विज़ुअल टेंशन ही लुक को पॉप बनाता है।

एंकल-ग्रेज़र रूल

अगर कोई एक टेक्निकल एडजस्टमेंट है जो आपको करना है, तो वह है हेमलाइन। एक स्टैंडर्ड साड़ी ड्रेप जो फ़र्श तक जाती है, स्नीकर लुक की दुश्मन है। अगर फ़ैब्रिक आपके शूज़ पर जमा हो जाता है, तो यह बस मेसी और इल-फ़िटेड दिखता है। इस एस्थेटिक के लिए, आपको इसे ऊपर उठाने की ज़रूरत है। अपनी साड़ी को नॉर्मल से एक से दो इंच ऊपर ड्रेप करें। मकसद साड़ी के हेम और जूते के कॉलर के बीच एक साफ़ गैप बनाना है, या कम से कम, हेम स्नीकर के ऊपरी हिस्से को मुश्किल से छूना है। यह 'एंकल-ग्रेज़र' लंबाई सबसे अच्छी है-यह स्नीकर के सिल्हूट को दिखाती है और यह इशारा करती है कि लंबाई सोच-समझकर स्टाइल करने का फ़ैसला था, न कि ड्रेपिंग की कोई गलती।

ड्रेप में माहिर बनें

क्योंकि फुटवियर कैज़ुअल है, इसलिए ड्रेप बिल्कुल भी ऐसा नहीं होना चाहिए। कैज़ुअल जूतों के साथ बिखरा हुआ पल्लू अस्त-व्यस्त लगता है। यहाँ स्ट्रक्चर आपका सबसे अच्छा दोस्त है। पक्का करें कि आपकी प्लीट्स क्रिस्प, पिन्ड और सुरक्षित हों। अगर आप एडवेंचरस महसूस कर रहे हैं, तो क्लासिक निवी ड्रेप को छोड़कर धोती या पैंट ड्रेप चुनें। यह नेचुरली एंकल को दिखाता है, स्नीकर्स को पूरी तरह से फ्रेम करता है, और किसी भी तरह के ठोकर लगने के खतरे को रोकता है। एक और बढ़िया हैक है बेल्टेड ड्रेप। कॉर्सेट बेल्ट या सब्यसाची-स्टाइल सिग्नेचर बेल्ट से कमर को कसने से आउटफिट का विज़ुअल वेट कम हो जाता है, जिससे आप चंकी फुटवियर के साथ नीचे से भारी नहीं दिखते।

फैब्रिक और सेलिब्रिटी के आइडिया

सभी साड़ियाँ स्नीकर-फ्रेंडली नहीं होतीं। ऐसे फ़ैब्रिक चुनें जो भारी हों और सिल्हूट को पतला करें, जैसे जॉर्जेट, शिफ़ॉन, या क्रेप। ये आपके साथ अच्छे से चलते हैं और फूलते नहीं हैं। पारंपरिक कांजीवरम जैसे सख़्त सिल्क, स्नीकर्स के साथ टेंट जैसे दिख सकते हैं, जब तक कि आप कोई बहुत खास अवांट-गार्डे एडिटोरियल वाइब नहीं चाहते। बॉलीवुड की स्टाइल डायरी से आइडिया लें। रिया कपूर, जो इस लुक की पायनियर हैं, अक्सर अनामिका खन्ना ड्रेप्स को चंकी किक्स के साथ पहनती हैं, जूतों को फ्रेम करने के लिए स्प्लिट-धोती स्टाइल का इस्तेमाल करती हैं। या दीपिका पादुकोण को देखें, जिन्होंने अपनी शादी के रिसेप्शन में हील्स की जगह सफ़ेद स्नीकर्स पहने थे। यह काम कर गया क्योंकि उनकी साड़ी शीयर और हल्की थी, और स्नीकर्स एकदम सफ़ेद थे, जिससे एक कूल 'दुल्हन चिल आउट' एनर्जी बन रही थी।

फाइनल चेकलिस्ट

बाहर निकलने से पहले, जल्दी से क्वालिटी कंट्रोल चेक कर लें।

पेटीकोट चेक: साड़ी से 2-3 इंच छोटा पहनें ताकि चलते समय वह बाहर न दिखे।?

जूते की कंडीशन: इस पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता- आपके स्नीकर्स एकदम साफ़ होने चाहिए। घिसे हुए या गंदे जूते 'फ़ेशन' वाइब को तुरंत खत्म कर देते हैं।

मोज़े की सिचुएशन: जब तक आप स्टेटमेंट के तौर पर शीयर ट्यूल या फ़िशनेट मोज़े नहीं पहन रहे हैं, अपने जिम मोज़े छिपाकर रखें।

साड़ी स्नीकर ट्रेंड को लेकर फ़ेमिनिनिटी के नियमों को फिर से लिखा जाना चाहिए । यह कहता है कि आप एक ही समय में ट्रेडिशनल और प्रैक्टिकल, ग्रेसफ़ुल और ज़मीन से जुड़ी हुई हो सकती हैं। बस इसे क्रिस्प, हाई और चंकी रखना याद रखें।

सक्सेस स्टोरी

पारले एग्रो- 300 करोड़ की कंपनी बनी 8 हजार करोड़ की

नादिया चौहान - ब्रांड मेनेजर

आज देश में सॉफ्ट ड्रिंक्स के कई सारे देसी विदेशी ब्रांड्स प्रचलित हैं। लेकिन एक ब्रांड की पंचलाइन आपको आज भी याद होगी और वो है 'फ्रेश एंड जूसी'। वैसे यह पंचलाइन अधूरी है, लेकिन इस अधूरी पंचलाइन से ही आप प्रोडक्ट को पहचान गए होंगे, इस प्रोडक्ट की पूरी लाइन है 'मैंगो फ्रूटी, फ्रेश एंड जूसी'। फ्रूटी, यह प्रोडक्ट आज बच्चों, बड़ों, बूढ़ों सभी के बीच में फेमस है, लेकिन एक समय था, जब इसे बनाने वाली पारले एग्रो का टर्न ओवर सिर्फ 3 सौ करोड़ का था। प्रकाश चौहान फ्रूटी बनाने वाली कंपनी पारले एग्रो के फाउन्डर और सीईओ हैं, बाद में उनकी बेटी नादिया चोहान ने ब्रांड मैनेजर के रूप में कंपनी जॉइन की और कंपनी का टर्न ओवर 3 सौ करोड़ से 8 हज़ार करोड़ तक पहुँचा दिया।

17 साल की उम्र में जॉइन की कंपनी

नादिया का जन्म 1985 में केलीफॉर्निया में हुआ था, लेकिन उसके बाद वे मुंबई आ गयी। मुंबई से अपनी शिक्षा करने के बाद अपने पिता के साथ कंपनी में जाती थी और वहाँ अपना समय बिताना उन्हें अच्छा लगता था। जब वे 19 साल की हुई, तब उन्होंने ब्रांड मैनेजर के रूप में कंपनी जॉइन कर ली। उसके बाद उनके लिए कई फैसलों ने कंपनी को ऊँचाइयों पर पहुँचा दिया।

बैली पैक्ड ड्रिंकिंग वाटर और अप्पी फिज किया शुरू

जब नादिया ने कंपनी जॉइन की, तब कंपनी सिर्फ फ्रूटी ही बनाती थी 7 नादिया ने कई सारे फैसले लिए, पहले फ्रूटी का पैकेट हरे रंग का हुआ करता था, नादिया ने सुझाव दिया कि इसका रंग आम की तरह पीला कर दिया जाए। इसके बाद ना सिर्फ बच्चों, बल्कि बड़ों और बूढ़ों में भी फ्रूटी फेमस होने लगी। इसके अलावा नादिया ने सिर्फ एक ड्रिंक पर फोकस करने की बजाय और भी ड्रिंक्स लॉन्च करने का फैसला लिया, तब पारले ?ग्रो ने बेली वाटर और सेब से बनी एपी फीज लांच की। आज लोग फ्रूटी के अलावा इन दोनों प्रोडक्ट से भी बहुत अच्छे से परिचित हैं। जो कंपनी कभी सालाना 3 सौ करोड़ का बिज़नेस करती थी, उसी कंपनी ने 2022-23 में 8 हजार करोड़ का बिज़नेस किया। इसमें सिर्फ फ्रूटी का रेवेन्यू 4 हजार करोड़ का है। नादिया ने अपने फैसलों के आधार पर कंपनी की सेल को कई गुना बढ़ा दिया है। अब उनका लक्ष्य 2030 तक कंपनी का टर्न ओवर 20 हजार करोड़ रुपये तक पहुँचाना है।

हेल्थ अपडेट

कहीं आप गलत समय पर तो चीजें नहीं खाते?

सही समय पर सही चीज खाना हम सभी के लिए बेहद आवश्यक है, ऐसा इसलिए क्योंकि कई बार जब लोग सही चीज़ें भी गलत समय पर खा लेते हैं, जिससे वजन बढ़ना, पेट संबंधी समस्याएं, ब्लड शुगर में उतार-चढ़ाव और नींद में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। विशेषज्ञों की मानें तो हर भोजन का सही समय और मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है। अगर आप अपने खान-पान का समय और क्रम सही रखें, तो आप न सिर्फ वजन नियंत्रित रख सकते हैं बल्कि पाचन, एनर्जी और नींद जैसी कई समस्याओं से भी बच सकते हैं। इस लेख में हम उन 8 प्रमुख चीजों के बारे में बताएंगे, जिन्हें सही समय पर खाएं और सही समय पर न खाएं।अक्सर लोग गलत समय पर ही खाते हैं।

> **अगर आप नहीं चाहते कि आपके शरीर में किसी तरह की कोई दिक्कत हो तो गलत समय पर गलत चीज खाना बंद करें। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस समय पर क्या नहीं खाना चाहिए।**

चावल

- चावल जल्दी पचने वाला कार्बोहाइड्रेट है, जिसकी वजह से इसे रात में खाने से वजन बढ़ता है।
- दरअसल, रात में शरीर की ऊर्जा की आवश्यकता कम होने के कारण यह आसानी से फैट में बदल सकता है।
- इसलिए चावल को दोपहर के खाने में शामिल करना बेहतर होता है।
- दिन में चावल खाने से शरीर को तुरंत ऊर्जा मिलती है और वजन भी नियंत्रित रहता है।

लाल मांस

- रेड मीट पचने में भारी होता है, इसलिए रात को इसे खाने से पेट पर बोझ पड़ता है।
- इसे रात में खाने से आपको नींद में परेशानी हो सकती है।
- दोपहर के खाने में रेड मीट को शामिल करना सही रहता है।
- ऐसा करने से शरीर को प्रोटीन मिल सकेगा और पाचन भी आसान होगा।

चॉकलेट

- चॉकलेट में शुगर और फैट अधिक होता है।
- देर रात इसका सेवन ब्लड शुगर लेवल बढ़ा सकता है।
- इसके अलावा यह नींद में खलल डाल सकता है।
- इसलिए इसे रात में खाने से बचना चाहिए।

केला

- केला एसिडिक होता है, इसलिए खाली पेट खाने से पेट में गैस और एसिडिटी की समस्या हो सकती है।
- केले को नाश्ते में या भोजन के बाद खाने से ये नुकसान नहीं करता।
- केले को सुबह नाश्ते में खाने से शरीर को तुरंत ऊर्जा भी मिलती है।

टमाटर

- टमाटर में एसिड होता है, जो सोने से पहले खाने पर एसिड की दिक्कत बढ़ा सकता है।
- इसका रात में सेवन करने से पेट में जलन की समस्या पैदा होती है।
- इसलिए टमाटर को दिन के समय या भोजन में शामिल करना बेहतर रहता है।

भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट ने ग्राहक संतुष्टिकरण में फिर बाजी मारी

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट पर बढ़ रही यात्री सुविधाओं के मामले में उसने एक बार फिर ग्राहक संतुष्टिकरण में बाजी मारी है। हर छह माह में होने वाले सर्वे में केटेगिरी-3 में उसने सभी अन्य एयरपोर्ट को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है। इसके लिए एयरपोर्ट डायरेक्टर को 31 मार्च को हवाई अड्डों के डायरेक्टरों की आयोजित चेयरमैन डिनर के अवसर पर पुरस्कार के लिए आमंत्रित किया गया है।

इसमें कहा गया है कि 31वें एएआइ वार्षिक दिवस के अवसर पर सर्वे एवं ग्राहक संतुष्टिकरण पुरूस्कार प्रदान किए जाने हैं। एयरपोर्ट अर्थारिटी आफ इंडिया द्वारा जारी पत्र में कहा गया है कि 2025 ग्राहक संतुष्टिकरण केटेगिरी-3 में एक बार फिर भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट ने पहला स्थान प्राप्त किया है। भोपाल का राजा भोज एयरपोर्ट केटेगिरी-3 में शामिल है और इसी केटेगिरी में कोयंबटूर, रायपुर, इंदौर, पटना, बागडोगरा, बड़ोदरा, उदयपुर भोपाल, इंफाल और रांची भी शामिल है।

पत्र में कहा गया है कि भोपाल एयरपोर्ट को पहला स्थान दिखाया गया है क्योंकि वह उस सर्वे में विजेता था। यहां बता दें कि कुछ समय पूर्व तक भोपाल का राजा भोज एयरपोर्ट केटेगिरी-5 में था, लेकिन बाद में यहां इंटरनेशनल एयरपोर्ट से संबंधित सारी सुविधाओं को देखते हुए इसे केटेगिरी-3 में रखा गया गया। जहा तक केटेगिरी-2 (0.5 एमपीपीए तक) अन्य मापदंडों को शामिल करने के बाद का सवाल है तो उसमें पहले स्थान पर औरंगाबाद हवाई अड्डा, दूसरे स्थान पर बड़ोदरा शामिल है जबकि श्रेणी- प्रथम (0.5-1.5 एमपीपीए) की बात की जाए, तो उसमें पहला स्थान खुराहो, दूसरा गगल कांगड़ा एवं तीसरा गया हवाई अड्डा है। इसी तरह प्रथम श्रेणी केटेगिरी में पुणे पहले स्थान पर, दूसरे स्थान पर गोवा एव तीसरे स्थान पर इंदौर शामिल है।

केटेगिरी-3 में रहा सबसे अव्वल, मिला प्रथम स्थान

निरंतर सुधार की यात्रा : अगर एक नजर सुविधाओं पर डाली जाए तो पता चलता है कि भोपाल एयरपोर्ट की यह उपलब्धि उसके निरंतर सुधार की यात्रा को दर्शाती है। पहले जहाँ एयरपोर्ट की रैंकिंग सामान्यतः बीसवें स्थान के आसपास रहती थी, वहीं सीएसएस 2022 में यह राउंड-1 में तृतीय और राउंड-11 में द्वितीय स्थान पर पहुंचा। इसके बाद सीएसएस 2023 में दोनों राउंड में प्रथम स्थान प्राप्त कर एयरपोर्ट ने अपनी सेवा गुणवत्ता को नई ऊँचाई दी। इसी क्रम में अब सीएसएस 2025 में पुनः दोनों राउंड में प्रथम स्थान हासिल कर यह उपलब्धि दोहराई गई है।

डिजी यात्रा सुविधा, तेज और सुगम सुरक्षा जांच, फ्लाईब्रेरी (यात्रियों के लिए खुली लाइब्रेरी), चार्जिंग सुविधा युक्त सीटें, बच्चों के लिए प्ले एरिया, आधुनिक तकनीक से युक्त स्वच्छ शौचालय तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय से यात्रियों का अनुभव निरंतर बेहतर हुआ है। साथ ही, भोपाल एयरपोर्ट को हाल ही में केट-2 इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम से अपग्रेड किया गया है, जिससे 350 मीटर आरवीआर तक कम दृश्यता में भी सुरक्षित उड़ान संचालन संभव हुआ है।

इसके अतिरिक्त, लोअर ग्राउंड फ्लोर पर नए आगमन क्षेत्र, पैरेलल टैक्सी ट्रैक रैपिड एग्जिट टैक्सीवे सहित कई अधोसंरचना विकास कार्य प्रगति पर हैं, जो भविष्य में संचालन क्षमता और यात्री सुविधा को और बेहतर बनाएंगे। इन सभी प्रयासों के साथ आने वाले समय में भोपाल एयरपोर्ट पर यात्री संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि की संभावना है और यह एयरपोर्ट देश के प्रमुख एयरपोर्ट्स की श्रेणी में शामिल होने की दिशा में अग्रसर है।

इस अवसर पर राजा भोज एयरपोर्ट, भोपाल अपने यात्रियों, भोपाल एवं मध्यप्रदेश के नागरिकों, तथा एयरपोर्ट अर्थारिटी आफ इंडिया एयरलाइंस, सीआइएसएफ ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसियों और सभी हितधारकों के सहयोग और विश्वास के लिए आभार व्यक्त करता है।

एयरपोर्ट डायरेक्टर द्वारा कहा गया है कि भोपाल एयरपोर्ट भविष्य में भी सुरक्षित, कुशल और यात्री-केंद्रित सेवाएं प्रदान करते हुए सेवा उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इधर इस एयरपोर्ट अर्थारिटी एम्प्लाइज यूनियन के अध्यक्ष सिद्धार्थ यादव ने इस उपलब्धि का श्रेय एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी को दिया है।

नारी लच्छवाणी, नंद एवं नादिया को आज मिलेगा साहित्य गौरव सम्मान

दो दिवसीय अंतरप्रांतीय सिंधी साहित्य सम्मेलन का भव्य आयोजन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। लुप्त होती सिंधी लिपि, ऐसा दौर जब देश व दुनिया के केवल 15 प्रतिशत ही सिंधी मातृ भाषा में आपस में बात करने के लिए रह गए हैं और किसी भी निमंत्रण पत्र को पढ़ने के लिए न तो सिंधी लिपि में छपाइ हो रही है, न ही उसे पढ़ने वाले ही दिखते हैं, तथा सिंधियों को देवनागिरी का सहारा लेना पड़ रहा है, किसी तरह मध्यप्रदेश सिन्धी साहित्य अकादमी सिंधियत को बचाने के प्रयासों में जुटी है। उसके द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरप्रांतीय सिन्धी साहित्य सम्मेलन का शुभारंभ शनिवार को लालघाटी स्थित द ग्रांड सनसिटी में संत सिद्ध भऊ द्वारा किया जाएगा। अकादमी के निदेशक राजेश कुमार वाधवानी ने बताया कि सम्मेलन की अध्यक्षता दक्षिण पश्चिम के भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी करेंगे। उदघाटन सत्र में अकादमी द्वारा पूर्व में घोषित तीन वर्षों के सन्त हिरदाराम साहित्य गौरव सम्मान भी प्रदान किए जाएंगे। वर्ष 2022 के लिए यह सम्मान पिछले पांच दशक से मंच से कविताओ के माध्यम से अपनी उपस्थिति को कायम रखने वाले वरिष्ठ सिंधी साहित्यकार, मंच कालकार एवं कवि नारी लच्छवानी, वर्ष 2023 के लिए संत हिरदाराम नगर के ही नंदकुमार सनमुखानी तथा वर्ष 2024 के लिए इंदौर की जानी मानी सिंधी साहित्यकार एवं कवियत्री डॉ. नादिया मसंद को

प्रदान किया जाएग। दो दिनों तक चलने वाले इस सम्मेलन में गुजरात, महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, गोआ, राजस्थान तथा मध्यप्रदेश के वरिष्ठ सिन्धी साहित्यकार विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे तो वहीं 140 से भी अधिक की संख्या में उपस्थित वरिष्ठ तथा युवा सिन्धी साहित्यकार इन विषयों पर आयोजित चर्चा में सहभागिता करेंगे।

ये होंगे कार्यक्रम

जानी मानी सिंधी साहित्यकार एवं कवित्री हर्षा मूलचंदानी ने बताया कि उदघाटन के बाद दूसरे सत्र में सिंधी के विकास में सिंधी संत साहित्य का योगदान विषय पर संचालन हर्षा मूलचंदानी करेगी। विषय की भूमिका पर नंदिनी पजवानी रोशनी डालेंगी जबकि मुख्य वक्ता डा. तुलसी देवी एवं अध्यक्षता जाने माने सिंधी साहित्यकार खीमन मूलानी करेंगे। तीसरे सत्र में सिंधी साहित्य में राष्टभक्ति के तत्व पर संचालन साहित्यकार कनयो शेवानी का होगा, विषय की भूमिका पर नंदकुमार सनमुखानी बोलेंगे, वहीं डा. कल्पना चेलानी मुख्य वक्ता होंगी। अध्यक्षता सिंधी भाष विकास परिषद दिल्ली के पूर्व डायरेक्टरी डा. रविप्रकाश टेकचंदानी करेंगे।

चैथे सत्र सिंधी साहित्य में आत्मकथाओं का सफरनामा विषय पर नामोश तलरेजा का संचालन, भूमिका में भगवान बाबाणी, मुख्य वकता कैलाश शादाब एवं अध्यक्षता ख्याति प्राप्त साहित्यकार डा. जेठो लालवानी करेंगे। इसके बाद शाम 7 बजे सिंधू महोत्सव के अन्तर्गत नाटक ओ मुहिंजा झूलेलाल प्रस्तुत किया जाएगा।

प्रस्तुत देने वाली संस्था होगी हिसंधु सखा संगम, लेखक हैं निखिल आर राजपाल, हिदायतकार जूली तेजवानी मुम्बई। इस तरह 29 मार्च रविवार को भी सुबह 9.45 बजे से लेकर शाम 5.30 बजे तक सिंधी साहित्य में महिला विमर्श, सिंधी साहित्य में अनुवाद, सिंधी साहित्य में युवा विमर्श, सिंधी और संस्कृति का नाता विषय पर प्रस्तुति दी जाएगी जिसमें चित्रा चेलानी, द्रोपदी चंदनानी, डा. विम्मी सदारंगानी, डा. कमला गोकलानी, सागर उदासी, प्रिया लच्छवाणी, प्रकाश तेजवानी, अशोम जामनानी, राकेश शेवानी, रश्मि रामानी एवं जाने माने सिंधी लेखक एवं अनुवादक अशोक मनवाणी, विनीता मोटलानी, डा. चारूमित्र माखीजानी, डा. जितेन्द्र थधानी, हरीश कर्मचंदानी की तकरीरें सुनने को मिलेंगी।

रोजगार से जोड़ना जरूरी

हालांकि समय समय पर चाहे राष्ट्रीय स्तर पर सिंधी भाषा विकास परिषद हो या, प्रदेश की साहित्य अकादमियां, विभिन्न आयोजनों के जरिए देश के सिंधी साहित्यकारों, कलाकारों एवं लेखकों को एक मंच पर जमा करते रहे हैं, लेकिन जब तक सिंधी लिपि को केन्द्र एवं प्रदेश सरकारें रोजगार से जोड़ नहीं देती, तब तक सिंधी लिपि को तुप्त होने से कोई बचा नहीं जा सकता। इसके लिए अनेक बार यह मांग की जाती रही है कि केन्द्र व प्रदेश सरकारों से यह घोषणा करवाई जाए, कि जो भी विद्यार्थी कक्षा 12वीं सिंधी लिपि में उत्तीण करेगा, उसे केन्द्रीय विद्यालयों एवं प्रदेश के सरकारी स्कूलों में सिंधी शिक्षक की नौकरी दी जाएगी, लेकिन इस महती मांग के प्रति चाहे देश के सिंधी सत्ता पक्ष के नेता हों या अन्य संस्थाएं शुरू से ही उदासीन रही है।

51 बच्चों के जनेऊ संस्कार के साथ 4 दिनी महोत्सव भक्तिभाव से संपन्न

संत वासूराम दरबार में हर साल होता है आयोजन

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। संत वासूराम जी सिंधियों के जाने माने संत रहे हैं, जिन्होंने तत्कालीन सिंध प्रदेश में अपने प्रवचनों से हजारों श्रद्धालुओं का प्रभु परमात्मा से साक्षात्कार करवाया। संत हिरदाराम नगर एच वार्ड में भी दशकों पूव्र संत वासुराम दरबार की स्थापना की गई, जहां हर साल मेला लगता है। इस बार भी चार दिवसीय वार्षिक महाउत्सव पल्लव के साथ सम्पन्न हुआ। इस चार दिव्य महा उत्सव में 26 मार्च को 51 बच्चों के जनेउ संस्कार कार्यक्रम सम्पन्न हुआ साथ ही प्रातः काल एवं सायं काल में संतों महात्माओं के भजन कीर्तनों व छेज का आयोजन हुआ। इस अवसर पर दरबार के गदीशीन भाईसाहिब पुरुषोत्तम वासवानी ने बताया कि सिंध पाकिस्तान से संत वासुराम जी का महा उत्सव बडे धूमधाम से मनाया जाता है। प्रतिवर्ष 51 बच्चों के जनेऊ संस्कार होते है। इस अवसर पर नागपुर से पधारे वसणशाह दरबार के प्रमुख सांई कमल कुमार व सांई सन्नी कुमार के सत्संग कार्यक्रम हुए। इसके अलावा पंडित जय शर्मा व पंडित यश

शर्मा ने हवन व जनेऊ संस्कार के कार्यक्रम सम्पन्न करवाए। महाउत्सव में भंडारे का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष माधू चांदवानी, महासचिव नंद दादलानी, कोषाध्यक्ष गुलाब जेठानी व सहकोषाध्यक्ष माधव पारदासानी व उप ब्लाक कांग्रेस के अध्यक्ष घनश्याम लालवानी, नरेन्द्र केवलानी, हरीश साधवानी ने आए हुए संतों महात्माओं का शाल व फूल मालाओं से स्वागत सम्मान कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर संतों महात्माओं ने पंचायत को आशीर्वाद देते हुए कहा कि संत नगर में पंचायत द्वारा समाज हित में अनेक कार्य किए जाते है और पंचायत के लोग दुख सुख में शामिल होते है।

टेम्पल आफ सम्बोधि पर जुटे सैकड़ों श्रद्धालु

कालका मंदिर में हवन एवं कन्या पूजन व भंडारा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। सत हिरदाराम नगर में भी राम नवमी जहां उत्साह एवं परम्परागत ढंग से मनाई गई, वहीं नवरात्रि समाप्ति पर जगह जगह हवन एवं यज्ञ के अलावा भंडारे का आयोजन भी किया गया। मुख्य समारोह वन ट्री हिल्स कालोनी स्थित टेम्पल आफ सम्बोधि पर हुआ जहां वेदांत संत एवं विचारक लाल साईं महाराज के भक्ति गीतों पर सैकड़ों की संख्या में महिला एवं पुरूष श्रद्धालु देर तक झूमते रहे। इससे पूर्व हुए प्रवचनों में संत लाल साईं महाराज ने माता की नौ दिवसीय चैत्र महोत्सव पर विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि जो भी भक्त पूरे समर्पण, निष्ठा एवं सच्चे भाव से माता की शरण में आता है, उनकी भक्ति करता है, उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है। यहां प्रवचनों एवं भक्ति गीतों के बाद सभी ने प्रसादी का आनंद लिया। इस अवसर पर

उपनगर के तमाम गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे।

हवन, यज्ञ एवं कन्या पूजन : इधर हर साल की तरह इस बार भी फाटक रोड नुक्कड़ पर कालका मंदिर में मां काली प्रतिमा के समक्ष सुबह से ही विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन प्रारंभ हुआ। मंदिर संचालन समिति के संयोजक समाज सेवी कमलेश रायचंदानी ने बताया कि यहां सुबह साढ़े दस से 12 बजे तक हवन यज्ञ का आयोजन किया गया, इसके बाद कन्या पूजन हुआ बाद में दोपहर एक बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें उपनगर के तमाम गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए। इस अवसर पर समाज सेवी जगदीश रायचंदानी, सिंधी सेन्ट्रल पंचायत के महासचिव सुरेश जसवानी, गोवर्धनदास टहलरामानी, पंडित दयादास पांडे, पंडित मनोज पांडे, राजकुमार राचंदानी, राकेश अदनानी, जय आसवानी, मुन्ना आडतानी सहित काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूरे उत्सा के साथ धार्मिक आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

सामूहिक विवाह के पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ 29 को

जागरण औबेदुल्लागंज। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर श्री नागर धाकड़ समाज आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति

द्वारा 39वें सामूहिक विवाह सम्मेलन के आयोजन की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। इसी क्रम में वर-वधु पंजीयन कार्यालय का शुभारंभ 29 मार्च, रविवार को किया जाएगा। समिति अध्यक्ष संजीव नागर तामोट ने बताया कि यह आयोजन समाज की एक गौरवशाली परंपरा है, जो वर्षों से निरंतर जारी है पंजीयन प्रारंभ होने के साथ ही इच्छुक परिवार अपने वर-वधु का नाम दर्ज करा सकेंगे। उन्होंने समाजजनों से अधिक से अधिक सहभागिता का आह्वान किया है।

गर्मी में पशु पक्षियों के लिए करें दाने व पानी की व्यवस्था

बच्चों के अलावा अभिभावकों को भी दी गई सलाह

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में कक्षा पहली में प्रवेश लेने वाली छात्राओं के अभिभावकों हेतु स्वागत, परिचय एवं दाना-पानी सत्र का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अभिभावकों को विद्यालय की नियमावली, अपेक्षाओं तथा छात्राओं के शैक्षणिक एवं समग्र विकास से संबंधित गतिविधियों से अवगत कराना था।ड इस अवसर पर शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी के सचिव घनश्याम बूलचंदानी, प्राचार्या अमृता मोटवानी, उपप्राचार्या रेखा केवलानी, विद्यासागर पब्लिक स्कूल की प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी, प्राथमिक विभाग की कोऑर्डिनेटर सुश्री

रीटा आहूजा, कक्षा अध्यापिकाएँ एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे।

पक्षियों को दे दाना पानी : इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष सिद्ध भाऊ ने कहा कि प्रतिदिन पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने जैसी आदतों को बच्चों में संस्कार विकसित करने का सरल एवं प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने समझाया कि बच्चों को डाँटने के स्थान पर स्नेहपूर्वक मार्गदर्शन देना चाहिए, क्योंकि भय के कारण बच्चे असत्य की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं।

SUDOKU 188

1		9		6		3	5	
7				1				8
			5		9	4		
			2	9				
		2				5		
				7	1			
		6	8		7			
2				5				4
	5	7		4		8		9

SOLUTIONS 187

5	4	9	6	1	2	8	3	7
3	8	1	7	9	5	2	4	6
6	7	2	3	4	8	1	9	5
4	1	8	9	7	3	5	6	2
2	6	7	5	8	4	3	1	9
9	5	3	1	2	6	7	8	4
1	3	4	2	6	7	9	5	8
8	2	5	4	3	9	6	7	1
7	9	6	8	5	1	4	2	3

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : समय ठीक ठाक है, लेकिन मन आपका अशांत रहेगा। आपके मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। इसलिए कोशिश करें कि अपने आपको कंट्रोल करें। दांपत्य सुख में वृद्धि होगी।

वृषभ : समय मिलाजुला है, आप आज प्रोफेशनल लाइफ में आपके लिए अच्छा समय है। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ अधिक रहेगी।

मिथुन : कंफ्यूजन की स्थिति बन रही है। आपके आत्मविश्वास में कमी रहेगी, आपको खास तौर पर प्रोफेशनलल्स का सपोर्ट मिलेगा।

कर्क : मन में उतार-चढ़ाव हो सकते हैं। कारोबार में वृद्धि होगी। इस समय आपकी लाइफ में भागदौड़ अधिक रहेगी। लाभ के मौके मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों में मान-सम्मान मिल सकता है।

सिंह : आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न रहेगा। पर्सनल लाइफ में लवर के साथ दिक्कतें आपको परेशान करेंगी। शैक्षिक और बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कन्या : करियर में प्रमोशन पाने के लिए कई जरूरी टास्क मिल सकते हैं। मान सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

तुला : बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। विदेश यात्रा के अवसर भी मिल सकते हैं। वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ेंगे। आज आपको धन की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक : आज किसी भी तरह का रिस्क नहीं लेना है। आपको फिलहाल इस स्थिति से बचना है। पार्टनर के साथ इमोशंस को जाहिर करें, इससे आपको अच्छी फील होगा।

धनु : व्यापार में आर्थिक उन्नति मिल सकती है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। आर्थिक रूप से उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है।

मकर : आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। इस समय बैलेंस बनाकर रखें और लाइफस्टाइल को अच्छा रखें। विवाद में पड़ने से बचें।

कुम्भ : किसी को उधार ना देना है। अपनी पर्सनेल्टी के हिसाब से काम करें और फाइनेंस से जुड़े कामों में खास ध्यान दें।

मीन : आज का दिन आपके लिए भाग्यवृद्धि का रहेगा। आपके कामकाज में तेजी आएगी और कोई पुराना अधूरा काम पूरा हो सकता है। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं।

आज का पंचांग: 28 मार्च शनिवार 2026। **दिशाशूल :** पूर्व दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्योहार :** धर्मराज दशमी। **भद्रा :** रात्रि 08:17 मिनट से 29 मार्च प्रातः 07:47 मिनट तक। विक्रम संवत 2083 शके 1948 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु चैत्र मास शुक्ल पक्ष की दशमी 08 घंटे 47 मिनट तक, तत्पश्चात एकादशी पुष्य नक्षत्र 14 घंटे 51 मिनट तक, तत्पश्चात अश्लेषा नक्षत्र सुकर्मा योग 20 घंटे 40 मिनट तक, तत्पश्चात धृति योग, कर्क में चंद्रमा।

-: आम-सूचना :-

मैं अपने पक्षकार के निर्देशानुसार सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि उन्होने श्रीमति शशि तिवारी पुत्री स्व श्री छगनलाल शर्मा पत्नी श्री मुकेश कुमार तिवारी के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की संपत्ति एक किता आवासीय भूखंड क्रमांक 28, जिसका क्षेत्रफल 1800 वर्ग फीट है जो कि खसरा क्रमांक 93/1, 94 का अंश भाग होकर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जनकल्याण समिति "श्री नगर कॉलोनी" नारियलखेड़ा, ग्राम निशातपुरा, बैरसिया मार्ग, तहसील हुजूर, वार्ड क्रमांक 12, जिला भोपाल (म.प्र.) में स्थित है, जिसकी चतुर्थ सीमायें निम्नानुसार है:-पूर्व में-रोड, पश्चिम में-भूखंड क्रमांक 20, 21, उत्तर में-भूखंड क्रमांक 29, दक्षिण में-भूखंड क्रमांक 27, को क्रय करने हेतु विक्रय अनुबंध पत्र निष्पादित किया है। उक्त संपत्ति श्रीमति शशि तिवारी पुत्री स्व श्री छगनलाल शर्मा पत्नी श्री मुकेश कुमार तिवारी के स्वत्व, स्वामित्व कि पैतृक संपत्ति है जो कि उन्हे वसीयत दिनांक 09.08.2003 एवं नामांतरण (राजस्व) प्रकरण क्रमांक 1892/अ-6/2024-25 दिनांक 22.08.2025 के द्वारा प्राप्त हुई है। यह कि उपरोक्त संपत्ति से संबन्धित रजिस्टर्ड दस्तावेज दिनांक 25.07.1989 ग्रंथ क्रमांक 6192, दस्तावेज क्रमांक 2395 कि मूल प्रति कही गिर कर गुमध्यो गई है। जिस किसी को उक्त मूल दस्तावेज प्राप्त हो कृपया सूचना देवे। उक्त संपत्ति बैंक ऑफ इंडिया शाखा हमीदिया रोड भोपाल के पक्ष में बंधकित रखने हेतु प्रस्तावित है। यदि उक्त सम्पत्ति अथवा उसके किसी भाग पर किसी व्यक्ति, संस्था, राष्ट्रीयकृत बैंक, निजी बैंक का कोई ऋण भार, दान, बंधक, मुख्त्यारनामा आम या अनुबंध हो अथवा उक्त संपत्ति के अंतरण से संबंधित कोई दस्तावेज हो अथवा उक्त दस्तावेज से किसी के कोई हित प्रभावित हों तो वे इस आम सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में दस्तावेजी साक्ष्य सहित मेरे समक्ष निम्न पते पर लिखित में सूचना प्रस्तुत करने का कष्ट करें। अवधि समाप्त हो जाने के पश्चात् कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी एवं मेरा पक्षकार उक्त वर्णित संपत्ति का पंजीयन कराने हेतु स्वतंत्र होगा।

Advocate Ramesh Suryavanshi
Advocate Lokesh Suryavanshi
Add.: F-10, Sanchi Complex, Opposite Board office, Shivaji Nagar, Bhopal (M.P.)
Mob.: 9425118602, 7000382908

जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड

सार्वजनिक सूचना

मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग, भोपाल ने जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड द्वारा दायर सत्यापन याचिका संख्या 133/2025 में पारित आदेश दिनांक 23.03.2026 के माध्यम से वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2x660 मेगावॉट कोयला आधारित जेपी निगरी सुपर थर्मल पावर प्लांट का वार्षिक क्षमता (स्थायी) प्रभार का सत्यापन मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग (उत्पादन टैरिफ के अवधारण संबंधी निबंधन एवं शर्तें) विनियम, 2024 के अनुसार किया है।

उक्त आदेश का संक्षिप्त विवरण नीचे तालिका में दर्शाया गया है:-

(रु. करोड़)

क्र. सं.	विवरण	वित्त वर्ष 2024-25 के लिये एमवाईटी आदेश दिनांक 28.02.2025 में अवधारित क्षमता प्रभार	वित्त वर्ष 2024-25 के लिये सत्यापन आदेश दिनांक 23.03.2026 में अवधारित क्षमता प्रभार	कमी/अधिशेष राशि
		अ	ब	ब-अ
1	पूंजी पर प्रतिलाभ	372.72	451.94	79.22
2	अवमूल्यन/अवक्षयण	545.94	545.15	(0.79)
3	ऋण पूंजी पर ब्याज	301.36	301.84	0.48
4	प्रचालन एवं संधारण व्यय	362.06	361.15	(0.91)
5	कार्यकारी पूंजी पर ब्याज	54.46	55.64	1.18
6	**कुल वार्षिक क्षमता (स्थायी) प्रभार**	**1636.55**	**1715.72**	**79.17**
7	कमः गैर टैरिफ आय	3.84	0.69	(3.15)
8	**शुद्ध वार्षिक क्षमता (स्थायी) प्रभार**	**1632.71**	**1715.03**	**82.32**
9	**शुद्ध वार्षिक स्थायी प्रभार (स्थापित क्षमता के 30% के लिए)**	**489.81**	**514.51**	**24.70**

- आदेश की कंडिका 238 के अनुसार माननीय आयोग ने वित वर्ष 2024-25 में नियंत्रणीय कारकों के वास्तविक निष्पादन से अर्जित किये गये लाभ का 50 प्रतिशत सहभाजन मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कम्पनी लिमिटेड के साथ लागू विनियम के अनुसार करने हेतु निर्देशित किया है।
- माननीय आयोग ने देय पट्टे/भाड़े की वसूली उक्त विनियम के विनियम 66.2 के अनुसार करने की अनुमति प्रदान की है।
- उपरोक्त के अतिरिक्त, माननीय आयोग ने अपने उक्त आदेश दिनांक 23.03.2026 के कंडिका 217 से 221 में, लागू विनियमों के अनुसार अन्य शुल्कों को वास्तविक आधार पर वसूल करने की स्वीकृति दी है।
- इस आदेश के परिणामस्वरूप कमी/अधिशेष राशि की वसूली/वापसी लागू विनियमों के अनुसार मध्यप्रदेश पावर मेनेजमेंट कंपनी से/को की जाएगी।
- **विस्तृत आदेश माननीय आयोग की वेबसाइट www.mperc.in पर उपलब्ध है।**

कृते जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड
अध्यक्ष

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

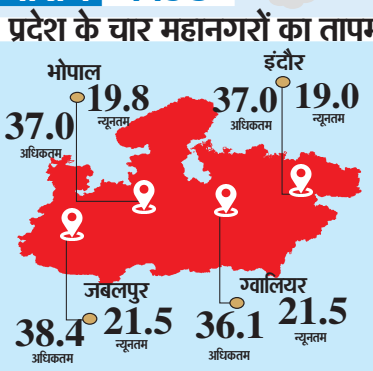

देश के चार महानगरों का तापमान

दिल्ली		मुंबई	
32.6 अधिकतम	20.6 न्यूनतम	37.1 अधिकतम	24.7 न्यूनतम
चेन्नई		**कोलकाता**	
37.8 अधिकतम	20.4 न्यूनतम	34.7 अधिकतम	25.8 न्यूनतम

सूर्यास्त 6:34 PM
सूर्योदय 6:18 AM
चन्द्रोदय 1:13 AM
चन्द्रास्त 2:20 PM

बारिश के कारण रिकॉर्ड बनने से रह गया चित्रकूट का गौरव

कुदरत ने बिगाड़ा आस्था का गणित, वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने 21 लाख दीपों से सजना था रामघाट, भर गया पानी

जागरण, चित्रकूट/सतना। धार्मिक नगरी चित्रकूट के लिए शुक्रवार का दिन किसी उत्सव से कम नहीं था। दरअसल रामनवमी के अवसर पर चित्रकूट का 'गौरव दिवस' मनाया जाना था, इसके लिए पूरे शहर को एक दुल्हन की तरह सजाया गया था, लेकिन शाम ढलते ही मौसम के बदले मिजाज और अचानक हुई तेज बारिश ने प्रशासन की तैयारियों और श्रद्धालुओं के अरमानों पर पानी फेर दिया। रामनवमी पर जिस चित्रकूट को दीपावली जैसा स्वरूप देने की तैयारी थी, वहां बारिश के बाद अंधेरा और कीचड़ पसर गया। प्रशासन के अनुसार आयोजन की तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। लक्ष्य था मां मंदाकिनी के तटों को 21 लाख से अधिक दीपों की रोशनी से सराबोर करना। पवित्र भरत घाट पर भव्य गंगा आरती और श्री राम प्राकट्य पर्व की गूंज सुनाई देने वाली थी। चित्रकूट की सड़कों को साफ कर बिजली से रोशन किया गया था। प्रमुख मंदिरों में की गई आकर्षक सजावट भक्तों का मन मोह रही थी। घाटों की सीढ़ियों पर कतारबद्ध तरीके से दीये सजा दिए गए थे और उनमें तेल भी डाल दिया गया था।

सीएम का दौरा निरस्त और मौसम का बदला रुख

जैसे-जैसे शाम और आयोजन की घड़ियां नजदीक आई, दो बड़ी बाधाएं सामने आकर खड़ी हो गईं। पहले आधिकारिक सूचना मिली कि मुख्यमंत्री का चित्रकूट दौरा अपरिहार्य कारणों से निरस्त कर दिया गया है। इस खबर से प्रशासनिक हलकों में मायूसी छाई ही थी कि अचानक आसमान में काले बादलों ने डेरा डाल लिया। देखते ही देखते ठंडी हवाएं चलने लगीं और पहले बूंदाबांदी, फिर बारिश शुरू हो गई।

उत्सव के लिए काल बनी बारिश और पानी में बहा 'तेल'

यह बारिश उत्सव के लिए काल बन गई। सड़क किनारे और घाटों पर सजाए गए लाखों दीयों में डाला गया तेल पानी के साथ मिलकर बर्बाद हो गया। तेल और पानी के मिश्रण की वजह से दीयों की बाती को जलाना नामुमकिन सा हो गया। हालांकि श्रद्धालुओं और स्वयंसेवकों ने हार नहीं मानी। तेज बारिश के बीच भी लोग दीयों को बचाने की कोशिश करते दिखे, लेकिन कुदरत के आगे सब बेबस थे। जो गिने-चुने दीये जल पाए, उनके लिए प्रशासन और स्थानीय लोगों को भारी मशक्कत करनी पड़ी।

सपना अधूरा रहने से हर व्यक्ति आहत: हालांकि, राम भक्तों का कहना है कि यह प्रभु की लीला है, लेकिन महीनों की मेहनत और लाखों रुपयों का तेल पानी में बह जाने से हर कोई आहत दिखा। गौरव दिवस की वह भव्यता, जिसकी कल्पना की गई थी, बारिश की बूंदों में कहीं खो गई।

करोड़ों से बनी 30 फीट की पानी की टंकी उद्घाटन से पहले ही जमींदोज

जागरण, मऊगंज। जिले से भ्रष्टाचार की एक ऐसी कहानी सामने आई है, जिसे सुनकर हर कोई दंग है। जल जीवन मिशन के तहत करोड़ों की लागत से बनी 30 फीट ऊंची पानी की टंकी उद्घाटन से पहले ही मिट्टी के ढेर में तब्दील हो गई। विधानसभा में इस काम को कागजों पर 'पूरा' बता दिया था, लेकिन जैसे ही इस टंकी ने पहली बार पानी का बोझ सहा, भ्रष्टाचार की नींव डगमगा गई और पूरी टंकी भरभरा कर गिर गई। मामला मऊगंज जिले की जनपद पंचायत नईगढ़ी की ग्राम पंचायत खटखरी का है। 30 फीट ऊंची टंकी भ्रष्टाचार की ऐसी भेंट चढ़ी कि उद्घाटन से पहले ही जमींदोज हो गई। टंकी के ठीक बगल में एक जेसीबी चालक सो रहा था, जो बाल-बाल बच गया। सरपंच सुरेश कुमार जायसवाल की मानें तो टंकी में लीकेज था, जिसे सुधारने के बाद टेस्टिंग के लिए पानी भरा गया था, लेकिन ठेकेदार और इंजीनियरों की मिलीभगत से 30 फीट ऊंचे ढांचे को खड़ा करने महज 8 एमएम के पतले सरिए इस्तेमाल किए।

15 लाख के अवैध पत्थर से भरे दो ट्रैक्टर पकड़े

जागरण, मुरैना। जिले में सिविल लाइन पुलिस ने देर रात अवैध पत्थर के ब्लॉक से भरी दो ट्रैक्टर ट्रॉलियों को पकड़ने में सफलता हासिल की। पुलिस ने पीछा करने पर दोनों ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर से कूदकर फरार हो गए। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्रॉलियों को जब्त कर थाने ले जाकर पत्थर चोरी और खनिज अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया और खनिज विभाग को सूचित किया। रात के समय सिविल लाइन पुलिस गश्त कर रही थी, इसी दौरान सुआलाल का पुरा रोड से दो नीले रंग के सोनालिका ट्रैक्टर और ट्रॉली पकड़े गए। ट्रैक्टर ट्रॉली में भरे पत्थर की कीमत लगभग 15 लाख बताई गई है।

डिंडौरी में वाहन पलटने से दर्जनभर लोग घायल

जागरण, डिंडौरी। जिले के अमरपुर चौकी अंतर्गत ग्राम देवरी चौरा रैयत में शुक्रवार दोपहर सवारियों से भरा एक मालवाहक वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में करीब आधा दर्जन लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरपुर में भर्ती कराया है। मालवाहक से व्यापारी सहित अन्य लोग जनपद समनापुर मुख्यालय के साप्ताहिक हाट बाजार जा रहे थे। दोपहर 12 बजे के करीब ग्राम चौरा रैयत में मालवाहक पलट गया, जिससे उसमें सवार व्यापारियों सहित एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। चौकी प्रभारी अतुल हरदहा ने बताया कि कुछ लोगों को मामूली चोट थी, जो मौके से चले गए थे। हादसे में घायल छह लोगों को अमरपुर अस्पताल लाया गया है। एक महिला की हालत गंभीर हैं। सूचना पर अमरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच में जुट गई हैं।

प्रदेश में किसानों को रुला रही आग, गर्मी बढ़ते ही कई जिलों में सुलगी फसलें

नरसिंहपुर में 100 एकड़ गेहूं की फसल जली 1 किलोमीटर के दायरे में लाखों का नुकसान

जागरण, नरसिंहपुर। जिले के सालीचौका क्षेत्र में शुक्रवार को दोपहर फसलों में लगी आग से भारी तबाही मच गई। पनागर के पास आडेगांव मौजा के खेतों में लगी इस भीषण आगे देखते ही देखते विकराल हो गई। आगजनी में आडेगांव, सहावन और पनागर गांव के किसानों की लगभग 100 एकड़ गेहूं की खड़ी फसल जलकर राख हो गई, जिससे किसानों को लाखों का नुकसान हुआ है। तेज हवा के कारण आग करीब एक किलोमीटर के दायरे में फैल गई और तेजी से एक खेत से दूसरे खेत तक पहुंचती रही। आग की लपटें इतनी ऊंची थीं कि आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। आग की खबर मिलते ही नगर परिषद की फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। साथ ही, बड़ी संख्या में स्थानीय किसान भी एकजुट हो गए और अपने स्तर पर आग बुझाने में जुट गए। कड़ी मशक्कत और जद्दोजहद के बाद शाम 4 बजे आखिरकार आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी थी।

विदिशा : पहले फसल की आग के फोटो-वीडियो भेजो, फिर भेजेंगे दमकल

नटेरन तहसील के घटबाई में 33 केवी लाइन के टूटे इंसुलेटर से निकली चिंगारी ने ऋतिक बघेल और उन जैसे कई किसानों की 10-10 बीघा खड़ी फसल को जला डाला। कर्मचारियों ने दमकल भेजने के बजाय शर्त रख दी कि पहले फोटो-वीडियो भेजो कि आग नरवाई में है या फसल में तभी गाड़ी आएगी। इस संवेदनहीनता के कारण आग विकराल हो गई और किसानों को खुद ही जान जोखिम में डालकर आग पर काबू पाना पड़ा। अनदेखी से नाराज किसानों ने चक्काजाम कर दिया। करीब ढाई घंटे तक आवागमन पूरी तरह ठप रहा। तहसीलदार आनंद जैन और मोहर सिंह मंडलिया की समझाइश का किसानों पर असर नहीं हुआ वे कलेक्टर को बुलाने की मांग पर अड़े रहे। बाद में एसडीएम अजय प्रताप सिंह और बिजली कंपनी के अफसर मौके पर पहुंचे और किसानों का गुस्सा शांत कराया।

इटारसी : पांच एकड़ फसल जलकर राख

पुरानी इटारसी क्षेत्र में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास स्थित सतीश पटेल के खेत में खड़ी गेहूं की फसल में अचानक आग लग गई। इस आगजनी में लगभग 5 एकड़ फसल जलकर स्वाहा हो गई, जिससे किसान को करीब 2 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। गर्मी और हवा के कारण आग ने तेजी से खड़ी फसल को अपनी चपेट में ले लिया। दमकल कर्मियों ने जब तक आग पर काबू पाया तब के करीब 5 एकड़ फसल राख हो चुकी थी।

ब्यावरा : तीन खेतों में फैली नरवाई की आग

राजगढ़ कोतवाली थाना क्षेत्र के बड़खेड़ा गांव में कटी फसल के बाद बचे अवशेष (नरवाई) में आग लग गई। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलकर पास के दूसरे और तीसरे खेत तक पहुंच गई। खेतों से उठती लपटें देख ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई और डायल 112 पर सूचना दी। हालांकि, दमकलों के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने खुद आग पर काबू पा लिया था।

सागर : आग से दो एकड़ में खड़ी फसल राख

ग्राम हफसिली मोकलपुर में सुबह किसान बबलू प्रसाद दुबे के खेत में लगी आग से करीब 2 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल राख हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पूरे खेत को अपनी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों और किसानों ने आसपास के कुओं में लगे मोटर पंपों के जरिए पानी डालकर घंटों मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

फार्म हाउस जुआकांड हाईकोर्ट पहुंचा, टीआई का दावा-सच लिखा इसलिए किया सस्पेंड

जागरण, इंदौर। प्रदेश के मानपुर फार्म हाउस जुआकांड हाईकोर्ट की दहलीज तक पहुंच गया है। आईएएस वंदना वैद्य के फार्म हाउस पर जुआ पकड़े जाने के मामले में सस्पेंड किए गए टीआई लोकेंद्र सिंह हिहोरे ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में उल्लेख किया है कि उन्होंने एफआईआर में सही जगह और सही नाम लिखने से इनकार किया, इसलिए उन्हें सस्पेंड कर दिया। टीआई ने याचिका में साफ कहा है कि घटना के बाद उन पर लगातार दबाव बनाया कि फार्महाउस का नाम एफआईआर से हटाया जाए और स्थान बदल दिया जाए, लेकिन उन्होंने नियम अनुसार कार्रवाई की और सही तथ्य दर्ज किये। इसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू हुई और सस्पेंड कर दिया। गुरुवार को हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई, जिसमें शासन की तरफ से जवाब पेश किया। कोर्ट ने प्रमुख सचिव गृह विभाग, डीजीपी, आईजी ग्रामीण, एसपी ग्रामीण, एडिशनल एसपी और एसडीओपी को पक्षकार बनाते हुए जवाब तलब किया है। अब इस मामले में अगली सुनवाई 1 अप्रैल को होगी। याचिका में टीआई हिहोरे ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ की गई कार्रवाई पूरी तरह से प्रभाव में आकर की गई है और यह प्रशासनिक शक्तियों का दुरुपयोग है।

अवकाश पर रही महिला एएसआई को भी किया सस्पेंड

एफआईआर में बदलाव नहीं करने की वजह से कार्रवाई : टीआई ने लिखा, एफआईआर में बदलाव नहीं करने की वजह से उन्हें सस्पेंड किया और बाद में मामले की जांच भी ऐसे अधिकारी को दे दी जो उनके वरिष्ठों के अधीन काम करते हैं। टीआई ने यह भी सवाल उठाया कि एएसआई रेशम गिरवाल को भी सस्पेंड कर दिया, जबकि वे 21 फरवरी से बीमारी के कारण छुट्टी पर थीं और घटना के समय ड्यूटी पर मौजूद ही नहीं थीं। उन्होंने इसे बिना जांच और बिना विवेक के लिया गया फैसला बताया। याचिका में यह भी कहा कि जुआ पकड़ने की कार्रवाई के समय उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि फार्महाउस आईएएस वंदना वैद्य का है, जब यह बात सामने आई तो उन पर फोन और मैसेज के जरिए दबाव बनाया लेकिन उन्होंने झुकने से इनकार कर दिया। अब मामले में अगली सुनवाई 1 अप्रैल को होगी।

बुलडोजर लेकर घर बसाने पहुंचा दूल्हा, लोहे के पंजे में आई दुल्हन

जागरण, आलीराजपुर। आमतौर पर बुलडोजर जेसीबी को बसी-बसाई बस्तियों को उजाड़ने के हथियार के रूप में देखा जाता है, लेकिन बुलडोजर घर बसाने में भी काम आ सकता है। आलीराजपुर में जब बुलडोजर किसी का घर बसाने के लिए निकला तो आते-जाते लोग खुद ब खुद रुक गए। साथ ही रुककर उस पल का वीडियो भी बनाते रहे। असल में इस सजे-धजे बुलडोजर में बैठकर एक दूल्हा अपनी दुल्हन को लेकर जा रहा था। दूल्हे के साथ उसके भाई-भतीजे भी बैठे थे। किसी फिल्मी सीन की तरह बुलडोजर पर यह अनोखी बारात आलीराजपुर जिले के उमराली गांव में निकली। दूल्हा सचिन पिता नवल कनेश अपनी दुल्हन को लेने जाने के लिए घोड़े या लग्जरी कार की बजाय बुलडोजर (जेसीबी) पर को चुना था। बुलडोजर के पीछे की ट्राली लोहे के पंजे पर बढ़िया गद्दी लगाई गई थी। ऊपर बड़ी सी रंगीन छतरी भी लगी थी। सजे-धजे लोहे के पंजे में पहले दूल्हा अपने परिजनों के साथ बैठा था। घोघलपुर से उमराली पहुंची इस बारात में डीजे की धुन पर बाराती झूमते-नाचते नजर आए। जैसे ही यह अनोखी बारात उमराली गांव की सड़कों से गुजरी, लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हर कोई इस अलग अंदाज को अपने मोबाइल में कैद करने में जुट गया।

अनोखी बारात देखने उमड़े लोग, बनाते रहे वीडियो

मंदसौर में खेत से लौट रहे बुजुर्ग की पत्थरों से कुचलकर हत्या

जागरण, मंदसौर। जिले के सीतामऊ थाना क्षेत्र अंतर्गत साखतली गांव में शुक्रवार को खेत से घर लौट रहे एक बुजुर्ग की पत्थरों से कुचलकर निर्मम हत्या कर दी गई। बुजुर्ग साइकिल से अपने खेत से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सुनसान इलाके में पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन्हें रोका और पत्थरों से सिर कुचलकर मौत के घाट उतार दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। उनकी पहचान नहीं हो सकी है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक विशेषज्ञ तथा डॉग स्क्वॉड की मदद से साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में सर्चिंग अभियान भी चला रही है। सीतामऊ पुलिस का कहना है कि हत्या के पीछे के कारणों की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों का पता लगाकर मामले का खुलासा किया जाएगा। प्रारंभिक जांच में जमीन का विवाद सामने आया है।

जमीन विवाद माना जा रहा वजह

बिल नहीं भर रहा था पति, दूध पिलाकर बेटी के मुंह-नाक में रुई ठूंस पत्नी ने लगाई फांसी

गुना में सामने आई दर्दनाक घटना

जागरण, गुना। बिजली के भारी भरकम बिल के कारण अंधेरे में दिन काट रहे परिवार में आए दिन के विवादों के बीच एक महिला ने भयानक कदम उठाते हुए अपनी जीवनलीला खत्म कर ली। वहीं अपनी 10 माह की बेटी का जीवन भी दांव पर लगा दिया। तंगहाली और तानों से परेशान होकर महिला ने अपनी 10 माह की मासूम के मुंह और नाक में रुई कॉटन ठूंस दी। फिर खुद जाकर फांसी के फंदे पर झूल गई। बच्ची का गंभीर हालत में अस्पताल में इलाज चल रहा है। दिल दहला देने वाला यह मामला गुना के नानाखेड़ी गांव में सामने आया है। यह निवासी कीर्ति कुशवाह पत्नी नीतेश (26) ने फांसी लगाकर जान दे दी। यह कदम उठाने के पहले उसने अपनी 10 महीने की बच्ची के मुंह और नाक में रुई ठूंस दी। सांस रुकने से मासूम काफी देर तक तड़पती रही। इस दौरान कमरे में कोई नहीं था। लौटने पर पति और परिवारजनों ने उसे पड़ोसियों की मदद से फंदे से उतारा। गनीमत रही कि तब तक बच्ची की सांसें चल रही थी। उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। महिला के इस कदम के पीछे बिजली बिल को कारण बताया जा रहा है, लेकिन महिला के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर प्रताड़ना के आरोप लगाए हैं।

बिजली बिल को लेकर होता था विवाद : बताया जाता है कि महिला के परिवार पर करीब 1 लाख रुपए का बिजली बिल बकाया था। हर महीने लगभग 10 हजार रुपए जमा किए जाते थे, लेकिन पिछले महीने भुगतान नहीं हो सका, जिससे बिजली काट दी गई थी। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। आस पड़ोस के लोग भी ताने मारते थे। कीर्ति ने अपने पति से बिजली बिल जमा कराने को कहा था, क्योंकि घर में पंखा और कूलर नहीं चल पा रहे थे। इसी बात पर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। पति ने मायके वालों से भी महिला को समझाने को कहा था।

बिजनेस प्लस

अहमदाबाद मंडल ने निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता की आयोजित

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने गुजरात दौरे के दौरान 31 मार्च को राज्य में रेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने के लिए लगभग 891 करोड़ की महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं का लोकार्पण एवं राष्ट्र को समर्पण करेंगे। इन परियोजनाओं में खेडब्रह्मा-हिम्मतनगर रेल लाइन का लोकार्पण, खेडब्रह्मा-हिम्मतनगर-अहमदाबाद (असारवा) नई रेल सेवा का शुभारंभ, गांधीधाम-आदीपुर रेल लाइन के मल्टी-ट्रैकिंग कार्य तथा कानालुस-जामनगर रेल लाइन के दोहरीकरण शामिल है। ये परियोजनाएं उत्तर गुजरात, सौराष्ट्र एवं कच्छ क्षेत्रों को सुदृढ़ रेल कनेक्टिविटी प्रदान करते हुए राज्य के समग्र विकास को नई गति देंगी। उक्त महत्वपूर्ण अवसर के उपलक्ष्य में अहमदाबाद मंडल के कार्मिक विभाग ने वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी सिद्धार्थ के नेतृत्व में रेल की नई सुविधाओं का जीवन में महत्व विषय पर निबंध लेखन एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन शुक्रवार को गांधीधाम, इडर एवं खेडब्रह्मा स्टेशनों पर किया। इस प्रतियोगिता में तीनों स्थानों पर कुल 625 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताएं खेडब्रह्मा स्थित अर्रडेक्का इंस्टीट्यूट, इडर स्थित सर प्रताप हाई स्कूल तथा गांधीधाम स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में हुईं। चयनित विजेता विद्यार्थियों को 31 मार्च को समारोह के दौरान सम्मानित किया जाएगा। मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद वेद प्रकाश ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से न केवल रेल परियोजनाओं के प्रति जन-जागरुकता बढ़ाई जा रही है, बल्कि युवा पीढ़ी को देश के विकास में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित भी किया जा रहा है।

रामनवमी पर्व के साथ मनाया स्वामी रामदेव का 32वां संन्यास दिवस

हरिद्वार। पतंजलि वेलनेस, पतंजलि योगपीठ-2 स्थित बृहद् सभागार योगभवन में रामनवमी पर पतंजलि योगपीठ के परमाध्यक्ष स्वामी रामदेव जी महाराज का 32वाँ संन्यास दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने कहा कि आज हम तीन-तीन पर्व एक साथ मना रहे हैं। आज राम नवमी भी है, नवरात्रि की पूर्णता भी है और पतंजलि का यशस्वी संन्यास दिवस भी है। कार्यक्रम में स्वामी जी ने कहा कि हम सभी अपने जीवन में राम के रामत्व की, कृष्ण के कृष्णत्व की, शिव के शिवत्व की, आत्म तत्व की, हिंदुत्व की, वेद तत्व की, सनातन तत्व की व दैवीय संपद की प्रतिष्ठा करें। उन्होंने कहा कि जिसके जीवन में दैवी संपद नहीं है वो हिंदू सनातनी और राम-कृष्ण का वंशधर नहीं है। वो ऋषि ऋषिकाओं की संतान नहीं है। कार्यक्रम में भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष एनपी सिंह ने कहा कि यदि श्री राम धर्म के विग्रह हैं तो पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज 21वीं सदी में श्री राम के साक्षात विग्रह हैं।

महावीर के जयकारों से शुरू हुआ आठ दिवसीय लक्खी मेला

जयपुर। पूरे विश्व को जीओ और जीने दो का दिव्य संदेश देने वाले, विश्व वन्दनीय जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर का 2625 वां जन्म कल्याणक महोत्सव सोमवार, 30 मार्च को विश्वभर में धूमधाम से मनाया जाएगा। इसी कड़ी में भगवान महावीर की परम दिगम्बर मूंगावर्णी अतिशय युक्त प्रतिमा के उद्भव स्थल, भारत का पावन पवित्र तीर्थ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में शुक्रवार से आठ दिवसीय विश्व प्रसिद्ध लक्खी मेला शुरू हो गया है। यह मेला 3 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान पूरे विश्व से लाखों जैन- अजैन श्रद्धालु भगवान महावीर के चरणों में चरण वन्दन करने इस मेले में सहभागिता निभाएंगे। दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं मंत्री उमरावमल संघी ने भट्टारक जी की नसिया में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए बताया कि प्रबंधक नेमी कुमार पाटनी ने मुख्य द्वार पर झण्डारोहण कर आठ दिवसीय मेले का आगाज किया। 28 मार्च एवं रविवार 29 मार्च को पूजन,भजन, सामूहिक आरती व शास्त्र प्रवचन होंगे। संयुक्त मंत्री अनिल दीवान एवं कोषाध्यक्ष एडवोकेट हेमन्त सोगानी ने बताया कि सोमवार, 30 मार्च को महावीर जयंती समारोह धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसमें प्रातः कटला प्रांगण से प्रभातेरी निकलेगी। कटला प्रांगण में झण्डारोहण के बाद जल यात्रा निकाली जायेगी। तत्पश्चात स्कूल में मोदक वितरण, अस्पताल में मरीजों को तथा हिण्डौन जेल में कैदियों को फल वितरण किये जाएंगे।

बीजेपी का झंडा लगाकर लग्जरी गाड़ी से हो रही थी शराब तस्करी

जागरण, दतिया। प्रदेश की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के झंडे का रौब दिखाकर शराब तस्करी का मामला सामने आया है। एक स्कॉर्पियो में पार्टी के झंडे की आड़ में बेखौफ तस्करी की जा रही थी, लेकिन झंडे के झांसे में नहीं आई पुलिस के सामने से ही स्कॉर्पियो ड्रायवर फरार हो गया। पुलिस ने जब गाड़ी खोलकर देखी तो उसमें शराब की एक-दो नहीं, बल्कि पूरी 58 पेटियां भरी हुईं थीं। चौंकाने वाला यह मामला दतिया जिले का है। यहां गुरूवार देर रात एक स्कॉर्पियो वाहन पर बीजेपी का झंडा लगाकर तस्करों द्वारा बेखौफ तरीके से शराब की खेप भेजी जा रही थी। तस्कर ने पुलिस पर दबाव बनाने के लिए जानबूझकर भाजपा का झंडा लगाया था, लेकिन उसका यह तरीका कामयाब नहीं हो सका। पुलिस की सतर्कता और सख्ती देखकर ड्रायवर कार्रवाई के दौरान गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। बताया जाता है कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दबोह की ओर से एक सफेद स्कॉर्पियो में भारी मात्रा में अवैध शराब लाई जा रही है। सूचना पुलिस ने सालोन तिराहा पर तगड़ी घेराबंदी कर दी। इसी दौरान संदिग्ध स्कॉर्पियो वहां पहुंची, जिसे रोकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने नाकाबंदी तोड़ तेज रफ्तार से भाग निकला। मौके पर तैनात पुलिस टीम उसके पीछे लग गई। काफी दूर भागने के बाद बरका तिराहा, हसनपुर रोड के पास अंधेरे का फायदा उठाते हुए ड्रायवर गाड़ी छोड़कर खेतों की ओर भाग गया। वाहन की तलाशी लेने पर ड्राइवर सीट के पीछे पुलिस को देसी प्लेन शराब की बरामद हुई। पुलिस ने वाहन सहित कुल 8 लाख 32 हजार रुपये कीमत का मशरूका जब्त किया है। पुलिस ने फरार आरोपी चालक के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की पहचान कर जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

ड्रायवर भागा, देशी शराब की 58 पेटियां जब्त

बाजार पर नजर

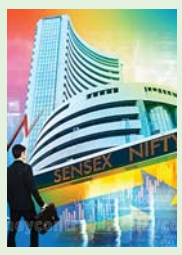

शेयर बाजार में आज

1690

73,583

Nifty 50 Top Gainers

Scrip	High	%Gain
Bharat Elec	456.70	2.08%
Hindalco	945.40	1.65%
ONGC	293.00	0.89%
Sun Pharma	1759	0.89%
Dr Reddys Labs	13000	0.63%

Nifty 50 Top Losers

Scrip	Close	%Loss
Interglobe Avi	4,500.00	6.36%
Larsen	3,975.40	4.95%
Adani Ports	1,430.00	-3.33%
Maruti Suzuki	14,204.00	-3.16%
TMPV	355.50	-3.15%

फोरेक्स रेट

मुद्रा	बिक्री
डॉलर	91.4700
यूरो	107.33
येन	0.5828
पौंड	122.32

शेयर बाजार में हाहाकार: सेंसेक्स 1700 अंक टूटा, निवेशकों के 9 लाख करोड़ डूबे

नई दिल्ली, जेएनएन। दो दिनों की तेजी के बाद शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स 1,690 अंक यानी 2.25 फीसदी गिरकर 73,583 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 486 अंक यानी 2.09 फीसदी टूटकर 22,819 पर आ गया। इस गिरावट से निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। बीएसई का कुल मार्केट कैप 431 लाख करोड़ रुपये से घटकर 422 लाख करोड़ रुपये रह गया, यानी करीब 9 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो गया। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में फिलहाल अस्थिरता बनी रह सकती है। वैश्विक तनाव, तेल की कीमतें और रुपये की चाल आने वाले दिनों में बाजार की दिशा तय करेंगी।

इस बार गिरावट सिर्फ छोटे शेयरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि दिग्गज कंपनियों के शेयर भी टूट गए।

बीएसई के टॉप-30 में सिर्फ एयरटेल, टीसीएस और पावरग्रिड को छोड़कर बाकी 27 शेयर लाल निशान में बंद हुए। मिड और स्मॉल कैप शेयरों में भी गिरावट देखने को मिली।

इंडिया व्हीआईएक्स करीब 9 फीसदी बढ़कर 28 पर पहुंच गया है, जो बाजार में बढ़ती अनिश्चितता और डर को दर्शाता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार में फिलहाल अस्थिरता बनी रह सकती है। वैश्विक तनाव, तेल की कीमतें और रुपये की चाल आने वाले दिनों में बाजार की दिशा तय करेंगी।

शेयर बाजार की यह गिरावट सिर्फ एक दिन की हलचल नहीं, बल्कि वैश्विक संकट और आर्थिक दबावों का असर है। निवेशकों के लिए यह समय सतर्क रहने और सोच-समझकर फैसले लेने का है। हालांकि बाजार अपनी चाल को अगले एक दो हफ्तों में स्थिर कर सकता है।

मुनाफावसूली: पिछले दो सत्रों में बाजार में करीब 3.5 फीसदी की तेजी आई थी। इसके बाद निवेशकों ने मुनाफावसूली शुरू कर दी, जिससे बाजार पर दबाव बढ़ गया।

जियो-पॉलिटिकल तनाव: ईरान-अमेरिका के बीच तनाव कम होने के संकेत नहीं मिल रहे हैं। हालांकि अमेरिका ने हमले पर अस्थायी रोक की बात कही है, फिर भी बाजार इस अनिश्चितता को नकारात्मक रूप में ले रहा है। इसका असर वैश्विक बाजारों पर भी पड़ा है।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल: कच्चा तेल 109 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर पहुंच गया है। इससे भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर दबाव बढ़ता है, जिसका सीधा असर शेयर बाजार पर पड़ता है।

रुपये में कमजोरी: भारतीय रुपया 94 प्रति डॉलर के पार पहुंच गया, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। इससे विदेशी निवेशकों की चिंता बढ़ी और बाजार में बिकवाली तेज हुई।

गिरावट के 4 बड़े कारण

बड़े शेयरों में भी भारी गिरावट

छोटे शेयरों के अलावा दिग्गज कंपनियों के शेयर भी टूटे।

- रिलायंस 4.60 फीसदी गिरकर 1347 रुपए पर
- इंडिगो, बजाज फाइनेंस, एसबीआई में 4 फीसदी तक गिरावट
- एचडीएफसी बैंक और अन्य बैंकिंग शेयरों में भी दबाव

सोना 3,263 और चांदी 13 हजार रुपये सस्ती

28 दिन में सोने में 16 हजार रुपये

चांदी में 45 हजार रुपये की गिरावट

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के असर से सर्राफा बाजार में लगातार गिरावट देखी जा रही है। शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी कमी दर्ज की गई है। 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 3,263 घटकर 1.43 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले यह 1.46 लाख के स्तर पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 13,167 गिरकर 2.22 लाख रुपए पर पहुंच गई है, जो हाल ही में 2.35 लाख प्रति किलो थी। पिछले 28 दिनों में सोना 16,155 रुपए तक सस्ता हो चुका है, जबकि चांदी में 45,053 रुपए की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

ऑल टाइम हाई से 33 हजार नीचे सोना

इस साल की शुरुआत में सोने में जबरदस्त तेजी आई थी, लेकिन अब इसमें गिरावट का दौर जारी है।

31 दिसंबर 2025: 1.33 लाख रुपये

29 जनवरी 2026 (ऑल टाइम हाई): 1.76 लाख रुपये

मौजूदा कीमत: 1.43 लाख रुपये यानी सोना अपने उच्चतम स्तर से करीब 33 हजार सस्ता हो चुका है।

चांदी में बड़ी गिरावट

चांदी में सोने के मुकाबले ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है।

31 दिसंबर 2025: 2.30 लाख रुपये

29 जनवरी 2026 (ऑल टाइम हाई): 3.86 लाख रुपये

मौजूदा कीमत: 2.22 लाख रुपये पिछले 57 दिनों में चांदी 1.64 लाख तक सस्ती हो चुकी है, जो एक बड़ा क्रैश माना जा रहा है।

अलग-अलग शहरों में दाम भी अलग

सोने के दाम हर शहर में अलग-अलग होते हैं, इसके पीछे कई कारण हैं।

- **ट्रांसपोर्टेशन और सुरक्षा खर्च:** आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर लागत बढ़ती है।
- **खपत का स्तर:** दक्षिण भारत जैसे क्षेत्रों में ज्यादा मांग होने से कीमतों में फर्क पड़ता है।
- **स्थानीय ज्वेलरी एसोसिएशन:** हर शहर का अपना रेट निर्धारण तंत्र होता है।
- **पुराना स्टॉक:** ज्वेलर्स के पास पुराने सस्ते स्टॉक होने पर वे कम दाम पर बेच सकते हैं।

रुपया 94.7 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर

14 साल की सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.7 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध और ऊर्जा आपूर्ति में बाधाओं के चलते रुपए पर दबाव बढ़ा है। यह गिरावट सिर्फ एक दिन की नहीं, बल्कि पूरे वित्त वर्ष की बड़ी आर्थिक कहानी बन गई है। वित्त वर्ष 2025-26 में रुपया डॉलर के मुकाबले 10 फीसदी से ज्यादा टूट चुका है, जो पिछले 14 वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले 2011-12 में यूरोजोन संकट के दौरान रुपए में करीब 14 फीसदी की गिरावट आई थी। पिछले एक महीने में ही रुपया करीब 4 फीसदी कमजोर हुआ है, जो बाजार में बढ़ती अस्थिरता को दिखाता है। अगर ईरान से जुड़ा युद्ध लंबा खिंचता है, तो रुपया 98 के स्तर तक भी जा सकता है।

गिरावट के पीछे कारण

- मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष को हाल के दशकों का सबसे गंभीर ऊर्जा संकट माना जा रहा है।
- इसका असर सीधे भारत जैसी आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। कच्चे तेल की कीमतें बढ़ीं हैं, इससे भारत का इम्पोर्ट बिल बढ़ गया है।
- सप्लाई चेन प्रभावित होने से एलपीजी, प्लास्टिक और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की उपलब्धता पर असर पड़ा है।
- डॉलर मजबूत होने से वैश्विक अनिश्चितता में निवेशक डॉलर की ओर रुख कर रहे हैं।

भारत में हाउसिंग बिक्री सात फीसदी घटी, विदेशी खरीदारों ने निवेश रोका

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर अब भारत के रियल एस्टेट सेक्टर पर भी दिखने लगा है। साल 2026 की पहली तिमाही (जनवरी-मार्च) में देश के सात बड़े शहरों में घरों की बिक्री 7 फीसदी घट गई है। प्रॉपर्टी कंसल्टेंट एनारॉक की रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान कुल 1,01,675 घर बिके, जिनकी कीमत करीब 1.51 लाख करोड़ रुपये रही। इससे पिछली तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में 1,08,970 यूनिट (1.60 लाख करोड़ रुपये) की बिक्री हुई थी। एनारॉक ग्रुप के चेयरमैन अनुज पुरी के अनुसार, भारत का हाउसिंग सेक्टर लंबी अवधि में मजबूत बना हुआ है, लेकिन ईरान युद्ध के कारण अल्पकालिक असर साफ दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती तेल कीमतों और निर्माण लागत के कारण बाजार में अनिश्चितता बढ़ी है। खासकर मार्च महीने में इसका असर ज्यादा देखने को मिला। इसके अलावा, पश्चिम एशिया के वे निवेशक जो भारतीय रियल एस्टेट में बड़ा निवेश करते हैं, उन्होंने फिलहाल निवेश रोक दिया है, जिससे बिक्री पर दबाव आया है।

सालाना आधार पर फिर भी बढ़त

हालांकि, पिछली साल की तुलना में स्थिति बेहतर रही है।

- पहली तिमाही 2025: 93,280 यूनिट (1.42 लाख करोड़ रुपये)
- पहली तिमाही 2026: 1,01,675 यूनिट (1.51 लाख करोड़ रुपये)
- यानी सालाना आधार पर बिक्री में 7 फीसदी और मूल्य में 6 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई है।
- मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन और बेंगलुरु ने कुल बिक्री में 48 फीसदी हिस्सा लिया
- चेन्नई में तिमाही आधार पर सबसे ज्यादा 18 फीसदी गिरावट आई
- चेन्नई में सालाना आधार पर 31 फीसदी की सबसे ज्यादा बढ़त भी दर्ज हुई।

प. एशिया संकट के बीच भारत का रूस की ओर झुकाव बढ़ा

तेल आयात 40 फीसदी तक पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली, जेएनएन। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच भारत एक बार फिर अपने पुराने रणनीतिक साझेदार रूस की ओर तेजी से कदम बढ़ाता नजर आ रहा है। ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए भारत रूस से कच्चे तेल और एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) आयात बढ़ाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक, आने वाले समय में रूस से भारत का तेल आयात दोगुना होकर करीब 40 फीसदी तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत और रूस के बीच एलएनजी की सीधी आपूर्ति को फिर से शुरू करने पर सहमति बन रही है। यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार रूस सीधे भारत को एलएनजी बेच सकता है। यह सहमति 19 मार्च को दिल्ली में रूसी उप ऊर्जा मंत्री पावेल सोरोकिन और केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के बीच हुई बैठक में बनी। इसके साथ ही कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार को झकझोर दिया है। खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव के कारण भारत की ऊर्जा सप्लाई प्रभावित हुई है, क्योंकि देश का लगभग आधा तेल और गैस इसी रास्ते से आता है। इसका असर देश में पेट्रोल पंपों पर भीड़, गैस सप्लाई में दिक्कत और ऊर्जा कीमतों में तेजी के रूप में दिखा है। वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित करने के लिए रणनीतिक संतुलन बना रहा है। रूस के साथ बढ़ता सहयोग इस बात का संकेत है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोपरि रखते हुए लचीली विदेश नीति अपना रहा है।

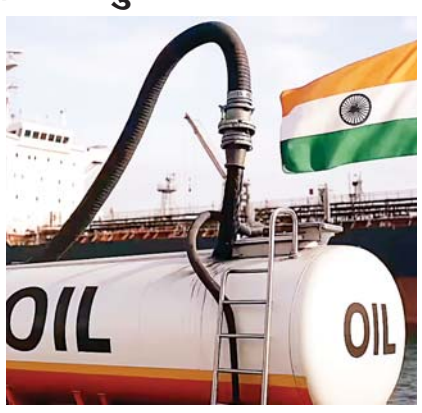

पहले क्यों घटाई थी रूस से खरीद

कुछ समय पहले भारत ने रूस से तेल आयात में कमी की थी। यह कदम अमेरिका के साथ व्यापारिक बातचीत और टैरिफ दबाव के चलते उठाया गया था। लेकिन बदलते वैश्विक हालात में भारत अब फिर से अपने आर्थिक और रणनीतिक हितों को प्राथमिकता देते हुए रूस के साथ ऊर्जा संबंध मजबूत कर रहा है।

आर्थिक चुनौतियों की आशंका

सरकारी आकलन के अनुसार, यदि मध्य-पूर्व से ऊर्जा आपूर्ति लंबे समय तक बाधित रहती है, तो इसके गंभीर आर्थिक प्रभाव हो सकते हैं।

- महंगाई में बढ़ोतरी
- रुपए में कमजोरी
- विदेशी कर्ज में वृद्धि
- निर्यात में 2 फीसदी से 4 फीसदी तक गिरावट

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत का यह कदम व्यावहारिक और रणनीतिक है, क्योंकि रूस लंबे समय से एक भरोसेमंद ऊर्जा साझेदार रहा है।

इलेक्ट्रिक कार बाजार में बड़ा उलटफेर

महिंद्रा एक्सईवी 9एस ने एमजी विंडसर ईवी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय इलेक्ट्रिक कार बाजार में जबरदस्त बदलाव देखने को मिल रहा है। लंबे समय से टॉप पर रही एमजी विंडसर ईवी को अब देसी कंपनी महिंद्रा की नई इलेक्ट्रिक एसयूवी ने पीछे छोड़ दिया है।

फरवरी 2026 में महिंद्रा एक्स ईवी 9एस सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार बनकर उभरी है और इसने एमजी विंडसर ईवी की बादशाहत खत्म कर दी है। महिंद्रा की 7-सीटर इलेक्ट्रिक एमजी विंडसर ईवी को ग्राहकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है।

महिंद्रा की सफलता यह दिखाती है कि भारतीय ग्राहकों का रुझान अब ज्यादा रेंज, फीचर्स और बड़े एसयूवी सेगमेंट की ओर बढ़ रहा है। आने वाले समय में इलेक्ट्रिक कार बाजार में प्रतिस्पर्धा और भी तेज होने की संभावना है। महिंद्रा एंड महिंद्रा अब इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में तेजी से अपनी पकड़ मजबूत कर रही है। एक्सईवी 9एक्स के अलावा कंपनी एक्सईवी 9ई, बीई 6 और एक्सयूवी 3एक्सओ ईवी जैसे मॉडल्स के जरिए बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। इससे टाटा मोटर्स और एमजी मोटर जैसी कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा और कड़ी हो गई है। भारतीय ईवी मार्केट अब तेजी से बदल रहा है। जहां पहले टाटा का दबदबा था, फिर एमजी ने बाजी मारी, वहीं अब महिंद्रा लीडिंग पोजीशन में आती दिख रही है। आने वाले दिनों में महिंद्रा की बादशाहत और मजबूत हो सकती है।

विंडसर ईवी को पीछे छोड़ा

- **फरवरी 2026 में बिक्री:** 3,539 यूनिट
- **लॉन्च:** नवंबर 2025
- **डिलीवरी शुरू:** 23 जनवरी 2026

यह एसयूवी लॉन्च के कुछ ही हफ्तों में बाजार की नंबर-1 इलेक्ट्रिक कार बन गई, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता को दिखाता है।

कीमत और फीचर्स

- **एक्स-शोरूम कीमत:** 19.95 लाख रुपये से 29.45 लाख
- **बैटरी:** 79 केडब्ल्यूएच तक
- **रेंज:** करीब 679 किमी (सिंगल चार्ज)

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया की एमजी विंडसर 9 एस पिछले करीब 16 महीनों तक टॉप सेलिंग इलेक्ट्रिक कार रही थी, लेकिन अब यह दूसरे नंबर पर आ गई है।

एक समय बाजार की सबसे लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी रही टाटा नेक्सॉन ईवी अब तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। फरवरी 2026 में इसकी 2,410 यूनिट बिकीं।

इलेक्ट्रॉनिक | **गैलेक्सी बुक 6: 32 जीबी तक रैम और कीमत लाखों में**

सैमसंग के नए शक्तिशाली लैपटॉप लॉन्च

नई दिल्ली, जेएनएन। सैमसंग ने भारत में अपने नए गैलेक्सी बुक 6 सीरीज के लैपटॉप लॉन्च कर दिए हैं। कंपनी ने इस सीरीज में तीन मॉडल पेश किए हैं- गैलेक्सी बुक 6, गैलेक्सी बुक 6 प्रो और गैलेक्सी बुक 6 अल्ट्रा। कंपनी का दावा है कि ये उसके अब तक के सबसे शक्तिशाली और उन्नत लैपटॉप हैं, जिनमें नई पीढ़ी की तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुविधाएं दी गई हैं। सैमसंग की यह नई सीरीज उन लोगों के लिए खास है, जिन्हें तेज, स्मार्ट और आधुनिक लैपटॉप की जरूरत है। इसमें दी गई नई तकनीक और शक्तिशाली फीचर्स इसे बाजार में मजबूत प्रतिस्पर्धी बनाते हैं। सैमसंग के अनुसार, इन नए लैपटॉप में दिए गए प्रोसेसर पिछले संस्करण के मुकाबले करीब 60 फीसदी ज्यादा तेज काम करते हैं। अल्ट्रा मॉडल में 32 जीबी तक रैम और उच्च क्षमता वाला ग्राफिक्स सिस्टम दिया गया है।

स्क्रीन और डिस्प्ले की खासियत

इस सीरीज में उच्च गुणवत्ता वाली स्पर्श स्क्रीन दी गई है, जिसकी चमक काफी ज्यादा है और यह साफ व स्पष्ट दृश्य प्रदान करती है।

- **स्क्रीन की चमक:** 1000 निट्स तक
- **रिफ्रेश रेट:** 30 से 120 हर्ट्ज तक
- **खास ग्लास:** जिससे चमक की परावर्तन कम होता है

आवाज और बैटरी भी मजबूत

अल्ट्रा मॉडल में 6 स्पीकर दिए गए हैं, जो गहरी और साफ आवाज देते हैं।

- **बैटरी:** एक बार चार्ज में 30 घंटे तक वीडियो चल सकता है
- **तेज चार्जिंग:** 30 मिनट में 60% से ज्यादा चार्ज

कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले फीचर्स

इस सीरीज में कई स्मार्ट सुविधाएं दी गई हैं।

- तुरंत अनुवाद करने की सुविधा
- फोटो से बैकग्राउंड हटाने की सुविधा
- लंबे नोट्स को छोटा करने और समझने में मदद

सुरक्षा और सिस्टम

इन लैपटॉप में मजबूत सुरक्षा प्रणाली दी गई है, जिससे डेटा सुरक्षित रहता है।

कीमत और उपलब्धता

गैलेक्सी बुक 6 सीरीज के लैपटॉप अलग-अलग कीमत में उपलब्ध हैं।

- **गैलेक्सी बुक 6:** 1,27,990 रु. से शुरू
- **गैलेक्सी बुक 6 प्रो:** 1,78,990 से शुरू
- गैलेक्सी बुक 6 अल्ट्रा: 2,42,990 से शुरू

इन लैपटॉप को सैमसंग की: आधिकारिक वेबसाइट, एक्सक्लूसिव स्टोर और अन्य प्रमुख दुकानों से खरीदा जा सकता है।

कूलिंग और डिजाइन

इन लैपटॉप में नया कूलिंग सिस्टम दिया गया है, जिससे गर्मी कम होती है और आवाज भी कम आती है। साथ ही ये लैपटॉप काफी पतले और हल्के बनाए गए हैं, जिससे इन्हें आसानी से साथ ले जाया जा सकता है।

कॉमर्शियल एलपीजी कोटा 50 फीसदी से बढ़ाकर 70 फीसदी

बड़े उद्योगों को राहत, स्टील-ऑटो समेत 6 सेक्टर को प्राथमिकता

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में गैस सप्लाई पर बने दबाव के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर का कोटा 50 फीसदी से बढ़ाकर 70 फीसदी कर दिया है। इस कदम से उद्योगों को राहत मिलने की उम्मीद है, खासकर उन सेक्टरों को जो पूरी तरह गैस पर निर्भर हैं। यह फैसला शुक्रवार को लिया गया और इसकी जानकारी पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के सचिव डॉ नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को भेजे गए पत्र के जरिए दी। सरकार ने साफ किया है कि ज्यादा रोजगार देने वाले और जरूरी उद्योगों को प्राथमिकता दी जाएगी। इनमें स्टील, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, डाइज, केमिकल और प्लास्टिक सेक्टर शामिल हैं। इन सेक्टरों को अब ज्यादा गैस सप्लाई मिलेगी।

रेस्टोरेंट्स के बाद अब उद्योगों को राहत

सरकार इससे पहले रेस्टोरेंट, ढाबा, होटल और फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स को प्राथमिकता दे चुकी है। अब बड़े उद्योगों को अतिरिक्त 20 फीसदी सप्लाई दी जा रही है, जिससे कुल कोटा 70 फीसदी तक पहुंच गया है। इसका मकसद गैस संकट के बीच आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित होने से बचाना है।

पीएनजी अपनाने की शर्त

- सरकार ने अतिरिक्त गैस लेने के लिए एक शर्त भी रखी है।
- उद्योगों को तेल कंपनियों के साथ पंजीकरण कराना होगा
- साथ ही पाइप से मिलने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के लिए आवेदन करना होगा
- सरकार चाहती है कि धीरे-धीरे उद्योग एलपीजी से पीएनजी की ओर शिफ्ट हों, ताकि भविष्य में ऐसी समस्या कम हो।

कुछ उद्योगों को मिली छूट

जिन उद्योगों में विशेष तरह की हीटिंग की जरूरत होती है और जहां पीएनजी का उपयोग संभव नहीं है, उन्हें इस शर्त से छूट दी गई है। ऐसे उद्योग बिना किसी अतिरिक्त शर्त के बढ़ा हुआ कोटा प्राप्त कर सकेंगे।

आईपीएलः आरसीबी की नजर खिताब बचाने पर मुंबई, सीएसके और केकेआर भी प्रबल दावेदार

क्रिकेट का उत्सवः आरसीबी बनाम हैदराबाद के मुकाबले से होगा 19वें सीजन का आगाज

जेएनएन, बेंगलुरु

मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) शनिवार से शुरू होने वाले आईपीएल में अपना खिताब बचाने के लिए प्रतिबद्ध होगा, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मुंबई इंडियंस अपनी खोई प्रतिष्ठा हासिल करने की कोशिश करेंगे। आईपीएल में अगले दो महीनों में विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के साथ कुछ युवा खिलाड़ियों पर भी नजर रहेगी, जो अच्छा प्रदर्शन करके अपनी छाप छोड़ने में कोई कसर नहीं रखेंगे। आरसीबी टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद की मेजबानी करेगा और उसका लक्ष्य शानदार शुरुआत करना होगा। लेकिन इस मैच से पहले माहौल थोड़ा गंभीर बना हुआ है, क्योंकि पिछले साल चार जून को आरसीबी के खिताब जीतने के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई थी। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ और आरसीबी प्रबंधन ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में जान गंवाने वाले लोगों की स्मृति को बनाए रखने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। केएससीए ने स्टेडियम में 11 सीटें स्थाई रूप से खाली छोड़ने की घोषणा की है। इस स्टेडियम को आईपीएल मैचों की मेजबानी के लिए राज्य सरकार से अनुमति मिलने से पहले कई अनिश्चित महीनों का सामना करना पड़ा था। आरसीबी के खिलाड़ी पहले मैच के दिन अभ्यास सत्र के दौरान 11 नंबर की जर्सी पहनेंगे। पिछली प्रतियोगिताओं की तरह इस बार भी कई ऐसे खिलाड़ी अपना प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे, जिन्होंने अभी तक कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। इन खिलाड़ियों में दिल्ली कैपिटल्स के आकिब नबी, राजस्थान रॉयल्स के कार्तिक शर्मा, सीएसके के प्रशांत वीर आदि शामिल है। क्या वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे या फिर जाने-माने खिलाड़ियों की ही तूती बोलेगी, अगले 65 दिनों में इसका जवाब मिल जाएगा।

आरसीबी और सनराइजर्स के लिए गेंदबाजी बनी बड़ी परेशानी

■ आरसीबी और सनराइजर्स दोनों के पास गेंदबाजी संसाधनों की कमी है। आरसीबी को जोश हेजलवुड और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल के बिना खेलना होगा। दोनों ने 2025 के विजयी अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन विभिन्न कारणों से इस वर्ष वे अधिकतर मैचों में बाहर रहेंगे। हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया में चोट से उबरकर पूरी तरह फिट होने के लिए प्रयास कर रहे हैं और वह बाद में टीम में शामिल हो सकते हैं। यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे दयाल पूरे सत्र से बाहर रहेंगे। वहीं तेज गेंदबाज नुवान तुषारा शुरुआती चरण से बाहर हो गए। फिटनेस के मानदंडों पर खरा नहीं उतर पाने के कारण उन्हें बोर्ड से एनओसी नहीं मिला है। आरसीबी को अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, स्पिनर क्रुणाल पंड्या, सुयश शर्मा और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव पर काफी हद तक निर्भर रहना होगा।

■ सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस भी शुरुआती चरण में टीम में नहीं होंगे। इशान किशन को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया है। लेकिन सनराइजर्स के बैकअप विकल्प ज्यादा भरोसेमंद नहीं लगते। ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट, हर्षल पटेल और हर्ष दुबे को सपाट पिचों पर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

कुल मैच	25
सनराइजर्स जीती	13
आरसीबी जीती	13
नतीजा नहीं	13

दोनों टीम के पास मजबूत बल्लेबाजी आक्रमण

दोनों टीमें अपनी गेंदबाजी की कमजोरी का बल्लेबाजी से भरपाई करना चाहेंगी। आरसीबी के पास विराट कोहली, टिम डेविड, फिल साल्ट, जैकब बेथेल, कप्तान रजत पाटीदार, रोमारियो शेफर्ड जैसे बल्लेबाज हैं, जबकि सनराइजर्स के पास भी ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, किशन और हेनरिक क्लासेन के रूप में धाकड़ बल्लेबाज हैं।

संभावित सर्वश्रेष्ठ 11

आरसीबीः विराट कोहली, फिल सॉल्ट, देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), जेकब बेथेल, टिम डेविड/रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, जैकब डफी, मंगेश यादव।

सनराइजर्स हैदराबादः ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, इशान किशन (कप्तान, विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, हेनरिक क्लासेन, अनिकेत वर्मा, लियाम लिविंगस्टोन, ब्राइडन कार्स, हर्ष दुबे/क्रेंस फुलेत्रा, हर्षल पटेल, शिवम मावी/जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट।

बड़े बदलाव के साथ उतरेंगी टीमें

मुंबई, सीएसके और केकेआर के पास कुल मिलाकर 13 आईपीएल खिताब हैं। लेकिन पिछला सत्र उनके लिए अच्छा नहीं रहा था। मुंबई पिछले सत्र में चौथे स्थान पर रहकर प्लेऑफ में पहुंची थी। पांच बार की चैंपियन यह टीम अपने इस प्रदर्शन में सुधार करने की कोशिश करेगी। केकेआर और सीएसके क्रमशः आठवें और दसवें स्थान पर रहे थे। उन्होंने अपनी टीमों में बदलाव किया है। सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स के पूर्व कप्तान संजू सैमसन को टीम में शामिल किया तथा मैट हेनरी और नूर अहमद को भी टीम में जोड़ा है। सीएसके की टीम महेंद्र सिंह धोनी से संभवतः आखिरी बार शानदार प्रदर्शन की उम्मीद करेंगी, जिन्होंने आईपीएल में अपने भविष्य को लेकर संशय बनाए रखा है।

■ केकेआर ने टिम सीफर्ट, फिन एलन, रचिन रविंद्र और कैमरन ग्रीन को शामिल करके बल्लेबाजी को मजबूती दी है। कप्तान अजिंक्य रहाणे शीर्ष क्रम में टीम को एकजुट रखने की भूमिका निभाएंगे और उप-कप्तान रिंकू सिंह को उस फिनिशर की भूमिका में ढलना होगा, जो आंद्रे रसेल ने 2014 से लेकर पिछले साल संन्यास लेने से पहले तक निभाई थी। गेंदबाजी में उनके पास वरुण और सुनील नारायण के रूप में दो तुरुप के पत्ते हैं, लेकिन उनका तेज गेंदबाजी विभाग कमजोर है।

■ राजस्थान और गुजरात अपने नाम पर एक और खिताब जोड़ने की कोशिश करेंगे, जबकि दिल्ली, पंजाब और लखनऊ अपना पहला खिताब जीतने के लिए मैदान पर उतरेंगे।

विराट और रोहित पर रहेंगी निगाहें

इस आईपीएल में स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा पर भी नजर टिकी रहेगी। इन दोनों को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है, लेकिन वे हमेशा की तरह दर्शकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की कोशिश करेंगे। कोहली ने पिछले साल आरसीबी की आईपीएल में पहली खिताबी जीत के साथ अपने शानदार रिकॉर्ड में एक और ट्रॉफी जोड़ ली। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह खिलाड़ी अपने पूर्व के प्रदर्शन को दोहराने में सफल रहता या नहीं। कोहली की चुनौती खुद से भी होगी। जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज के बाद उन्हें भरपूर आराम मिल चुका है। रोहित ने भी अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था। एक बल्लेबाज के रूप में उन्होंने आईपीएल में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं किया है। इस 38 वर्षीय खिलाड़ी का किसी एक सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 538 रन है। वह अपने इस रिकॉर्ड को सुधारना चाहेंगे और साथ ही मुंबई को उसका छठा खिताब दिलाने में भी अहम भूमिका निभाना चाहेंगे।

सीएसके और आरसीबी के खिलाफ मुंबई इंडियंस के दो-दो मुकाबले

पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई और सीएसके का आमना-सामना इस सीजन में दो बार होगा। मुंबई की भिड़ंत डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी से भी दो बार तय हुई है। बीसीसीआई ने पहले शुरुआती दौर का कार्यक्रम साझा किया था, लेकिन अब लगभग पूरी लिस्ट सामने आ गई है। फिलहाल सिर्फ प्लेऑफ के वेन्यू का ऐलान होना बाकी है।

हाई-प्रोफाइल मुकाबलों को बढ़ावा देने के लिए बीसीसीआई ने नियम में बदलाव किया

दो ग्रुपों में बांटा गया टीम को

टीमों को पुराने फॉर्मूले के तहत ही खिताबों की संख्या के आधार पर दो ग्रुपों में रखा गया है। ग्रुप-ए में सीएसके (5), केकेआर (3), राजस्थान (1), आरसीबी (1) और पंजाब किंग्स को जगह मिली है। वहीं, ग्रुप-बी में मुंबई (5), हैदराबाद (1), गुजरात (1), दिल्ली और लखनऊ शामिल हैं। पिछले तीन सालों से एक ही ग्रुप की टीमें आपस में दो बार और दूसरे ग्रुप से एक बार खेलती थीं, लेकिन इस बार फॉर्मेट को पलट दिया गया है। अब एक ही ग्रुप की टीमें आपस में एक बार और दूसरे ग्रुप की टीमों से दो बार टकराएंगी। इसी बदलाव के चलते 23 अप्रैल को मुंबई और 2 मई को चेन्नई में सीसएके बनाम मुंबई के हाई-वोल्टेज मुकाबले देखने को मिलेंगे। उधर, मुंबई और आरसीबी की टक्कर 12 अप्रैल को मुंबई और 10 मई को रायपुर में होगी।

कुल 12 डबल हेडर

सीजन का पहला मैच डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी और हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। 12 अप्रैल तक कुल 20 मैच निपटाए जाएंगे। इसके बाद 13 अप्रैल से 24 मई के बीच भारत के 12 अलग-अलग मैदानों पर 50 मैचों का रोमांच देखने को मिलेगा। इसमें रायपुर भी रेस में शामिल है, जिसे आरसीबी ने दो मैचों के लिए अपना दूसरा होम बेस बनाया है। शुरुआती शेड्यूल में जहां सिर्फ चार डबल हेडर थे, वहीं अब आठ और जोड़ दिए गए हैं। हालांकि, प्लेऑफ की तारीखों और वेन्यू पर मुहर लगना बाकी है, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक फाइनल 31 मई को खेला जा सकता है।

दोपहर के मैचों का समीकरण

इस सीजन में कुल 12 मैच दोपहर में खेले जाएंगे और हर टीम के हिस्से कम से कम दो ऐसे मैच आएंगे। राजस्थान को छोड़ दिया जाए, तो बाकी सभी टीमें अपने घर पर कम से कम एक दोपहर का मैच खेलेंगी। राजस्थान इकलौती टीम है, जिसके दोनों दोपहर वाले मैच बाहर होंगे, जबकि दिल्ली अपने घर पर दो दोपहर के मैचों की मेजबानी करेगी। पंजाब, हैदराबाद और दिल्ली के खाते में तीन-तीन दोपहर के मैच आए हैं, जबकि अन्य सात टीमें दो-दो बार दोपहर में मैदान पर उतरेंगी।

भोपाल में आईपीएल फैन पार्क आज और कल

भोपाल, खेप्र। क्रिकेटप्रेमियों के लिए शहर में एक बार फिर रोमांचक माहौल बनने जा रहा है। आईपीएल 2026 की शुरुआत के साथ यहां फैन पार्क बनाया गया है, जहां शनिवार और रविवार को दर्शकों को लाइव मैच का स्टेडियम जैसा अनुभव मिलेगा। जहांगीराबाद स्थित एमवीएम कॉलेज में बनाए गए इस फैन पार्क में विशाल एलईडी स्क्रीन पर मैचों का सीधा प्रसारण किया जाएगा। प्रवेश पूरी तरह निशुल्क रखा गया है। कार्यक्रम के दौरान फूड स्टॉल, म्यूजिक और विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा, जबकि 29 मार्च को मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स आमने-सामने होंगी। दोनों दिन शाम 6:30 बजे से आयोजन शुरू होगा।

एमबापे के गोल से जीता फ्रांस

फॉक्सबोरो (अमेरिका), जेएनएन। स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबापे के गोल की मदद से फ्रांस ने विश्व कप फुटबॉल से पहले एक महत्वपूर्ण मैत्री मैच में ब्राजील को 2-1 से हराया। एमबापे इस मैच से पहले घुटने की चोट से जूझ रहे थे, लेकिन उन्होंने दिखाया कि फिलहाल वह इस समस्या से परेशान नहीं हैं। उन्होंने 65वें मिनट में मैदान छोड़ने से पहले एक महत्वपूर्ण गोल किया। स्टेडियम में मौजूद 66215 दर्शक ब्राजील का समर्थन कर रहे थे, लेकिन एमबापे (32वें मिनट) और ह्यूगो एकितिके (65वें) ने गोल करके फ्रांस को उस मैदान पर 2-0 की बढ़त दिला दी, जहां वह विश्व कप के ग्रुप चरण के अपने अंतिम मैच में नॉर्वे का सामना

करेगा। ब्राजील की तरफ से एकमात्र गोल ब्रेमर ने 78वें मिनट में किया, लेकिन इससे वह हार का अंतर ही कम कर पाए। ब्राजील अब मंगलवार को ऑरलैंडो, फ्लोरिडा में क्रोएशिया के खिलाफ खेलेगा।

कंपाउंड तीरंदाजों का दबदबा रहा, भारत ने 10 पदक जीते

बैंकॉक, जेएनएन। भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के पहले चरण में मिश्रित टीम का स्वर्ण पदक और महिला टीम का रजत पदक जीता और पुरुषों के व्यक्तिगत वर्ग में क्लीन स्वीप किया। भारत ने दोपहर के सत्र में रिकर्व वर्ग में दो रजत पदक भी जीते। इस तरह से उसने इस प्रतियोगिता में दो स्वर्ण, चार रजत और चार कांस्य पदक जीते। भारत ने कुल 10 पदक हासिल किए, जो पिछली बार के आठ पदक से अधिक है। भारत ने हालांकि पिछली बार पांच स्वर्ण पदक जीते थे। भारत को रिकर्व वर्ग में झटका लगा जिसमें कोई भी तीरंदाज स्वर्ण पदक हासिल नहीं कर सका।

हॉकी खिलाड़ी नवनीत और हार्दिक को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार, जफर इकबाल को 'लाइफटाइम अचीवमेंट' अवॉर्ड

नई दिल्ली, जेएनएन। अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर और मिडफील्डर हार्दिक सिंह को आठवें सालाना पुरस्कारों में वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ महिला और पुरुष खिलाड़ी का हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार दिया गया। दोनों खिलाड़ियों को पुरस्कार के तौर पर 20 लाख रुपए का चेक दिया गया। इसके साथ ही 1980 मॉस्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे जफर इकबाल को मेजर ध्यानचंद 'लाइफटाइम अचीवमेंट' पुरस्कार से नवाजा गया। जफर इकबाल ने इस मौके पर कहा कि मैं चाहता हूं कि भारतीय हॉकी टीम फिर से ओलंपिक

चैम्पियन बने। ओलंपिक और विश्व कप जीतना आसान नहीं होता लेकिन मुझे टीम पर पूरा यकीन है कि हम फिर स्वर्ण पदक जीतेंगे। वर्ष 2025 की सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का बलजीत सिंह पुरस्कार बिछू देवी खारीबम को दिया गया, जबकि हॉकी इंडिया परगट सिंह सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर का पुरस्कार संजय ने जीता। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर का अजित पाल सिंह पुरस्कार सुमित को और सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड का धनराज पिल्लै पुरस्कार सुखजीत सिंह को मिला। सभी खिलाड़ियों को पांच-पांच लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया। सर्वश्रेष्ठ अंडर 21 खिलाड़ी का जुगराज सिंह पुरस्कार (पुरुष) चेन्नई में पिछले साल एफआईएच जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम के गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह को दिया गया। वहीं महिला श्रेणी में असुंथा लाकड़ा सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी का पुरस्कार साक्षी राणा को मिला।

ईरान ने अपनी टीमों को 'शत्रु' देशों की यात्रा करने से रोका

तेहरान, जेएनएन। ईरान ने अपनी खेल टीमों को उन देशों की यात्रा करने से प्रतिबंधित कर दिया है, जिन्हें वह ''शत्रु'' मानता है। ईरान के सरकारी टीवी ने सऊदी अरब में उनके देश के फुटबॉल क्लब ट्रैक्टर एफसी के निर्धारित मैच से पहले गुरुवार को यह जानकारी दी। तेहरान में ईरान के खेल मंत्रालय द्वारा घोषित प्रतिबंध में विश्व कप फुटबॉल का कोई जिक्र नहीं किया गया है, जो 11 जून से अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में शुरू हो रहा है। मंत्रालय के बयान में दुबई के शबाब अल अहली के खिलाफ सऊदी अरब में होने वाले ट्रैक्टर एफसी के मैच का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पहली बार डॉलर पर दिखेंगे ट्रंप के सिग्नेचर

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सिग्नेचर जल्द ही अमेरिकी पेपर करेंसी पर दिखने वाले हैं। 1861 में डॉलर के नोटों की शुरुआत के बाद से यह किसी मौजूदा प्रेसिडेंट के लिए पहली बार होगा। अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा लिया गया यह फैसला इस साल अमेरिकी स्वतंत्रता की 250वीं सालगिरह के जश्न के साथ मेल खाता है। अमेरिकी ट्रेजरर ब्रैंडन बीच ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अमेरिका की 250वीं सालगिरह के जश्न में, प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे ट्रंप के सिग्नेचर ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट के साथ जल्द ही अमेरिकी करेंसी पर दिखेंगे, जो इतिहास में पहली बार होगा। इस महीने की शुरुआत में, एक फेडरल आर्ट्स कमीशन ने अमेरिकी स्वतंत्रता की 250वीं सालगिरह मनाने में मदद करने के लिए ट्रंप की इमेज वाले 24-कैरेट सोने के यादगार सिक्के के फाइनल डिजाइन को मंजूरी दी।

सौतेले पिता से गर्भवती हुईं दोनों बेटियों का गर्भपात होगा

नवसारी, जेएनएन। गुजरात के नवसारी जिले के चिखली तालुका में एक सौतेले पिता ने 2 नाबालिग बेटियों के साथ कई बार दुष्कर्म करके उन्हें गर्भवती बना दिया था। अब दोनों बच्चियों को गर्भपात के लिए नवसारी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नवसारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी भावेश पटेल ने बताया कि दोनों नाबालिगों के गर्भपात की प्रक्रिया उनकी मां की सहमति से पूरी की जाएगी। गर्भावस्था 25 हफ्ते से कम की है, इसलिए कोर्ट की परमिशन की जरूरत नहीं। मामला तब सामने आया, जब परिवार की छोटी बेटी के पेट में तेज दर्द हुआ। मां उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल ले गई। प्राथमिक जांच में ही डॉक्टर को बेटी के प्रेग्नेंट होने का शक हो गया था। इसके बाद अस्पताल में सोनोग्राफी एक्सपर्ट ने कन्फर्म किया कि नाबालिग 5 महीने की प्रेग्नेंट है। छोटी बहन की हालत देखकर 13 साल बड़ी बेटी भी भावुक हो गई और उसने मां को बताया कि पिता उसका भी दुष्कर्म करता था।

महाराष्ट्र में बाबा पर एक और रेप केस

नासिक, जेएनएन। महाराष्ट्र के नासिक में खुद को ज्योतिषी और 'गॉडमैन' बताने वाले अशोक खरात उर्फ 'कैप्टन खरात' की गिरफ्तारी के बाद एक के बाद एक चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं। खरात के खिलाफ जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआई) को लगातार नई शिकायतें मिल रही हैं, जिससे इस पूरे मामले की गंभीरता और बढ़ गई है। अधिकारियों के मुताबिक, पिछले पांच दिनों में एसआईटी को 50 से अधिक फोन कॉल्स प्राप्त हुए हैं, जिनमें लोगों ने खरात के खिलाफ विभिन्न जानकारियां दी हैं या कथित अपराधों की शिकायत दर्ज कराई है। एजेंसी के अनुसार राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी ने कुछ दिन पहले आम नागरिकों से जानकारी जुटाने के लिए दो मोबाइल नंबर जारी किए थे। इसके बाद से हर दिन औसतन 15 से 20 कॉल्स टीम को मिल रही हैं। इन कॉल्स में कई लोगों ने उनके साथ भी यौन शोषण किए जाने, जबरन वसूली और अश्लील कंटेंट से जुड़े आरोप लगाए हैं।

कौशांबी में पिकअप ट्रेलर में घुसी, 8 की मौत

कौशांबी, जेएनएन। उत्तर प्रदेश के कौशांबी में श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप ट्रेलर से टकरा गई। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 5 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। 29 लोग घायल हैं। सभी प्रयागराज से मुंडन कराकर अपने घर फतेहपुर जा रहे थे। हादसा इतना भीषण था कि घायल पिकअप से उछलकर सड़क पर जा गिरे। काफी देर तक जमीन पर पड़े तड़पते रहे। मौके पर पहुंचे लोगों ने पुलिस को फोन किया, साथ ही खुद भी घायलों को संभाला। पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। दो लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें प्रयागराज रेफर किया गया है। 27 घायलों का इलाज जिला अस्पताल और ष्ट्र।ष्ट्र में चल रहा है। हादसा शुक्रवार शाम करीब 4 बजे नेशनल हाईवे पर डोरमा के पास हुआ। सीएम योगी ने मृतकों के घरवालों को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। साथ ही घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

कम नहीं हुई कतार...

पश्चिम एशिया में जंग के चलते वैश्विक सप्लाई प्रभावित होने के बाद अभी भी एलपीजी की आपूर्ति सामान्य नहीं हुई है। हालांकि, पहले से भीड़ कम जरूर हुई है, लेकिन लोग अभी भी परेशान हैं। नोएडा में सप्लाई की दिक्कत के बीच खाली सिलेंडर लेकर लाइन में इंतजार कर रहे लोग।

26 करोड़ का ऑनलाइन बेटिंग फ्रॉड, 4 गिरफ्तार

अमरावती, जेएनएन। हैदराबाद की साइबर क्राइम पुलिस ने 26.07 करोड़ के ट्रांजैक्शन के साथ ऑनलाइन गेमिंग और बेटिंग फ्रॉड नेटवर्क चलाने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान 48 साल के राजेश वेंकट रमन, 27 साल के भामिदिपति अभिषेक, 38 साल के ऑगस्टीन विलियम्स और 40 साल के मनमीत शर्मा उर्फ सोन्या के तौर पर हुई है। पुलिस ने कहा कि ग्रुप ने पेमेंट गेटवे और म्यूल बैंक अकाउंट के जरिए गैर-कानूनी बेटिंग प्लेटफॉर्म के लिए बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन किए। यह मामला तब सामने आया जब हैदराबाद की एक 24 साल की महिला ने बताया कि इंस्टाग्राम ऐड के जरिए लालच में आकर उसने करीब 30 लाख गंवा दिए। उसे वाट्सएप के जरिए एक गेमिंग प्लेटफॉर्म पर भेजा गया और शुरू में भरोसा बनाने के लिए छोटे पैसे निकालने दिए, फिर कई यूपीआई ट्रांजैक्शन के जरिए बड़ी रकम जमा करने के लिए उकसाया गया।

अमेरिका ने अब तक ईरान में दागी 850 टॉमहॉक मिसाइलें

मिसाइलों की घटती सप्लाई ने बढ़ाई अमेरिका की चिंता

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पेंटागन के कुछ अधिकारी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि ईरान में 850 हथियार दागने के बाद भी अमेरिकी मिलिट्री के हथियारों के जखीरे में टॉमहॉक मिसाइलों की सप्लाई 'खतरनाक रूप से कम' रह गई है। द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, जिस तेजी से अमेरिकी मिलिट्री ने प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप के ईरान युद्ध में टॉमहॉक मिसाइलों का इस्तेमाल किया है, जो अब अपने चौथे हफ्ते में है, उसने सप्लाई बढ़ाने के लिए अंदरूनी बातचीत को बढ़ावा दिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया है कि मिडिल ईस्ट में बचे टॉमहॉक की संख्या 'खतरनाक रूप से कम' है। एक और अधिकारी ने बताया कि अमेरिका में टॉमहॉक की सप्लाई 'विनचेस्टर' के करीब पहुंच रही है, जो मिलिट्री की भाषा है, जिसका मतलब है लगभग गोला-बारूद खत्म हो जाना। मामले से जुड़े लोगों ने बताया कि कई टॉमहॉक मिसाइलें, जिन्हें सबमरीन और नेवी के जंगी जहाजों से लॉन्च किया जा सकता है, 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध के शुरुआती दिनों में इस्तेमाल की गई थीं। हर मिसाइल की कीमत 2 मिलियन से ज्यादा होने का अंदाजा है।

जांच के नतीजों के मुताबिक, लड़ाई के पहले वीकेंड में दक्षिणी ईरानी शहर मिनाब के एलिमेंट्री स्कूल पर हुए हमले के लिए शायद टॉमहॉक मिसाइल ही जिम्मेदार थी, जिसमें बच्चों समेत 175 लोग मारे गए थे। टॉमहॉक मिसाइलों के स्टॉक नंबर क्लासिफाइड हैं, लेकिन एनालिस्ट ने बताया कि उनका अंदाजा है कि लगभग 850 मिसाइलें अमेरिकी मिलिट्री के स्टॉक का 'एक चौथाई' हिस्सा हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने एक बयान में कहा, अमेरिकी मिलिट्री के पास 'राष्ट्रपति की पसंद के समय और जगह पर और किसी भी टाइमलाइन पर किसी भी मिशन को पूरा करने के लिए जरूरी सबकुछ है'। उन्होंने कहा, मीडिया 'दुनिया की सबसे मजबूत मिलिट्री को कमजोर दिखाने में लगा हुआ है। पार्नेल ने कहा कि ईरान युद्ध में हथियारों की सप्लाई पर मीडिया की जांच से गलत पता चलता है कि पेंटागन सर्विस मेंबर्स को 'सफल होने के लिए हर फायदा' देने में नाकाम रहा है, जबकि वह 'अमेरिकी लोगों को डराने और उनके मन में शक पैदा करने' की कोशिश कर रहा है। डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने पहले कहा था कि अमेरिकी मिलिट्री के पास 'गोला-बारूद की कोई कमी नहीं है' और सप्लाई 'जब तक जरूरत होगी, इस कैंपेन को बनाए रखेगी।

ईरान ने किया भारतीय नागरिकों का धन्यवाद

ईरान ने इजराइल पर 83वीं बार मिसाइल हमला किया। इस बार मिसाइलों पर थैंक्यू इंडिया लिखकर भेजा गया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में दिखा कि ईरानी सैनिक मिसाइलों पर थैंक्यू 'पीपल ऑफ इंडिया' लिख रहे हैं। इसी तरह स्पेन, पाकिस्तान और जर्मनी के लिए भी संदेश लिखे गए। ईरान ने कहा कि यह कदम उन देशों के प्रति आभार जताने के लिए है जिन्होंने उसका समर्थन किया। आईआरजीसी के मुताबिक, यह 83वीं स्ट्राइक थी, जिसमें लंबी और मध्यम दूरी की मिसाइलें और ड्रोन इस्तेमाल किए गए।

यूएस नेवी के पास थी 3 हजार टॉमहॉक मिसाइलें

सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज का अनुमान है कि पिछले महीने युद्ध की शुरुआत में नेवी के पास लगभग 3,000 टॉमहॉक मिसाइलें थीं। थिंक टैंक के एक सीनियर सलाहकार मार्क कैन्सियन ने बताया कि अगर ईरान में 800 से ज्यादा टॉमहॉक का इस्तेमाल किया गया, तो इससे 'वेस्टर्न पैसिफिक में लड़ाई के लिए एक बड़ा गैप रह जाएगा' और 'उन्हें फिर से भरने में कई साल लगेंगे।' ट्रंप ने 6 मार्च को बताया कि उनके एडमिनिस्ट्रेशन ने अमेरिकी डिफेंस बनाने वाली कंपनियों के साथ 'बहुत अच्छी मीटिंग' की, जिसमें टॉमहॉक मिसाइलों की कॉन्ट्रैक्टर रेथियॉन भी शामिल थी। ट्रंप ने कहा, कंपनियां 'जितनी जल्दी हो सके, बेहतरीन क्लास के हथियारों का प्रोडक्शन चार गुना करने' पर सहमत हुईं।

ईरान ने तैयार किए 10 लाख लड़ाके

ईरान-इजरायल युद्ध के बीच अमेरिका ईरान में सेना उतारने की तैयारी में है, वहीं अब ईरान भी अमेरिकी को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयारियों को आखिरी रूप देता दिख रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ईरान ने 10 लाख फाइटर्स को तैयार करके रखा है। उधर, अमेरिकी नौसेना के दो मरीन एसॉल्ट जहाज यूएसएस ट्रिपोली और यूएसएस बॉक्सर पूरी गति से ईरान की ओर बढ़ रहे हैं। अमेरिकी सेना की 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के हजारों सैनिक ईरान की ओर जा रहे हैं। अमेरिका के पहले से खाड़ी क्षेत्र में 50,000 सैनिक तैनात हैं। खबरों के मुताबिक, पूरे ईरान में भर्ती केंद्रों पर युवा वॉलंटियर बड़ी संख्या में उमड़ रहे हैं। माना जा रहा है कि भर्ती केंद्रों पर युवाओं की ये भीड़ अमेरिका के साथ संभावित जमीनी युद्ध में शामिल होने को लेकर है। कहा जा रहा है कि ईरान 10 लाख से ज्यादा जमीनी लड़ाकों को जुटा रहा है। यह स्थिति बासिज, आईआरजीसी और सेना द्वारा संचालित केंद्रों पर नागरिकों की भारी भीड़ उमड़ने के बाद सामने आई है।

रामलला का सूर्य तिलक, 4 मिनट ललाट पर पड़ीं किरणें

अयोध्या, जेएनएन। अयोध्या में रामनवमी पर शुक्रवार दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में रामलला का सूर्य तिलक हुआ। 4 मिनट तक भगवान के ललाट पर नीली किरणें पड़ीं। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद रामलला का यह दूसरा सूर्य तिलक है। पीएम मोदी ने टीवी पर इसे लाइव देखा। सूर्य तिलक के साथ ही रामलला का जन्म उत्सव मनाया गया। इस दौरान 14 पुजारी गर्भगृह में मौजूद रहे। उन्होंने विशेष पूजा और आरती की। सूर्य तिलक के बाद कुछ देर के लिए मंदिर के पट बंद कर दिए गए। रामलला को 56 तरह के व्यंजन का भोग लगाया गया। सूर्य तिलक के लिए अष्टधातु के 20 पाइप से 65 फीट लंबा सिस्टम (स्ट्रक्चर) बनाया गया है। 4 लेंस और 4 मिरर के जरिए गर्भगृह तक रामलला के मस्तक पर किरणें पहुंचाई गईं। गर्भगृह को फूलों से सजाया गया है। सुबह 5.30 बजे रामलला को पीतांबर पहनाया गया। फिर आरती की गई। आज आम दिनों के मुकाबले भक्त 3 घंटे ज्यादा रामलला के दर्शन कर पाएंगे। सुबह 5 बजे से रात 11 बजे तक यानी 18 घंटे दर्शन होंगे। पहले सुबह 6:30 से रात 4:30 तक दर्शन होते थे। राम जन्मभूमि ट्रस्ट के मुताबिक, मंदिर परिसर में लंबी लाइनें लगी हैं। राम पथ, भक्ति पथ और जन्मभूमि पथ पर भीड़ ज्यादा है। करीब 10 लाख लोग रामलला के दर्शन करने पहुंचे हैं।

42 हजार टन एलपीजी लेकर 'जग वसंत' आया

अहमदाबाद/नई दिल्ली, जेएनएन। वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच भारत के लिए राहतभरी खबर सामने आई है। 'जग वसंत' नाम का एलपीजी टैंकर गुजरात के कांडला पोर्ट पर पहुंच गया है। इस जहाज में 42 हजार मीट्रिक टन से अधिक एलपीजी गैस लाई गई है, जिससे देश में गैस आपूर्ति को मजबूती मिलने की उम्मीद है। यह वेसल होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते भारत पहुंचा है, जो मौजूदा वैश्विक तनाव के कारण संवेदनशील बना हुआ है। इस टैंकर का पहुंचना भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कांडला पोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, इस गैस को मिड-सी ट्रांसफर तकनीक के जरिए उतारा जाएगा। समुद्र में ही गैस को दूसरे सिस्टम तक पहुंचाया जाएगा।

धुरंधर-2 बनी 8वीं सर्वाधिक कमाई वाली फिल्म

मुंबई, जेएनएन। रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 (धुरंधरः द रिवेंज) 1,067 करोड़ रुपए के वर्ल्डवाइड कलेक्शन के साथ 8वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई। इसने पठान (1,055 करोड़ रुपए) और कल्कि 2898 एडी (1,042 करोड़ रुपए) को पीछे छोड़ दिया। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, रिलीज के आठवें दिन (गुरुवार) फिल्म ने भारत में 49.70 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। धुरंधर 2 का भारत में कुल नेट कलेक्शन 674.17 करोड़ रुपए और ग्रॉस कलेक्शन 805.32 करोड़ रुपए हो गया। ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होता है। ओवरसीज में फिल्म ने 261.92 करोड़ रुपए कमाए, जिससे वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 1,067.24 करोड़ रुपए पहुंच गया। आठवें दिन हिंदी वर्जन ने सबसे ज्यादा 46 करोड़ रुपए कमाए। तेलुगु में 2.50 करोड़, तमिल में 90 लाख, कन्नड़ में 20 लाख और मलयालम में 10 लाख रुपए का कलेक्शन हुआ। धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत और अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए कमाए। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपए हुआ। वहीं, 894.49 करोड़ रुपए की कमाई के साथ ही यह हिंदी भाषा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। विदेशी बाजारों में भी फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। ओवरसीज में इसने करीब 299.5 करोड़ रुपए कमाए। अमेरिका और कनाडा में 193.06 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर बाहुबली 2 का रिकॉर्ड भी तोड़ा। दिलचस्प बात यह थी कि फिल्म को खाड़ी देशों में रिलीज की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद शानदार सफलता मिली। साथ ही यह भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 'ए' रेटेड फिल्म बनी।

मूवी का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1067 करोड़ हुआ

बीच सड़क पत्नी का गला काटा, फिर कार से कुचला

कलबुर्गी, जेएनएन। कर्नाटक में एक व्यक्ति ने बीच सड़क पत्नी की हत्या कर दी। उसने पहले पत्नी का गला काटा, फिर एसयूवी से कुचल दिया। घटना के 2 वीडियो सामने आए है। घटना कलबुर्गी जिले के बल्लूरगी गांव के पास की है। वीडियो में आरोपी पत्नी के बाल पकड़कर उसे पीटता दिख रहा है, जबकि महिला मदद के लिए चीखती नजर आती है।

पुलिस के मुताबिक, अक्षय अपनी पत्नी सान्वी के साथ गुरुवार सुबह तीर्थ स्थल गनागापुरा जा रहा था। दोनों मारुति सुजुकी अर्टिगा कार में थे। सुबह करीब 11 बजे रास्ते में दोनों के बीच विवाद हुआ, जिसके बाद अक्षय ने शैला को गाड़ी से बाहर धक्का दे दिया। इसके बाद अक्षय बीच सड़क पर सान्वी का बाल पकड़कर पीटने लगा और हंसिए से गला काट दिया। फिर वह सान्वी को कार में बैठाकर खेत की तरफ ले गया। वहां पत्नी को जमीन पर लिटाकर एसयूवी चढ़ा दी। सान्वी की मौके पर ही मौत हो गई।

नीतीश कुमार पर सस्पेंस, 6 माह तक बने रहेंगे सीएम

पटना, जेएनएन। बिहार की राजनीति इन दिनों एक अहम मोड़ पर खड़ी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अगले कदम पर सबकी नजरें टिकी हैं। राज्यसभा चुनाव जीतने के बाद उनके भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। क्या वह मुख्यमंत्री पद छोड़ेंगे या दोनों भूमिकाओं के बीच संतुलन साधेंगे? यही सवाल राजनीतिक बहस का केंद्र बना हुआ है। उनके फैसले से ही राज्य की राजनीति की दिशा तय होगी। हालिया घटनाक्रम पर नजर डालें तो तस्वीर कुछ और ही दिखती है। नीतीश कुमार ने हाल ही में अपनी 'समृद्धि यात्रा' पूरी की है। इस दौरान उन्होंने राज्यभर में विकास योजनाओं की शुरुआत की। पटना और नालंदा में 1866 करोड़ की परियोजनाएं शुरू की गईं।

रिसर्च

ताजा अध्ययन में तनाव को लेकर नया दावा

आपकी त्वचा पर असर डाल सकता है तनाव

नई दिल्ली, जेएनएन। तनाव का हमारी त्वचा पर असर पड़ता है, यह बात लंबे समय से मानी जाती रही है, लेकिन पिछले कुछ दशकों में रिसर्च ने इस मन-त्वचा के संबंध को गहराई से समझा है, जिससे तनाव और त्वचा से संबंधी समस्याओं को ठीक करने में मदद मिल सकती है। तनाव त्वचा पर कई तरह के बुरे असर डाल सकता है, जैसे मुंहासों को बढ़ाना, त्वचा को सूखा और सेंसिटिव बनाना, संक्रमण का खतरा बढ़ाना, और एक्जिमा, सोरायसिस और हाइव्स जैसी बीमारियों को भड़काना या शुरू करना। लंदन की साइकोडर्मेटोलॉजिस्ट डॉक्टर आलिया अहमद कहती हैं, 'आपकी त्वचा शारीरिक तनाव और भावनात्मक तनाव दोनों से प्रभावित होती है।' साइकोडर्मेटोलॉजी एक नई उभरती हुई फील्ड है जिसमें मन और त्वचा दोनों को साथ में देखा जाता है। डॉ. अहमद अपने मरीजों के न सिर्फ शारीरिक लक्षणों बल्कि मानसिक स्थिति का भी जायजा लेती हैं। वह पूछती हैं-मूड कैसा है, चिंता या रोने का मन कितनी बार होता है, नींद कैसी आ रही है, खान-पान और व्यायाम कैसा है। डॉ. अहमद कहती हैं, 'त्वचा विशेषज्ञ अक्सर खुद को जासूस की तरह महसूस करते हैं।' शरीर का सबसे बड़ा अंग होने के कारण त्वचा की स्थिति व्यक्ति के पूरे स्वास्थ्य का अच्छा संकेत दे सकती है।

तनाव त्वचा पर कैसे असर डालता है?

कुछ अध्ययनों में यह भी पाया गया है कि तनाव मुंहासों को बढ़ा सकता है। मस्तिष्क और त्वचा दोनों शुरुआती भ्रूण में एक ही प्रकार की कोशिकाओं से विकसित होते हैं, इसलिए ये दोनों गहराई से जुड़े हुए हैं। जब हम तनाव महसूस करते हैं, तो मस्तिष्क एक श्रृंखला शुरू करता है जिससे कोर्टिसोल और एड्रेनालिन जैसे हार्मोन खून में छोड़ दिए जाते हैं। थोड़ी मात्रा में यह 'फाइट और फ्लाइट' प्रतिक्रिया देते हैं, जो हमें ज्यादा सतर्क और सक्रिय बनाती है, लेकिन जब यह ज्यादा हो जाता है, तो ये हार्मोन सूजन बढ़ाते हैं, जिससे सूजन वाली त्वचा की बीमारियां और बदतर हो जाती हैं। यह हार्मोन त्वचा की बाहरी सुरक्षात्मक परत को भी कमजोर कर देते हैं, इससे नमी बाहर निकल जाती है।

MADHUR CARGO
Packers & Movers
A Unit of Shree Madhur Transport Co.
Contact : 9713068681
OUR SERVICES
24/7 Hours Service
HOUSE HOLD SERVICE
LOADING/UNLOADING
MOVING & SHIFTING
PACKING SERVICE
OFFICE SHIFTING
TRANSPORTATION PAN INDIA
SAFE & ECONOMICAL MOVING SERVICE
B-34, Madhur Plaza Near Gurudwara Transport Nagar Kokta, Bhopal PIN-462028

जागरण क्लासीफाइड
डबल धमाका
हमारा वादा, कम में ज्यादा
एक के साथ एक फ्री स्कीम
रविंग क्लासीफाइड के साथ
भोपाल संस्करण ₹300/-
संपूर्ण म.प्र. संस्करण ₹500/-
विज्ञापन बुकिंग हेतु संपर्क करें
9826065324
Email : advtbhopaljagran@gmail.com

अण्डा
BHOPAL EGG RATE 405/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह
पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

आवश्यकता है
आउटसोर्स एजेंसी को सरकारी कार्यालयों हेतु सुरक्षागार्ड, आफीसबाय सफाईकर्मी, कुक (M/F), कम्प्यूटर आपरेटर, सुपरवाइजरों की आवश्यकता है रिजयुम सहित संपर्क करें - 57,ग्रेस टावर द्वितीय तल, जोन-2 एम पी नगर भोपाल 8817793148 (9-4)

एसपी बंगले के पास चलती कार में आग

जागरण, जबलपुर। सिविल लाइन स्थित एसपी बंगले के पास शुक्रवार शाम एक चलती सफेद कार में अचानक आग लग गई। आग लगते ही कार सवार लोग तुरंत वाहन से उतरकर सुरक्षित दूरी पर चले गए। देखते ही देखते कार में आग तेज हो गई, जिससे मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। वहां से गुजर रहे लोगों ने भी अपनी गाड़ियां दूर खड़ी कर लीं। इसी दौरान एसपी बंगले में तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत आग बुझाने की कोशिश शुरू की।

प्रकरणों में लापरवाही पर 10 अफसरों पर लगाया जुर्माना

जागरण, खंडवा। सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने एल-1 स्तर के 10 अधिकारियों पर 500-500 रुपए का अर्थदंड लगाया है। दरअसल, समीक्षा के दौरान पाया कि शिकायतों को संबंधित अधिकारियों ने समय पर अटेंड ही नहीं किया, जिसके चलते वे पोर्टल पर नॉट अटेंड की स्थिति में बनी रहीं।

''ट्वीट ऑफ द डे''

डॉ. जितेंद्र सिंह
केंद्रीय राज्य मंत्री

भारत का स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन एक व्यापक राष्ट्रीय रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आयात पर निर्भरता को कम करना, स्वदेशी क्षमताओं को मजबूत करना और देश को हरित भविष्य की ओर वैश्विक बदलाव में अग्रणी भूमिका निभाने में सक्षम बनाना है। भारत वर्तमान में अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है, जिससे घरेलू उत्पादन क्षमता को तेजी से बढ़ाना आवश्यक हो जाता है।

भ्रष्ट पुलिसकर्मियों की अब खैर नहीं, मप्र में दोबारा एक्टिव होगी इंटरनल विजिलेंस विंग

छवि सुधारने की पहल: दागी अफसरों की खुलेगी फाइल, सिवनी-गुना कांड के बाद पीएचक्यू की तैयारी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश पुलिस महकमे में लगातार आ रही भ्रष्टाचार और लूट की शिकायतों ने विभाग की छवि पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। सिवनी और गुना में हवाला की राशि की लूट में पुलिसकर्मियों के नाम सामने आने के बाद अब पुलिस मुख्यालय ने अपने ही घर की सफाई करने का बड़ा फैसला लिया है। पीएचक्यू की सीआईडी ब्रांच के तहत आने वाली इंटरनल विजिलेंस विंग को अब दोबारा पूरी तरह सक्रिय किया जा रहा है, जो केवल भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ मोर्चा खोलेगी। विजिलेंस टीम न केवल शिकायतों के आधार पर जांच करेगी बल्कि मौके पर जाकर रिश्वत या अन्य अवैध गतिविधियों में लिप्त स्टाफ पर एक्शन भी लेगी। इसके अलावा इंटरलन विजिलेंस विंग आय से अधिक संपत्ति के मामलों में पुलिस स्टाफ पर छापे भी मारेगी। यह व्यवस्था अगले दो से तीन माह में लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

1973 में हुई थी स्थापना, समय काटने का अड्डा बन गया विजिलेंस थाना

पुलिस मुख्यालय में इंटरनल विजिलेंस विंग की स्थापना वर्ष 1973 में की गई थी। शुरुआती दौर में यह काफी प्रभावी रही, लेकिन धीरे-धीरे इसका असर कम होने लगा। आलम यह हो गया कि इस विंग में ऐसे अफसरों और स्टाफ को रखा जाने लगा जो केवल समय गुजारने के लिए भोपाल में पदस्थ रहना चाहते थे। सक्रियता की कमी के कारण यह विंग हाशिए पर चली गई। फिलहाल स्थिति यह है कि सीआईडी के विजिलेंस थाने में महज दो केस की जांच के लिए 32 अधिकारी-कर्मचारियों की भारी-भरकम फौज तैनात है। इनमें से भी एक केस को हाल ही में बंद कराया गया है, जबकि वर्ष 2023 में इंदौर में पुलिसकर्मियों द्वारा रिश्वत मांगने के मामले की एक एफआईआर पर जांच पिछले दो साल से अटकी हुई है।

पुलिस महकमे में लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू हो रहीं बेअसर

अब तक लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू ही पुलिसकर्मियों के खिलाफ रिश्वत या आर्थिक अपराध की जांच करती आई हैं, लेकिन इन एजेंसियों का पुलिस पर कार्रवाई का आंकड़ा काफी कम रहा है। इससे महकमे के भीतर इन बाहरी एजेंसियों का खौफ कम हो गया था। अब इंटरनल विजिलेंस विंग न केवल आंतरिक जांच करेगी, बल्कि पुख्ता सबूत मिलने पर सीधे आपराधिक प्रकरण भी दर्ज करेगी। हाल ही में कुछ जिलों में पुलिस स्टाफ द्वारा ही अपराधों को अंजाम देने की घटनाओं ने सरकार को सख्त कदम उठाने पर मजबूर किया है। पुलिस की अपनी आंतरिक विजिलेंस विंग होने से जांच में गोपनीयता बनी रहेगी और विभाग के भीतर छिपे खाकी वर्दी वाले अपराधियों को पकड़ना आसान होगा। इस नई व्यवस्था से जहां ईमानदार पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ेगा, वहीं दागी चेहरों के लिए अब वर्दी पहनकर भ्रष्टाचार करना मुमकिन नहीं होगा।

अनुभवी अफसरों की होगी तैनाती

पुलिस महकमे के भीतर फैले भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री ने इस विशेष विंग को दोबारा मजबूत करने की मौखिक सहमति दे दी है। सीआईडी के स्पेशल डीजी पंकज श्रीवास्तव के अनुसार अब विजिलेंस थाने को पूरी तरह सशक्त बनाया जाएगा। डीजीपी जल्द ही इस विंग में ऐसे जांबाज और ईमानदार छवि वाले अफसरों को तैनात कर सकते हैं, जिनके पास सीबीआई, ईडी, लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू जैसी जांच एजेंसियों में काम करने का अनुभव हो। इसका उद्देश्य यह है कि पुलिस के खिलाफ आने वाली गंभीर शिकायतों की तत्काल जांच हो सके और उनके खिलाफ त्वरित एफआईआर दर्ज की जा सके।

अनिल अग्रवाल अमेरिका में करेंगे बड़ा निवेश, बोले-

भारत ने तेजी नहीं दिखाई तो हाथ से निकल जाएंगे अवसर

नई दिल्ली, जेएनएन। वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने अमेरिका में करीब 47,000 करोड़ रुपए के बड़े निवेश की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि वे इतनी बड़ी राशि लेकर अमेरिका इसलिए पहुंचे हैं क्योंकि वहां काम करने की आजादी और फैसले लेने की गति काफी तेज है। उनका यह बयान भारत के लिए एक स्पष्ट संदेश माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने चेतावनी दी कि अगर अब भी तेजी नहीं दिखाई गई तो अवसर हाथ से निकल सकते हैं।

अमेरिका के टेक्सास राज्य के ह्यूस्टन में आयोजित वैश्विक ऊर्जा सम्मेलन से लौटने के बाद अनिल अग्रवाल ने कहा कि अमेरिका में काम करने का माहौल बेहद अनुकूल है। उन्होंने कहा, 'वहां सबसे बड़ी खासियत है, तेजी से फैसले लेना और तुरंत काम शुरू करना।' उनका मानना है कि यदि भारत भी इसी तरह का दृष्टिकोण अपनाए, तो वह अपनी ऊर्जा जरूरतों को खुद पूरा कर सकता है।

किन क्षेत्रों में होगा निवेश

अनिल अग्रवाल ने बताया कि वेदांता समूह अमेरिका में करीब 5 अरब डॉलर (करीब 47,000 करोड़ रुपए) का निवेश करने जा रहा है।

यह निवेश निम्न क्षेत्रों में किया जाएगा

- सेवाएं
- ड्रिलिंग (खोज और उत्पादन)
- तकनीक
- नई साझेदारियां

उन्होंने कहा कि कंपनी वैश्विक स्तर पर बड़े उद्योग समूहों के साथ मिलकर तेजी से विस्तार करना चाहती है।

भारत के लिए क्या कहा

भारत को लेकर अनिल अग्रवाल ने कहा कि देश में संसाधनों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा, 'भारत के पास खनिज, तेल, गैस और प्रतिभा सब कुछ है। जरूरत सही सोच और तेज निर्णय लेने की है। विकास के लिए संसाधनों का उपयोग जरूरी है।

ऊर्जा क्षेत्र को लेकर सुझाव

अग्रवाल ने सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि कारोबारी माहौल पहले से बेहतर हुआ है। साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को भी वैश्विक स्तर के बड़े ऊर्जा सम्मेलन आयोजित करने चाहिए, ताकि दुनिया भारत की क्षमता को समझ सके।

संक्षिप्त खबरें

मां ने बेटी को बचा लिया खुद पानी में डूबी, मौत

जागरण, सतना। जिले की बठिया कला ग्राम पंचायत के अंतर्गत आने वाली छुलहनी बस्ती हाई स्कूल के पीछे स्थित एक खदान में शुक्रवार दोपहर एक हादसा हो गया। मां ने अपनी बेटी को डूबने से तो बचा लिया लेकिन खुद गहरे पानी में फंस गई और उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, रेखा बेलदार अपनी बेटी छोटी बेलदार के साथ खदान पर कपड़े धोने गई थीं। नहाते वक्त छोटी का पैर फिसल गया और वह डूबने लगी। बेटी को डूबता देख मां उसे बचाने पानी में कूद पड़ीं। उन्होंने किसी तरह बेटी को संभाला और उसे खदान के किनारे तक सुरक्षित पहुंचा दिया। हालांकि, बेटी को बचाने के दौरान रेखा खुद गहरे पानी में फंस गईं और बाहर नहीं निकल सकीं। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय गोताखोरों को खदान में उतारा गया। नायब तहसीलदार राजेश सिंह और बाबूपुर चौकी प्रभारी शुभम भी मौके पर पहुंचे। लगभग आधे घंटे की कोशिश के बाद रेखा का शव खदान से बरामद कर लिया गया।

रेप के आरोपी पूर्व भाजपा नेता का कोर्ट में सरेंडर

जागरण, रतलाम। रेप के आरोप में ढाई माह से फरार चल रहे भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष इमरान हुसैन उर्फ सुपर ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। एक हिंदू युवती से रेप के मामले में पुलिस पिछले कई दिनों से उसकी तलाश कर रही थी और उस पर 10 हजार का इनाम था। इमरान ने हाईकोर्ट के आदेश के साथ रतलाम कोर्ट में आत्मसमर्पण किया, जिसके बाद साक्ष्य जुटाने के लिए न्यायालय ने उसे 28 मार्च तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी ने हिंदू नाम सोनू बताकर युवती से दोस्ती की थी और उसे पति से तलाक दिलवाने के बाद शादी करने से इनकार कर दिया था। आरोपी इमरान अपने साथ अग्रिम जमानत याचिका निरस्ती के दस्तावेज और हाईकोर्ट से जारी वह आदेश लेकर पहुंचा था, जिसमें उसे पुलिस के समक्ष या रतलाम कोर्ट में सरेंडर करने के लिए आदेशित किया था। रतलाम कोर्ट से इमरान के सरेंडर होने की सूचना पुलिस को मिली। पुलिस ने कोर्ट में पेश होकर फरार आरोपी से अपराध की जानकारी और साक्ष्य जुटाने के लिए रिमांड मांगा।

एलएचबी कोच के साथ चलेगी श्रीधाम, सफर होगा आरामदायक

30-31 मई से यात्रियों को मिलेगी सुविधा

नगर संवाददाता, भोपाल। जबलपुर और नई दिल्ली के बीच चलने वाली श्रीधाम एक्सप्रेस के यात्रियों के लिए यह एक बड़ी खुशखबरी है। अब इस ट्रेन में पुराने पारंपरिक कोचों की जगह आधुनिक एलएचबी (लिंक हॉफमैन बुश) कोच लगाए जा रहे हैं। इस बदलाव से न केवल यात्रा सुरक्षित होगी, बल्कि यात्रियों को पहले से कहीं अधिक आरामदायक अनुभव मिलेगा। जानकारी अनुसार गाड़ी संख्या 12192 जबलपुर-निजामुद्दीन श्रीधाम एक्सप्रेस में जबलपुर से 30 मई से और गाड़ी संख्या 12191 निजामुद्दीन- जबलपुर श्रीधाम एक्सप्रेस में अपने प्रारम्भिक स्टेशन निजामुद्दीन से 31 मई एलएचबी कोच जोड़े जाएंगे। उक्त परिवर्तन होने के बाद इस ट्रेन में 1 वातानुकूलित प्रथम श्रेणी, 2 वातानुकूलित द्वितीय, 5 वातानुकूलित तृतीय, 1 वातानुकूलित तृतीय इकॉनमी, 7 स्लीपर, 4 सामान्य श्रेणी, 1 एसएलआरडी एवं 1 जनरेटर कार सहित कुल 22 एलएचबी कोच रहेंगे। यहां आपको बता दें कि एलएचबी कोच पारंपरिक (आईसीएफ) कोचों की तुलना में अधिक आरामदायक एवं सुरक्षित होते हैं। इनमें उच्च गति पर संचालन की क्षमता होती है तथा ये वजन में भी हल्के होते हैं। नए डिज़ाइन में तैयार किए गए ये कोच यात्रियों को अधिक सुखद और सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करते हैं।

एलएचबी कोच के फायदे

1. **सुरक्षा में बड़ी वृद्धि:** एलएचबी कोच एंटी-टेलीस्कोपिक तकनीक से लैस होते हैं। इसका मतलब है कि किसी दुर्घटना की स्थिति में ये कोच एक-दूसरे के ऊपर नहीं चढ़ते, जिससे जान-माल के नुकसान की आशंका बेहद कम हो जाती है।
2. **बेहतर रफ्तार और कम शोर:** ये कोच 160 किमी/घंटा तक की गति पर चलने के लिए डिजाइन किए गए हैं, जिससे भविष्य में ट्रेन के यात्रा समय में भी कमी आ सकती है। आधुनिक सस्पेंशन प्रणाली के कारण पटरी की आवाज और झटके कोच के अंदर बहुत कम महसूस होते हैं।
3. **आधुनिक इंटीरियर और सुविधाएं:** यात्रियों को बाहर का नजारा देखने के लिए अब पहले से बड़ी और साफ खिड़कियां मिलेंगी। कोच के अंदर एलईडी लाइटिंग और हर सीट के पास मोबाइल चार्जिंग पॉइंट की बेहतर सुविधा होगी। ट्रेन में आधुनिक बायो-टॉयलेट सेटअप होगा, जिससे स्वच्छता बनी रहेगी।
4. **बढ़ी हुई क्षमता:** आमतौर पर एलएचबी कोच में पारंपरिक कोचों के मुकाबले अधिक सीटें होती हैं। स्लीपर में 72 की जगह 80 सीटें और थर्ड एसी में 64 की जगह 72 सीटें। इससे वेटिंग लिस्ट वाले यात्रियों के टिकट कन्फर्म होने की संभावना भी बढ़ जाएगी।

एक्सेल व्हीकल्स के संचालकों की 12.62 करोड़ की प्रॉपर्टी अटैच

42 करोड़ के बैंक लोन घोटाले में ईडी का एक्शन, पहले से गिरवी प्रॉपर्टी दोबारा बैंक में बंधक रखी

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी में बैंक लोन में की गई धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की भोपाल यूनिट ने एक्सेल व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड और उसके संचालकों मंजू गर्ग व ऋषभ गर्ग की 12.62 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी को अटैच कर लिया है। कुर्क की गई इन संपत्तियों में भोपाल जिले की कोलार तहसील स्थित खेती की जमीन और एक कमर्शियल प्लॉट शामिल है। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की गई है। ईडी ने सीबीआई भोपाल की एसीबी यूनिट द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। ईडी की पड़ताल में सामने आया कि एक्सेल व्हीकल्स और उसके निदेशकों ने बैंक ऑफ इंडिया के साथ लगभग 42 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। धोखाधड़ी की गंभीरता को देखते हुए सीबीआई ने दिसंबर 2022 में इंदौर की स्पेशल कोर्ट में चार्जशीट भी दाखिल की थी। इस मामले में ईडी से मिली जानकारी के अनुसार पड़ताल में कई राज खुले हैं। इस फर्म के संचालकों ने बैंक से जालसाजी के कई तरीके अपनाए। एक्सेल व्हीकल्स ने टाटा मोटर्स की डीलरशिप के नाम पर बैंक ऑफ इंडिया से 42 करोड़ रुपये की क्रेडिट सुविधा ली। इसके लिए उन्होंने एक ऐसी संपत्ति को बैंक ऑफ इंडिया के पास गिरवी रख दिया, जिसे वे पहले ही कोटक महिंद्रा बैंक के पास गिरवी रख चुके थे। इस तथ्य को बैंक से पूरी तरह छिपाया गया। इसके बाद इस फर्म के संचालकों ने कैश क्रेडिट अकाउंट से बड़ी रकम अपनी ही दूसरी सहयोगी कंपनियों के खातों में ट्रांसफर कर दी, जिसका कोई व्यावसायिक औचित्य नहीं था। बैंक ऑफ इंडिया ने यह लोन इसी शर्त पर जारी किया था कि इसका उपयोग सिर्फ व्यापारिक कामकाज में होगा। इससे पहले 6 नवंबर 2024 को ईडी के छापों में एक्सेल व्हीकल्स के निदेशकों के पास से लगभग 1 करोड़ 10 लाख कैश और भारी मात्रा में आभूषण मिले थे, जिन्हें जब्त कर लिया गया था।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स के असिस्टेंट मैनेजर की 84 लाख की प्रॉपर्टी कुर्क

ईडी की भोपाल यूनिट ने साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के कोरबा में पदस्थ सहायक प्रबंधक (सर्वे) प्रभाकर शुक्ला की भी लगभग 83.24 लाख रुपये की चल और अचल संपत्तियों को कुर्क कर लिया है। ईडी भोपाल ने यह कार्रवाई सीबीआई जबलपुर द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर की है, जिसमें प्रभाकर शुक्ला पर आय से कई गुना अधिक संपत्ति बनाने के आरोप लगे थे। ईडी ने इस मामले में 2008 से 2022 तक के रिकॉर्ड खंगाले, जिसमें कई अनियमितताएं सामने आईं। जांच में पाया गया कि प्रभाकर शुक्ला ने सरकारी कोल कंपनियों में अपनी पदस्थापना के दौरान अपनी वैध आय से 83.24 लाख रुपये अधिक की प्रॉपर्टी बनाई। इस काली कमाई को उन्होंने अपनी पत्नी और बेटियों के नाम पर खोले गए बैंक खातों के जरिए ट्रांसफर किया। इस रकम से शुक्ला ने अपने और परिवार के नाम पर न केवल लाखों की एफडी कराई बल्कि महंगी इंश्योरेंस पॉलिसियां भी खरीदीं। इसके अलावा उन्होंने इस रकम का एक बड़ा हिस्सा जमीन और फ्लैट खरीदने में भी निवेश किया। ईडी की पूछताछ में जब प्रभाकर शुक्ला इस रकम का स्रोत बताने में विफल रहे तो इस प्रॉपर्टी को अटैच कर लिया गया।

चित्रकूट में बारिश, रामनवमी पर नहीं जलाए जा सके दीए

शनिवार को 21 जिलों में आंधी बारिश की चेतावनी

नगर संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में शुक्रवार को चक्रवातीय परिसंचरण का असर देखने को मिला। उत्तर प्रदेश से सटे कई जिलों में बादल छाए और कहीं कहीं बारिश भी हुई। कई इलाकों में आंधी और बारिश का दौर शुरू हो गया। मौसम विभाग से मिली जानकारी अनुसार शुक्रवार शाम सतना के चित्रकूट में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। चित्रकूट में रामनवमी का कार्यक्रम भी प्रभावित हुआ। यहां 21 लाख दीप जलाए जाने थे, लेकिन बारिश से अधिकांश दीपों में पानी भर गया। इससे पूरे आयोजन पर मौसम ने पानी फेर दिया है। मंच को तिरपाल से ढक दिया गया है। वहीं मौसम विभाग ने 20 जिलों में बारिश-आंधी का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक ग्वालियर समेत कई जिलों में बादल छाए रहे और मौसम बदला रहा। वहीं नर्मदापुरम में गर्मी का असर बना रहा, रात में भी आंधी-बारिश की संभावना है। इसके साथ ही ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, सिंगरौली, सीधी, रीवा, मऊगंज, सतना, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडौरी, कटनी, जबलपुर, पन्ना, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी और मैहर जिलों में बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया है।

नर्मदापुरम में सबसे ज्यादा तापमान

शुक्रवार को कई शहरों में गर्मी का असर भी देखने को मिला। नर्मदापुरम में पारा 40 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। खजुराहो में 39.6 डिग्री, रतलाम-मंडला में 39.5 डिग्री, खंडवा में 39.1 डिग्री, खरगोन में 38.5 डिग्री, रायसेन में 38.4 डिग्री, सिवनी-सागर में तापमान 38.2 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, प्रदेश के 5 बड़े शहरों में जबलपुर में सबसे ज्यादा 38.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भोपाल, इंदौर और उज्जैन में तापमान 37 डिग्री पहुंच गया, जबकि ग्वालियर में 36.1 डिग्री रहा।

भोपाल, इंदौर-उज्जैन में भी बारिश का अनुमान

मौसम विभाग के अनुसार, 30 मार्च तक भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, सागर संभाग के करीब 28 जिलों में पानी गिर सकता है। 28 मार्च को कुछ जिलों में बूंदाबांदी होने का अनुमान है। 30 मार्च को सिस्टम का सबसे ज्यादा असर रहेगा।

एटीएम कार्ड बदलकर 1 लाख से ज्यादा की ठगी

जागरण, भोपाल। शाहपुरा थाना क्षेत्र में एटीएम कार्ड बदलकर ठगी का मामला सामने आया है। अज्ञात युवक ने एटीएम पर पिन देखकर कार्ड बदल लिया और फिर खाते से एक लाख रुपए से ज्यादा की रकम निकाल ली। 47 वर्षीय निशांत बाजपेई भरत नगर में रहते हैं। 22 मार्च की शाम करीब साढ़े 5 बजे वह अपनी पत्नी के साथ श्वेता कॉम्प्लेक्स के सामने स्थित एसबीआई एटीएम से पैसे निकालने पहुंचे थे। इसी बीच एक अज्ञात युवक उनका पीछा करते हुए एटीएम बूथ में पहुंचा, जहां पैसे नहीं निकलने पर उसने उनका पिन नंबर देख लिया। इसके दौरान आरोपी ने मौका पाकर उनका एटीएम कार्ड बदल दिया। कुछ देर बाद पीड़ित को मोबाइल पर खाते से पैसे कटने का मैसेज मिलता है। इस पर ठगी का अहसास होने पर उन्होंने थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

सुरक्षा सरकार ले आई नए नियम, अब एक गलती और लग सकता है भारी जुर्माना

सीसीटीवी लगाने से पहले बतानी होगी पूरी डिटेल

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में बढ़ते साइबर खतरों और जासूसी के बीच सरकार ने डिजिटल सुरक्षा को लेकर बड़े कदम उठाए हैं। अब टेलीकॉम डिवाइसों, सीसीटीवी सिस्टम और डेटा सुरक्षा से जुड़े नियम पहले से ज्यादा सख्त कर दिए गए हैं, इसका मकसद संवेदनशील नेटवर्क को सुरक्षित बनाना और बाहरी खतरों से बचाव करना है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ समय से सार्वजनिक और सरकारी जगहों पर इस्तेमाल हो रहे सीसीटीवी कैमरों को लेकर चिंता बढ़ी है खासकर उन डिवाइसों को लेकर जो विदेशों से आयात किए जाते हैं। माना जा रहा है कि इनमें सुरक्षा खामियां हो सकती हैं, जिनका गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। हाल ही में सुरक्षा एजेंसियों ने ऐसे जासूसी नेटवर्क का खुलासा किया, जिनके तार पड़ोसी देशों से जुड़े बताए जा रहे हैं, इससे यह खतरा और स्पष्ट हो गया कि अगर निगरानी सिस्टम सुरक्षित नहीं हैं तो उनका दुरुपयोग हो सकता है।

सरकारी विभागों के लिए सख्त निर्देश: सरकारी दफ्तरों और संस्थानों को साफ निर्देश दिए गए हैं कि वे केवल उन्हीं सीसीटीवी का इस्तेमाल करें जो नए नियमों के अनुरूप हों। पुराने सिस्टम की सुरक्षा जांच कर उन्हें अपडेट करने की भी सलाह दी है। सिर्फ सीसीटीवी ही नहीं बल्कि टेलीकॉम नेटवर्क को भी सुरक्षित बनाने नए कानून लागू किए गए हैं। अब टेलीकॉम डिवाइस केवल भरोसेमंद और स्वीकृत कंपनियों से ही खरीदे जा सकेंगे, इससे नेटवर्क में किसी भी तरह की घुसपैठ को रोकने में मदद मिलेगी।

क्या हैं नए नियम

सरकार ने अब सीसीटीवी डिवाइसों के लिए कुछ अनिवार्य तकनीकी मानक तय किए हैं, इन नियमों के तहत कंपनियों को यह बताना होगा कि उनके डिवाइस में इस्तेमाल होने वाले मुख्य हार्डवेयर कंपोनेंट कहां से आए हैं। इन डिवाइसों की जांच भी की जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इनमें कोई ऐसी कमजोरी न हो, जिससे कोई अनधिकृत व्यक्ति दूर बैठकर सिस्टम तक पहुंच बना सके। अब तक सैकड़ों सीसीटीवी मॉडल इन मानकों के तहत प्रमाणित किए जा चुके हैं।

डेटा सुरक्षा पर भी जोर

डिजिटल युग में डेटा सबसे बड़ी संपत्ति बन चुका है, इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने डेटा प्रोटेक्शन से जुड़े कानूनों को भी मजबूत किया है ताकि लोगों की निजी जानकारी सुरक्षित रह सके और उसका गलत इस्तेमाल न हो। दुनिया भर में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जहां निगरानी सिस्टम के जरिए लोगों की गतिविधियों पर नजर रखी गई और उनका दुरुपयोग किया गया। ऐसे में भारत भी अब अपने डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को सुरक्षित बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है।

कुठार में आगजनी के चलते खेतों में खड़ी गेहूं की 15 एकड़ फसल खाक

जागरण संवाददाता, भोपाल। शुक्रवार को भोपाल के कुठार गांव में 15 एकड़ क्षेत्रफल में गेहूं की खड़ी फसल जलकर खाक हो गई। बता दें कि जिस जगह आगजनी की घटना हुई, उसके आसपास सैकड़ों एकड़ क्षेत्र में गेहूं की फसल खड़ी थी। आग पर काबू पाने एक साथ 50 से ज्यादा किसान जुट गए। किसानों ने बताया कि आगजनी की घटना शुक्रवार दोपहर को हुई। यदि आग काबू में नहीं आती तो बड़े भूभाग में खड़ी फसल स्वाहा हो जाती। बता दें कि फिलहाल आग लगने के कारणों की पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन तेज हवा के चलते आग तेजी से फैली और देखते ही देखते 15 एकड़ क्षेत्रफल में फैली फसल को अपनी चपेट में ले लिया। प्रशासन ने गुरुवार को ही तीन माह तक पराली जलाने रोक लगाई है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।